MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 07 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-185

'ट्रस्ट' बहाल

अब कृष्ण भरोसे राम!

लखनऊ, 06 जुलाई (एजेंसियां)

चढ़ावा चोरी के बाद सोमवार को हुई श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है। अब पूर्व आईएफएस अधिकारी कृष्ण मोहन को ट्रस्ट का नया अंतरिम महासचिव नियुक्त किया गया है।

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी ने बताया कि ये बैठक पहले 11 जुलाई को होनी तय हुई थी। लेकिन विवाद को बढ़ता देख इसे समय से पहले, 6 जुलाई को कर लिया गया।

ट्रस्ट की बैठक में अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज, शंकराचार्य महाराज, युग पुरुष परमानंद, पेजावर मठ के विश्व प्रसन्न तीर्थ, नए ट्रस्टी कृष्ण मोहन और अयोध्या के जिला कलेक्टर शशांक त्रिपाठी शामिल हुए थे। कोरम पूरा होने के साथ यह बैठक काफी लंबी चली और इसमें कई बड़े फैसले लिए गए।

चोरी की घटना से आहत होकर दिया इस्तीफा

बैठक के बाद स्वामी गोविंद देव गिरी ने कहा, हम सभी इस घटना से बेहद आहत और दुखी हैं। चोरी छोटी थी या बड़ी, ये दूसरी बात है। हम असल में इस बात से परेशान हैं कि यहां ऐसा माहौल कैसे बनने दिया गया। लेकिन असलियत हमारे सामने है और इस पर विचार करना हमारा फर्ज है। इसी गहरी चिंता और दुख की वजह से हम तय तारीख से पहले आज यहां जमा हुए।

उन्होंने आगे बताया कि मौजूदा हालात को देखते हुए एक गंभीर स्थिति पैदा हो गई थी। हमारे महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा ने अपने इस्तीफे सौंप दिए थे। चंपत राय महासचिव के रूप में काम कर रहे थे और वो इस पूरी घटना से बहुत आहत थे। उनका मानना था कि जब तक पूर्ण न्याय नहीं हो जाता, यानी अपराधी पकड़े नहीं जाते और उन्हें कड़ी सजा नहीं मिल जाती, तब तक उनका इस पद पर बने रहना सही नहीं है। इसी वजह से उन्होंने अपना इस्तीफा दिया था।

ट्रस्ट के नियमों के तहत मान्य हुआ इस्तीफा

इस्तीफे की कानूनी प्रक्रिया को लेकर स्वामी गोविंद देव गिरी ने बताया कि ट्रस्ट के वरिष्ठ सदस्य के. परासरन ने एक अहम बिंदु उठाया। ट्रस्ट के संविधान के मुताबिक, कोई भी इस्तीफा सौंपे जाने के पल से ही मान्य मान लिया जाता है।

उन्होंने कहा, एक बार जब इस्तीफा सौंप दिया गया, तो उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का निर्णय हमारे हाथों में नहीं रह गया था। हमें बस इसे स्वीकार करना था। नियमों के मुताबिक उनका इस्तीफा स्वतः मान्य हो गया है। इस मौके पर हमने चंपत राय की दी गई सेवाओं की तारीफ की और उनका आभार जताया। उन्होंने बहुत ही उदार भावना के साथ खुद ये फैसला लिया है।

गोविंद गिरी ने कहा, उन्होंने (चंपत राय) इतने सालों तक राम मंदिर निर्माण के लिए काम किया है। बिल्कुल शुरुआत से, जब इस परियोजना को लेकर कोई बड़ी गतिविधि भी नहीं थी, तब से लेकर आज तक उन्होंने अपनी सेवाएं दी हैं। हमने उनके पूरे काम और इस परिस्थिति में दिखाई गई उनकी उदारता के सम्मान में उनके इस्तीफे को स्वीकार किया है।

कृष्ण मोहन बनाए गए ट्रस्ट के महासचिव

ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष ने बताया कि भविष्य की जरूरी व्यवस्थाओं की पूरी जिम्मेदारी अब कृष्ण मोहन को सौंप दी गई है, जो अंतरिम महासचिव के तौर पर काम करेंगे। बता दें कि कृष्ण मोहन ने ही राम मंदिर चंदा चोरी मामले में एफआईआर दर्ज कराई थी। वहीं, ट्रस्ट के विशेष आमंत्रित सदस्य गोपाल राव उर्फ गोपाल नागरकटे को भी ट्रस्ट से हटा दिया गया है।

ट्रस्ट की बैठक में सीईओ बनाने के लिए एक कमेटी का भी गठन किया गया है। इस तीन सदस्यीय कमेटी में दो सैन्य अधिकारी और एक रिटायर्ड न्यायाधीश भी शामिल किए गए हैं। इनके नाम- रिटायर्ड जज प्रमोद कोहली, रिटायर्ड ले.जनरल विष्णुकांत और न्यूक्लियर वैज्ञानिक जनरल सुरेश हावड़े हैं।

दान की गई सभी 2800 चीजें सुरक्षित

बैठक के दौरान ट्रस्ट ने कीमती उपहारों और चढ़ावे के गायब होने के आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया। स्वामी गोविंद देव गिरी ने बताया कि दान की गई सभी चीजें सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं कि कई कीमती चढ़ावे और दान की चीजें बिना किसी सुराग के गायब हो गईं। हम इन सभी चीजों का रिकॉर्ड रखने वाला रजिस्टर अपने साथ लाए हैं ताकि आपको दिखा सकें।

उन्होंने आगे कहा, हम आज आपके सामने इन सभी चीजों की पूरी डिटेल्स पेश कर रहे हैं। हमारे पास एक रजिस्टर है जिसमें ऐसी 2800 चीजों की लिस्ट है और वो सभी पूरी तरह सुरक्षित हैं। जिन पांच विशेष चीजों को लेकर चर्चाएं हो रही थीं, उन्हें हम आज सिर्फ सैंपल के तौर पर दिखाने के लिए लाए हैं।

गोविंद गिरी ने भरोसा दिलाया कि आगे काम इस तरह से किया जाएगा कि कोई भी व्यक्ति इसमें छोटी सी भी गलती नहीं निकाल पाएगा। इसके लिए एक छोटी समिति बनाई गई है जो विशिष्ट अधिकारियों की नियुक्ति करेगी।

स्वामी गोविंद देव गिरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगे कहा, हम साफ कर देना चाहते हैं कि चोरी तो चोरी है। इस मामले की जांच इस समय एसआईटी कर रहा है, जो कि प्रशासन की जिम्मेदारी है। हमारी भी पुरजोर मांग है कि अपराधियों और उनके पीछे छिपे सहयोगियों को जल्द से जल्द पकड़ा जाए ▶8पर

मोजतबा खामेनेई नहीं दिखे तीन बेटे आये, ईरानी मायूस

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा में सोमवार को भारी जनसैलाब उमड़ा। खामेनेई के अंतिम दर्शन के लिए तेहरान में कई किलोमीटर लंबे रूट पर लोगों का जत्था दिखाई दिया। इससे पहले जब आयतुल्ला के ताबूत को ग्रैंड मोसल्ला लाया गया तो उनके तीन बेटे मुस्तफा, मैसम और मसूद रोते-बिलखते नजर आए लेकिन मोजतबा खामेनेई की गैरमौजूदगी सबसे ज्यादा चर्चा में रही। इस बीच आयतुल्ला के अंतिम दर्शन के लिए पहुंचीं महिलाएं मोजतबा के नहीं आने से मायूस नजर आईं।

अब तक मोजतबा खामेनेई की कोई सार्वजनिक तस्वीर या वीडियो सामने नहीं आया है। बताया जाता है कि अमेरिका और इजरायल के 28 फरवरी के हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। इसी हमले में आयतुल्लाह अली खामेनेई और उनके परिवार के अन्य सदस्य मारे गए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, मोजतबा खामेनेई का चेहरा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है और उनके एक या दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। लेकिन आयतुल्ला के अंतिम दर्शन के लिए उमड़ी भीड़ में शामिल एक महिला ने मोजतबा के नहीं आने पर मायूसी जताते हुए कहा कि वह आखिरी क्षण तक नमाज शुरू होने से पहले तक मोजतबा का इंतजार करती रहीं। उन्होंने कहा कि मैं अपने आसपास के लोगों से यही कहती रही कि काश मोजतबा खामेनेई खुद आ जाएं। यही हमारी सबसे बड़ी इच्छा थी। वहीं, एक अन्य महिला ने भी बताया कि हमें उम्मीद थी कि मोजतबा आएंगे और हम उन्हें देख पाएंगे। लेकिन वह नजर नहीं आए।

बता दें कि आयतुल्ला खामेनेई के पार्थिव शरीर को अब कोम ले जाया जाएगा, जहां मंगलवार को खामेनेई के अंतिम संस्कार संबंधी समारोह होंगे। एक सरकारी अधिकारी के हवाले से ईरानी मीडिया ने बताया कि कोम तक पार्थिव शरीर को विशेष वाहन से सड़क मार्ग द्वारा ले जाया जाएगा। इसके बाद बुधवार को पार्थिव शरीर को विमान से इराक के पवित्र शिया शहर ▶8पर

LOC पर POK

हुक्का पानी बंद किया पाक ने

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जारी विरोध प्रदर्शन तेज हो गया है। आंदोलन 26वें दिन में प्रवेश कर चुका है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि पाकिस्तान ने पिछले तीन हफ्तों से इलाके में खाने और दवाइयों की सप्लाई रोक दी है, जिससे गंभीर मानवीय संकट पैदा हो गया है। आंदोलन का नेतृत्व वरिष्ठ नेता सरदार अमन खान कर रहे हैं। उन्होंने पहली बार सीधे भारत और लाइन ऑफ कंट्रोल के इस पार रहने वाले लोगों से मदद की अपील की है। रावलकोट के ईदगाह ग्राउंड में आयोजित एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए सरदार ने कहा कि इलाके के लोग भोजन और दवाइयों की भारी कमी का सामना कर रहे हैं। पाकिस्तानी नीतियों के कारण लोगों की मुश्किलें बढ़ रही हैं।

उस तरफ बढ़ो – भीड़ ने दिया एकस्वर में जवाब, 8 जुलाई का अल्टीमेटम

अमन खान ने लोगों से पूछा कि क्या उन्हें लाइन ऑफ कंट्रोल की तरफ मार्च करना चाहिए। भीड़ ने एक सुर में जवाब दिया, उस तरफ बढ़ो। इसके बाद उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार लोगों की मांगों का जवाब गोलियों से देती रही, तो उनके पास दूसरे रास्ते भी हैं। जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी ने प्रशासन को 8 जुलाई तक का अल्टीमेटम दिया है।

कमेटी ने कहा है कि यदि तय समय तक उनकी मांगें पूरी नहीं की गईं, तो 8 जुलाई को धरना स्थल से आंदोलन के अगले चरण का ऐलान किया जाएगा। जेएएसी ने अपने बयान में कहा कि पाकिस्तान सरकार और आजाद कश्मीर की सरकार को 8 जुलाई तक का समय दिया गया है। यदि तब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया, तो आंदोलन व्यापक होगा। उधर, पीओके के मुद्दे ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी ध्यान खींचना शुरू कर दिया है। मानवाधिकार उल्लंघन और राजनीतिक दमन के विरोध में हजारों कश्मीरी प्रवासी लंदन में आयोजित एक बड़े ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

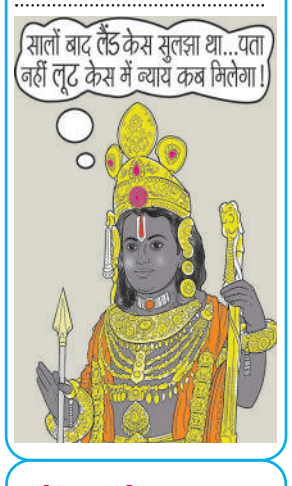

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 33^0
न्यूनतम : 26^0

पहलगाम हमला : हाफिज सईद मास्टरमाइंड

लश्कर चीफ पर भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप

नई दिल्ली, 06 जुलाई (एजेंसियां)

पहलगाम हमले पर एनआईए ने सोमवार को सप्लीमेंट्री चार्जशीट दाखिल की। एजेंसी ने कहा कि बैसरनघाटी में हुए आतंकी हमले की साजिश लश्कर-ए-तैयबा चीफ हाफिज सईद ने ही रची थी। एनआईए ने हाफिज पर भारत के खिलाफ जंग छेड़ने का आरोप लगाया है।

22 अप्रैल 2025 को आतंकवादियों ने पहलगाम की बैसरन घाटी में फायरिंग की थी। टूरिस्टों की धर्म पूछकर हत्या की गई थी। हमले में 26 टूरिस्ट मारे गए थे। इसके बाद भारत ने 6-7 मई की रात ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया। पाकिस्तान और पीओके में 9 ठिकानों पर हमला किया था। भारत का दावा है, इसमें 100 से ज्यादा आतंकवादी मारे गए।

पहलगाम हमले के बाद एनआईए ने 15 दिसंबर 2025 को पहली चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें पाकिस्तान के आतंकी हैंडलर साजिद जट समेत 6 आतंकियों को आरोपी बनाया था। उस वक्त हाफिज सईद का नाम सामने नहीं आया था। पहलगाम हमले के 3 आतंकी मारे जा चुके हैं। आतंकियों का हैंडलर सैफुल्लाह जट्ट उर्फ लंगड़ा अभी जिंदा है। उस पर 10 लाख का इनाम है।

एनआईए चार्जशीट में अब तक 5 बड़े खुलासे

1. आतंकियों को रियल टाइम डायरेक्शन मिला

लश्कर आतंकी सैफुल्लाह जट्ट उर्फ लंगड़ा को मास्टरमाइंड बताया गया था। साजिद पाकिस्तान के लाहौर में कसूर में रहता है। जट्ट ही आतंकियों का मेन हैंडलर था। वह उन्हें रियल टाइम डायरेक्शन दे रहा था। उसने ही हमले वाली जगह बैसरन वैली की लोकेशन भेजी थी। हमले के दौरान आतंकियों से बात कर रहा था।

▶8पर

मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे बंद, कई ट्रेन-फ्लाइट रद्द, अब तक 13 की मौत

महाराष्ट्र में बारिश का कहर

मुंबई, 06 जुलाई (एजेंसियां)

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में पिछले चार दिनों से जारी मूसलधार बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित है। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे पर कुछ ही सप्ताह पहले आम जनता के लिए खोले गए नवनिर्मित ममिसिंग लिंकफ ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। इस अत्याधुनिक मार्ग की एक प्रमुख सुरंग के भीतर तेजी से पानी का रिसाव शुरू हो गया है।

सुरंग के अंदर जलभराव और किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए लोक निर्माण विभाग और यातायात पुलिस ने इस नए मार्ग पर वाहनों की आवाजाही को पूरी तरह रोक दिया है। मिसिंग लिंक में भारी रिसाव के कारण विपक्ष को सरकार पर हमले का मौका मिल गया है। विपक्षी दल मिसिंग लिंक को लेकर सरकार और मुख्यमंत्री पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं।

शिवसेना (यूबीटी) के एमएलसी अंबादास दानवे ने मिसिंग लिंक के कैरिजवे पर कंक्रीट का खंभा गिरने के बाद जवाबदेही की मांग की है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है। मुंबई और पुणे के बीच रेल संपर्क भी बाधित है। कर्जत के पास पहाड़ी खिसकने (भूस्खलन) से रेलवे ट्रैक पर भारी मलबा आ गया है। ▶8पर

जकार्ता पहुंचे मोदी, राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने किया हवाई अड्डे पर स्वागत

नयी दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तीन देशों की यात्रा के पहले चरण में सोमवार शाम इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंचे जहां स्वयं राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री मोदी के विमान के इंडोनेशिया की हवाई सीमा में प्रवेश करते ही इंडोनेशिया वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने उन्हें जकार्ता हवाई अड्डे तक सुरक्षा प्रदान की।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि वह राष्ट्रपति सुबियांतो के स्वागत भाव से अभिभूत हैं और उनके साथ द्विपक्षीय वार्ता के लिए उत्सुक हैं।

प्रधानमंत्री ने लिखा , जकार्ता में उतरा। हवाईअड्डे पर मेरा स्वागत करने के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के सद्भाव से मैं अभिभूत हूं।

वर्ष 2018 में हमने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया, जिससे हमारे लोगों को लाभ हुआ है। इस

यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति प्रबोवो सुबिआंतो और मैं विभिन्न क्षेत्रों में इस साझेदारी को और अधिक गति देने के उद्देश्य से चर्चा करेंगे।

राष्ट्रपति प्रबोवो और मैं योग्यकार्ता में प्रम्बानन मंदिर परिसर का दौरा करेंगे। इससे हमारे राष्ट्रों के बीच घनिष्ठ सांस्कृतिक संबंध सुनिश्चित होंगे। इंडोनेशिया में रहते हुए, मैं भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करने के लिए भी उत्सुक हूं।

विदेश मंत्रालय ने बताया कि श्री मोदी का स्वागत करने के लिए राष्ट्रपति सुबियांतों के साथ उनके चार मंत्री भी आये थे। वर्ष 2018 में दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने के बाद से यह प्रधानमंत्री की इंडोनेशिया की पहली द्विपक्षीय यात्रा है।

भारतीय समुदाय के लोगों ने भी प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। श्री मोदी आज सुबह तीन देशों इंडोनेशिया, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की छह दिन की यात्रा पर रवाना हुए थे।

न्यूज ब्रीफ

72 लोगों की मौत के मामले में आरोपी बना 11 साल का मासूम, कराची अग्निकांड में हुआ था भारी जान-माल का नुकसान

कराची। पाकिस्तान के कराची में हुए भीषण अग्निकांड के मामले ने सभी को चौंका दिया है। पुलिस द्वारा अदालत में दाखिल किए गए आरोपपत्र में 11 वर्षीय बच्चे को मुख्य आरोपी बनाया गया है। जनवरी में हुए इस हादसे में 72 लोगों की मौत हो गई थी, जबकि सैकड़ों दुकानें जलकर पूरी तरह नष्ट हो गई थीं। अब यह मामला न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ रहा है।घटना 17 जनवरी को कराची के सदर इलाके में स्थित एम.ए. जिन्ना रोड पर स्थित गुल प्लाजा शापिंग काम्प्लेक्स में हुई थी। आग इतनी भीषण थी कि इसे पूरी तरह बुझाने में दमकल विभाग और बचाव दलों को करीब एक सप्ताह का समय लग गया। इस दौरान पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मची रही और भारी आर्थिक नुकसान हुआ। अदालत में दाखिल किए गए आरोपपत्र में 11 वर्षीय बच्चे के साथ उसके पिता और गुल प्लाजा प्रबंधन समिति के चार सदस्यों को भी आरोपी बनाया गया है। प्रबंधन से जुड़े जिन लोगों को नामजद किया गया है, उनमें तनवीर पास्ता, अमर इस्माइल, मोहम्मद रमजान और मोहम्मद अमीन शामिल हैं। पुलिस का कहना है कि घटना के बाद ये सभी आरोपी मौके से फरार हो गए थे और अभी तक उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जिस दिन हादसा हुआ, उस समय बच्चे के पिता दुकान पर मौजूद नहीं थे और बच्चा अकेले दुकान संभाल रहा था। आरोप है कि बच्चा माचिस की तीलियों से खेल रहा था, जिससे निकली चिंगारी ने आग को भड़का दिया और देखते ही देखते पूरी इमारत आग की चपेट में आ गई।

अंटार्कटिका में मिला पहला डायनासोर की पूंछ का जीवाश्म

लंदन। अंटार्कटिका के बर्फीले महाद्वीप में वैज्ञानिकों को पहली बार डायनासोर की पूंछ की हड्डी मिली है। इसमें हैरतअंगेज बात ये है कि यह हड्डी 40 साल तक ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे (बीएएस) के संग्रह में एक दराज में पड़ी रही। वैज्ञानिकों ने पहले इसे एक साधारण समुद्री जीव का अवशेष मान लिया था। अब यह पूंछ पृथ्वी के प्राचीन रहस्यों को उजागर करने में मदद करेगी। यह जीवाश्म वर्ष 1985 में अंटार्कटिका के जेम्स रास द्वीप से मिला था। उस समय के वैज्ञानिक इस हड्डी की वास्तविक पहचान नहीं कर पाए थे। चूंकि अंटार्कटिका में डायनासोर के जीवाश्म बेहद दुर्लभ हैं, इसलिए उस वक्त इसे किसी समुद्री जीव की हड्डी मान लिया गया और ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे के विशाल संग्रह में रख दिया गया। इसके बाद यह सालों तक वहीं गुमनाम पड़ा रहा। हाल ही में, ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वे के संग्रह प्रबंधक डा. मार्क इवांस पुराने नमूनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान उनकी नजर इस विशेष जीवाश्म पर पड़ी। करीब से देखने पर उन्हें संदेह हुआ कि यह किसी समुद्री जीव की हड्डी नहीं, बल्कि एक डायनासोर की हड्डी हो सकती है। उनके इस शुरुआती अनुमान के बाद विशेषज्ञों ने इस पर गहन शोध और जांच शुरू की। लंबे समय तक चली इस पड़ताल के बाद यह पुष्टि हुई कि यह हड्डी वास्तव में टिटानोसार नामक एक विशालकाय डायनासोर की पूंछ का हिस्सा है। टिटानोसार उन सबसे बड़े डायनासोरों में से एक थे जो कभी हमारी पृथ्वी पर विचरण करते थे।

सुपर टाइफून बावी का खतराः 280 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलेंगी हवाएं

वाशिंगटन। प्रशांत महासागर क्षेत्र में स्थित अमेरिकी क्षेत्र गुआम और उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह पर सुपर टाइफून बावी का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार यह वर्ष 2026 का दूसरा अत्यंत शक्तिशाली तूफान है, जो क्षेत्र में व्यापक तबाही मचा सकता है। फिलहाल यह तूफान तेजी से टिनियन और रोता द्वीपों की ओर बढ़ रहा है। इसकी अधिकतम हवा की रफ्तार लगभग 280 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई है, जिसके कारण इसे सैफिर-सिम्पसन पैमाने पर सबसे खतरनाक कैटेगरी-5 में रखा गया है। मौसम एजेंसियों के पूर्वानुमान के अनुसार, सुपर टाइफून का केंद्र टिनियन और रोता द्वीपों के बीच से गुजर सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि समुद्र में अनुकूल परिस्थितियों के कारण तूफान की तीव्रता तट से टकराने से पहले और बढ़ सकती है। इसके प्रभाव से तेज हवाओं के साथ ऊंची समुद्री लहरें, भारी वर्षा और व्यापक नुकसान की आशंका जताई गई है। प्रशासन ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर रहने और अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की अपील की है। उत्तरी मारियाना द्वीपसमूह के प्रशासन ने नागरिकों से सभी सुरक्षा निर्देशों का पालन करने और तूफान के दौरान मजबूत इमारतों या निर्धारित आश्रय स्थलों में रहने को कहा है।

यूक्रेन की राजधानी कीव पर रूस का बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला

कीव

रूस ने बैलिस्टिक मिसाइलों से यूक्रेन की राजधानी कीव पर आधी रात बाद हमला किया। रूसी हमले तड़के तक जारी रहे। देश की वायुसेना ने यह जानकारी दी। यह हमला तुर्किये में होने वाले उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) शिखर सम्मेलन से ठीक पहले हुआ। इसमें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हिस्सा लेने की संभावना है। रूस ने एक हफ्ते में यूक्रेन पर 2,200 ड्रोन और 1,730 गाइडेड बमों से हमला किया है।

रिपोर्ट के अनुसार, राजधानी कीव के केंद्र में तड़के शक्तिशाली विस्फोट हुए। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने टेलीग्राम पर कहा कि रूस ने ड्रोन और क्रूज मिसाइलों से हमला किया है। हमले में कम से कम तीन लोग घायल हुए हैं और राजधानी के कम से कम दो इलाकों में आग लगने या मलबे से नुकसान की खबर है। क्लिट्स्को ने कहा कि पोडिल्स्की जिले में एक बहुमंजिला रिहायशी इमारत बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है। उसमें लोग फंसे हुए हैं।

हमले से कुछ देर पहले ही पूरे शहर में हवाई हमले के सायरन बजाए गए। इससे पहले रविवार को दिन में राष्ट्रपति जेलेंस्की ने चेतावनी जारी की थी कि खुफिया जानकारी से संकेत मिलता है कि रूस नए बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। पिछले गुरुवार को रूस ने कीव पर जबरदस्त हमला किया था। इस हमले में कम से कम 30 लोग मारे गए थे। तुर्किये के अंकारा में मंगलवार को शुरू होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में रूस-यूक्रेन युद्ध मुख्य मुद्दा होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, क्रेमलिन के दिशा-निर्देश पर रूसी सेना ने यूक्रेन के पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र के ज्यादातर हिस्से पर कब्जा करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। यूक्रेन के शहरों को मास्को के ड्रोन और मिसाइलों से लगभग हर रात हमलों का सामना करना पड़ रहा है। रूस के विदेश मंत्रालय के अनुसार, रविवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ट्रंप से लगभग 90 मिनट तक फोन पर बातचीत की। बातचीत में ट्रंप ने फिर यूक्रेन युद्ध को खत्म करने में मदद की पेशकश की।

कीव सिटी मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के प्रमुख टिमुर तकाचेंको ने बताया कि शहर के पोडिल्स्की जिले में एक रिहायशी इमारत की 7वीं और 9वीं मंजिल के बीच का हिस्सा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। डार्नित्स्की जिले में तीन अन्य अपार्टमेंट इमारतों को निशाना बनाया गया है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि कीव शहर की सीमा के भीतर कम से कम सात लोग घायल हुए। क्षेत्रीय गवर्नर मायकोला कलाशनिक ने बताया कि राजधानी के ठीक बाहर कीव ओब्लास्ट में स्थित बुचा में भी कम से कम तीन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय समयानुसार रात 1:40 बजे के आसपास कई धमाके हुए। फिर रात 2:10 बजे और 3:15 बजे हमलों का नया दौर शुरू हुआ। धमाकों से घबराए कीव के हजारों निवासी पनाह लेने के लिए भूमिगत मेट्रो स्टेशनों की ओर भागे। उधर, मिसाइल हमलों के जवाब में, पोलैंड की वायुसेना ने कहा कि उसने देश के अपने हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए एहतियात के तौर पर लड़ाकू विमान तैनात किए। जेलेंस्की ने एक्स पर लिखा, यह पुतिन का तरीका है। अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस के ठीक बाद और अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन से पहले रूस तबाही मचाना चाहता है। इस बीच, यूक्रेन ने भी रूसी क्षेत्र के भीतर तेल रिफाइनरियों, बंदरगाहों और सैन्य कारखानों जैसे अहम बुनियादी ढांचों को निशाना बनाते हुए मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं। जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को सिर्फ एक हफ्ते में लगभग रूसे के 2,200 ड्रोन, 1,730 से ज्यादा गाइडेड एरियल बम और 106 मिसाइलों का सामना करना पड़ा। जेलेंस्की ने माना कि यूक्रेन के पास एंटी-बैलिस्टिक क्षमता की भारी कमी है।

सीरिया में अंतरिम संसद का शुरू होने वाला पहला सत्र स्थगित

दमिश्क (सीरिया)

सीरिया में बशर अल-असद के दशकों पुराने शासन के पतन के बाद गठित अंतरिम संसद (पीपुल्स असेंबली) का शुरू होने वाला पहला सत्र स्थगित कर दिया गया। सीरिया में इस समय अंतरिम सरकार है। इसकी कमान पूर्व विद्रोही नेता अहमद अल-शारा संभाल रहे हैं। उन्होंने दिसंबर 2024 में बशर अल-असद के पांच दशक पुराने शासन को उखाड़ फेंकने के बाद सत्ता संभाली है। रिपोर्ट के अनुसार, सीरिया की नई संसद में कुल 210 सीटें हैं। संसद की 140 सीटों पर अंतरिम निर्वाचन मंडलों के माध्यम से अप्रत्यक्ष चुनाव कराए गए।

शेष 70 सदस्यों को अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शारा ने सीधे नियुक्त किया। इन 70 सदस्यों में 15 महिलाएं भी शामिल हैं। संसद में महिला सांसदों की कुल संख्या 21 है। नई संसद में विविध समुदायों को जगह देने की कोशिश की गई है। इनमें कुर्द समुदाय के लिए कुल 12 सीटें शामिल हैं। संसद की पहली बैठक के लिए 6 जुलाई 2026 (सोमवार) की तारीख तय की गई थी। चुनाव अधिकारियों के अनुसार, सुरक्षा व्यवस्था और अन्य कारणों के कारण संसद के इस पहले सत्र को फिलहाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। नई तारीख की घोषणा बाद में की जाएगी। सीरिया में दक्षिण के द्रुज-बहुल सुवैदा प्रांत में तनाव और सुरक्षा स्थितियों के कारण वहां के प्रतिनिधियों का चुनाव अभी नहीं हो पाया है। इसलिए तीन सीटें अभी भी खाली हैं। अंतरिम संसद का कार्यकाल 30 महीने (ढाई साल) का निर्धारित किया गया है।

अंतरिम संसद का मुख्य काम देश के लिए नया चुनाव कानून तैयार करना, देश के सामान्य बजट को मंजूरी देना और अगले लोकतांत्रिक चुनाव के लिए जमीन तैयार करना है। यह संसद तब तक विधायी शक्तियों का प्रयोग करेगी जब तक देश में स्थाई संविधान लागू नहीं हो जाता।

यूरोप में 43 डिग्री बनाम चीन में 50 डिग्री, एक मोम सा पिघला पर दूसरा क्यों नहीं

लंदन। दुनिया वर्तमान में भीषण गर्मी की चपेट में है, जहां यूरोप और उत्तरी अमेरिका 40 से 45 डिग्री सेल्सियस के तापमान से जूझ रहे हैं, वहीं चीन के कुछ हिस्सों में पारा 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। हालांकि, जहां यूरोप में गर्मी से हाहाकार मचा है और जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ है, वहीं चीन आश्चर्यजनक रूप से चुनौती का सामना कर रहा है, और इसका श्रेय एक अनोखी रूफटाप रेन तकनीक को दे रहा है। यूरोप में अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के मरीज बढ़ रहे हैं और एयर कंडीशनर के लगातार चलने से बिजली व्यवस्था पर भारी दबाव है। इसके विपरीत, चीन के शांक्सी से लेकर शिनजियांग जैसे क्षेत्र हर साल जून से अगस्त तक 44 से 50 डिग्री सेल्सियस तक का तापमान सहते हैं, फिर भी यहां लू से होने वाली मौतों की संख्या यूरोप जितनी नहीं है। इसका प्रमुख कारण चीन के उत्तरी शांक्सी प्रांत के युन्चेंग जैसे शहरों में ऊंची इमारतों पर स्थापित खास रूफटाप रेन सिस्टम है। यह प्रणाली छत से पानी की इतनी महीन फुहार छोड़ती है कि यह बारिश की तरह नहीं गिरती, बल्कि एक सूक्ष्म धुंध बनकर गर्म हवा में फैल जाती है। अनोखी तकनीक का वैज्ञानिक आधार इवैपोरेटिव कूलिंग यानी वाष्पीकरण के जरिये ठंडक पैदा करना है। जब पानी की ये बेहद छोटी बूंदें गर्म हवा के संपर्क में आती हैं, तब वे तुरंत भाप बनकर वातावरण की गर्मी को सोख लेती हैं, जिससे आसपास का तापमान कम होता है।

बार-बार सर्जरी करवाकर बिल्कुल बार्बी डाल बन गया लड़का

लंदन

25 साल के युवक मिशेल जोंस ने अपनी लुक को पूरी तरह से बदलने के लिए कई सर्जरी करवाई हैं और खुद को एक एलियन बार्बी डाल जैसा बना लिया है। यूके के केंट शहर में रहने वाला मिशेल जोंस की तस्वीरें इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। बार्बी डाल्स के दीवाने मिशेल ने अब तक इस रूपांतरण पर करीब 40 लाख रुपये खर्च कर दिए हैं।

मिशेल पेशे से हेयरड्रेसर हैं, और उनका लुक अब बिल्कुल बार्बी डाल जैसा हो गया है जिसमें भारी मेकअप, पलकों पर एक साथ 4-6 जोड़ी झूठी पलकें, हमेशा गुलाबी रंग के कपड़े और एक परफेक्ट चेहरा शामिल है। वे कहते हैं कि सर्जरी से वे अपनी परफेक्शन की कल्पना को हकीकत में बदल रहे हैं।

मिशेल ने बताया कि उन्हें सर्जरी का शौक है, क्योंकि वे खुद को कस्टमाइज करना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा, मेरा अपना आइडिया आफ परफेक्शन है। लोग सोचते हैं कि सर्जरी सिर्फ असुरक्षा की वजह से करवाई जाती है, लेकिन मेरे लिए यह खुद को बेहतर बनाने का तरीका है।

मिशेल अपनी इस यात्रा में रुकना नहीं चाहते और अब 30 साल की उम्र से पहले फेसलिफ्ट भी करवाने वाले हैं। उनका कहना है कि सर्जरी ने उनकी जिंदगी बदल दी है और वे कभी भी अपने लुक को लेकर संतुष्ट नहीं होते, बल्कि हमेशा खुद

को और बेहतर बनाने की तलाश में रहते हैं। मिशेल की तस्वीरें वायरल होते ही लोग हैरान हैं और सोशल मीडिया पर उनकी खूब चर्चा हो रही है। कुछ लोग उनकी रचनात्मकता और आत्मविश्वास की तारीफ कर रहे हैं, तो कुछ यह कहते हुए अपनी चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि ये तो शरीर को बर्बाद कर रहे हैं।

कई यूजर्स ने लिखा - बार्बी डाल जैसा लुक, 40 लाख खर्च शाकिंग, सर्जरी का नशा। वहीं, डाक्टर्स इतनी सर्जरी के जोखिमों के प्रति चेतावनी देते हुए कहते हैं कि बार-बार सर्जरी से स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ सकता है, जिससे त्वचा, हड्डियां और मांसपेशियां गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो सकती हैं, लेकिन मिशेल अपनी इस रूपांतरण यात्रा को जारी रखे हुए हैं। यह कहानी दिखाती है कि आजकल लोग अपनी पहचान और लुक को बदलने के लिए कितनी हद तक जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर परफेक्ट लुक का दबाव कई युवाओं को सर्जरी की तरफ धकेल रहा है। मिशेल कहते हैं कि वे खुश हैं और अपनी परफेक्शन की तलाश में हैं। उनका कहना है कि आप हमेशा खुद को बेहतर बना सकते हैं।

वेंस के दावे को नेतन्याहू ने किया खारिज बोले- भारत भी खास दोस्त

तेल अवीव

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के उस बयान को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि दुनिया में इजरायल का सबसे बड़ा और लगभग एकमात्र मजबूत सहयोगी केवल अमेरिका है। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि इजरायल के संबंध केवल अमेरिका तक सीमित नहीं हैं, बल्कि भारत सहित कई अन्य देशों के साथ भी उसके मजबूत और भरोसेमंद रिश्ते हैं।

एक अमेरिकी टीवी कार्यक्रम में बातचीत के दौरान नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल को भारत जैसे बड़े लोकतंत्र से भी महत्वपूर्ण समर्थन मिलता है। उन्होंने कहा कि भारत में करीब 1.4 अरब लोग रहते हैं और वहां से इजरायल को व्यापक स्तर पर सहयोग और समर्थन प्राप्त होता है। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इजरायल के कई मित्र देश हैं, जो अलग-अलग क्षेत्रों में उसके साथ सहयोग कर रहे हैं। नेतन्याहू ने यह दावा भी खारिज किया कि इजरायल के पास अन्य कोई प्रभावशाली साझेदार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि कई देशों के साथ इजरायल के मजबूत संबंध हैं, चाहे वह तकनीकी सहयोग हो या रक्षा क्षेत्र में साझेदारी। उन्होंने विशेष रूप से इजरायल की साइबर सुरक्षा और उन्नत तकनीक का उल्लेख करते हुए कहा कि कई देश इजरायल की विशेषज्ञता का लाभ लेना चाहते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि कई अंतरराष्ट्रीय नेता व्यक्तिगत रूप से उनसे संपर्क करते हैं और इजरायल के साथ सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताते हैं। उनके अनुसार, कुछ देश भले ही सार्वजनिक रूप से अलग रुख दिखाते हों, लेकिन निजी स्तर पर वे इजरायल की तकनीकी क्षमता और सैन्य अनुभव से सीखना चाहते हैं। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में इजरायल की स्थिति बेहद मजबूत मानी जाती है। इस बीच, नेतन्याहू के कार्यालय ने जानकारी दी है कि वह आगामी 13 जुलाई को वाशिंगटन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात कर सकते हैं। इस बैठक में ईरान से जुड़े मुद्दों, क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति और सऊदी अरब के साथ संबंधों को मजबूत करने जैसे विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। बताया गया है कि हाल ही में दोनों नेताओं के बीच फोन पर हुई बातचीत के दौरान इस मुलाकात पर सहमति बनी थी। इस पूरे घटनाक्रम के बीच नेतन्याहू का यह बयान महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने इजरायल के अंतरराष्ट्रीय संबंधों को बहुआयामी बताते हुए भारत की भूमिका को भी अहम बताया है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे। आप दोस्तों के साथ बेहतरीन वक़्त बिताएंगे, लेकिन गाड़ी चलाते वक़्त ज़्यादा सावधानी बरतें। इस राशि के जातक खाली वक्त में आज किसी समस्या का समाधान निकालने की कोशिश कर सकते हैं। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे। आप दोस्ती की डोर मज़बूत करने में भी कर सकते हैं, इससे बाद में आपको फ़ायदा भी मिलेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अचानक नए स्रोतों से धन मिलेगा, जो आपके दिन को ख़ुशनुमा बना देगा। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों को न भूलें। छात्रों को सलाह दी जाती है कि यारी-दोस्ती के चक्कर में इन कीमती पलों को खराब न करें। यार दोस्त आने वाले वक्त में भी मिल सकते हैं लेकिन पढ़ाई के लिए यही समय सबसे सही है। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनाव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। मुमकिन है कि परिवार वाले आपकी उम्मीदों को पूरा न कर सकें। इस बात कि इच्छा न करें कि वे आपके मुताबिक़ काम करेंगे, बल्कि अपने काम करने का तरीक़ा बदलकर पहल करे ।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है क्योंकि आपके द्वारा दिया गया धन आज आपको वापस मिल सकता है। जिन्हें आप चाहते हैं, उनके साथ उपहारों का लेन-देन करने के लिए अच्छा दिन है। वक्त से हर काम को पूरा करना ठीक होता है अगर आप ऐसा करते हैं तो आप अपने लिए भी वक्त निकाल पाते हैं। अगर आप हर काम को कल पर टालते हैं तो अपने लिए आप कभी समय नहीं निकाल पाएंगे। इसलिए एक-दूसरे का ख़याल रखें। इस सप्ताहांत में आप काफ़ी-कुछ करना चाहेंगे

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। कुछ लोग आपकी झुंझुलाहट की वजह बन सकते हैं, उन्हें नज़रअंदाज़ करें। आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने प्रेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं। आज आप ऑफिस से घर वापस आकर अपना पसंदीदा काम कर सकते हैं। इससे आपके मन को शांति मिलेगी। वैवाहिक जीवन को अधिक सुखमय बनाने के आपके प्रयास उम्मीद से ज़्यादा रंग लाएंगे। अपने जीवनसाथी या दोस्तों के खाली समय बीता सकते हैं

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

बहुत ज़्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है। उन चीजों को दोहराना जिनका अब आपके जीवन में कोई महत्व नहीं है, आपके लिए ठीक नहीं है। ऐसा करके आप अपना वक्त ही बर्बाद करेंगे और कुछ नहीं। जीवनसाथी का स्वास्थ्य कुछ गड़बड़ हो सकता है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आपका प्रबल आत्मविश्वास और आज के दिन का आसान कामकाज मिलकर आपको आराम के लिए काफ़ी वक़्त देंगे। पैसे की अहमियत को आप अच्छे से जानते हैं इसलिए आज के दिन आपके द्वारा बचाया गया धन आपके बहुत काम आ सकता है और आप किसी बड़ी मुश्किल से निकल सकते हैं। घरेलू मामलों और काफ़ी समय से लंबित घर के काम-काज के हिसाब से अच्छा दिन है। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आज आपके पास इसके लिए पर्याप्त समय होगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन बहुत लाभदायक नहीं है– इसलिए अपनी जेब पर नज़र रखें और ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें। अगर आपके मन में तनाव है तो किसी नज़दीकी रिश्तेदार या दोस्त से बात करें, इससे आपके दिल का बोझ हल्का हो जाएगा। आपको ऐसी जगहों से महत्वपूर्ण बुलावा आएगा, जहाँ से आपने इसकी कभी कल्पना भी न की हो। जीवनसाथी की ओर से मिले तनाव के चलते सेहत पर बुरा असर पड़ना मुमकिन है। अपने अच्छे लेखन के साथ आज आप किसी अकल्पनीय उड़ान पर जा सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

सेहत अच्छी रहेगी। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ। ऐसे कई लोग होंगे, जो आपका उत्साह बढ़ाएंगे, आज खाली वक़्त किसी बेकार के काम में खराब हो सकता है। आप महसूस कर सकते हैं कि जीवनसाथी का प्यार सारे दुःख-दर्द भुला देता है। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए बहुत अच्छा दिन नहीं है। चलते-फिरते समय ख़ासा ख़याल रखने की ज़रूरत है। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आपको अपनी एक-सी दिनचर्या से थोड़ी छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ सैर-सपाटा करने की ज़रूरत है। अगर आप हुक्म चलाने की कोशिश करेंगे, तो आपके और आपके प्रिय के बीच काफ़ी परेशानी खड़ी हो सकती है। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आप घर से बाहर बहुत सकारात्मकता के साथ निकलेंगे लेकिन किसी कीमती वस्तु के चोरी होने की वजह से आपका मूड खराब हो सकता है। आपकी पारिवारिक सदस्यों को क़ाबू में रखने और उनकी न सुनने प्रवृत्ति की वजह से बेवजह वादविवाद हो सकता है और आपको आलोचना का सामना भी करना पड़ सकता है। आपके घर वाले आज आपसे कई परेशानियां शेयर करेंगे लेकिन आप अपनी ही धुन में मस्त रहेंगे और खाली समय में कुछ ऐसा करेंगे जो करना आपको पसंद है। कोई प्रेरणादायी पुस्तक पढ़ना या फ़िल्म देखना आज के दिन बढ़िया रहेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

शाम के समय थोड़ा आराम कीजिए! दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। अपनी बातों पर क़ाबू रखें, क्योंकि इसके चलते बड़े-बुज़ुर्ग आहत महसूस कर सकते हैं। बेकार की बातें करके समय बर्बाद करने से बेहतर है कि आप शांत रहें। याद रखें कि समझदार कामों के ज़रिए ही हम जीवन को अर्थ देते हैं। उन्हें महसूस करने दें कि आप उनका ख़याल रखते हैं। सच्चे और पवित्र प्रेम का अनुभव करें। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा। बल्कि आज आप खाली समय में किसी से मिलना जुलना भी पसंद नहीं करेंगे और एकांत में आनंदित रहेंगे।

आज का पंचांग

दिनांक : 07 जुलाई 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : सप्तमी दोपहर 01:27 तक
नक्षत्र : उत्तराभाद्रपदा सायं 04:25 तक
योग : शोभन दोपहर 02:30 तक
करण : बव दोपहर 01:27 तक
चन्द्रराशि : मीन
सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59 सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 , सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड़ खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : कालाष्टमी , पंचक चालू है , गण्डमूल सायं 04:26 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

प्रेमचंद साहित्य सम्मान समारोह02026

साहित्य, शिक्षा एवं संस्कृति के पुरोधाओं का सम्मान 31 को

हैदराबाद, (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रिसर्च फाउंडेशन फॉर डिवोशनल लिटरेरी एंड कल्चरल स्टडीज़ द्वारा डॉ. बी. आर. अंबेडकर डिग्री कॉलेज, बागलिंगमपल्ली के सहयोग से प्रेमचंद साहित्य सम्मान समारोह02026 का आयोजन 31 जुलाई 2026, प्रातः 10:00 बजे डॉ. बी. आर. अंबेडकर कॉलेज, बागलिंगमपल्ली में किया जाएगा। इस गरिमामय समारोह में साहित्य, शिक्षा एवं संस्कृति के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विद्वानों एवं साहित्यकारों का सम्मान किया जाएगा। समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. आर. लिम्बाद्री (पूर्व अध्यक्ष, तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद-टीजीसीएचई) होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्रदीप कुमार (सेवानिवृत्त), पूर्व प्राचार्य, निज़ाम कॉलेज, उस्मानिया विश्वविद्यालय करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में प्रो. जी. यादवगिरि (पूर्व संयुक्त निदेशक, कॉलेजिएट शिक्षा), प्रो. चंद्रा मुखर्जी (प्राचार्य, इंदिरा प्रियदर्शिनी महिला राजकीय डिग्री कॉलेज, नामपल्ली), प्रो. घनश्याम (प्राचार्य, शासकीय डिग्री कॉलेज, चेंदूर, जिला नलगोंडा), प्रो. एम. रत्नाकर (हिंदी विभाग, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय-मानु), प्रो. एम. श्याम राव (अध्यक्ष, हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय) तथा डॉ. शेखर (प्राचार्य, डॉ. बी. आर. अंबेडकर डिग्री कॉलेज, बागलिंगमपल्ली) अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराएंगे।

इन विभूतियों को मिलेगा मप्रेमचंद साहित्य सम्मानफ

समारोह में निम्नलिखित पत्रकार, साहित्यकारों एवं शिक्षाविदों को प्रेमचंद साहित्य सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। जिनमें-

श्री एच. पी. व्यास संपादक, हिंदी शुभ लाभ दैनिक समाचार पत्र।

प्रो. मजीद बेदार (सेवानिवृत्त) 0 उर्दू विभाग, उस्मानिया विश्वविद्यालय।

डॉ. पोमिला 0 विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, अंग्रेज़ी एवं विदेशी भाषा विश्वविद्यालय (इफ्लू), हैदराबाद।

डॉ. पार्वती 0 विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, तेलंगाना विश्वविद्यालय।

डॉ. गुलेराना 0 अध्यक्ष, उर्दू विभाग, तेलंगाना विश्वविद्यालय।

डॉ. राजेंद्र 0 विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, गवर्नमेंट सिटी कॉलेज, हैदराबाद।

डॉ. एच. के. वंदना 0 विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, एबीवी गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज, जंगांव, काकतिया विश्वविद्यालय।

डॉ. वी. रामकोटी 0 पूर्व प्राचार्य, अभ्युदय ओरिएंटल कॉलेज, हैदराबाद।

टी. रामदास 0 डीसीपी, हैदराबाद सिटी ट्रैफिक पुलिस।

डॉ. वेंकटेश्वर राव 0 पूर्व एजीएम, केनरा बैंक।

डॉ. पी. माधवी 0 विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग, डॉ. बी. आर. अंबेडकर डिग्री कॉलेज, बागलिंगमपल्ली, हैदराबाद।

गोदान नाटक का होगा विशेष मंचन

समारोह के अंतर्गत हिंदी के महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद के कालजयी उपन्यास गोदान पर आधारित नाट्य मंचन भी प्रस्तुत किया जाएगा। इस विशेष प्रस्तुति का निर्देशन एवं मंचन प्रो. प्रदीप कुमार तथा डॉ. एच. के. वंदना द्वारा किया जाएगा। आयोजकों ने साहित्य प्रेमियों, शिक्षाविदों, विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों से इस गरिमामय समारोह में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने का आग्रह किया है।

ऑनलाइन जूम पर त्रिविषयी अंतर्राष्ट्रीय काव्य गोष्ठी संपन्न

देशभक्ति, पर्यावरण और वर्षा ऋतु पर बही काव्य धारा

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

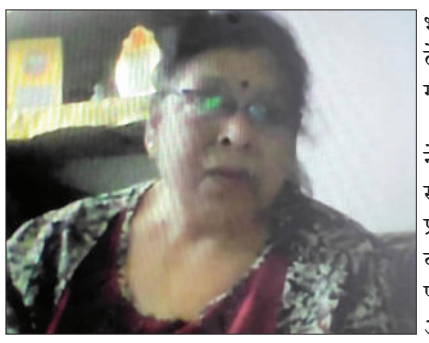

काव्य कौमुदी चेतना हिंदी मंच द्वारा रविवार शाम 6 बजे ऑनलाइन जूम प्लेटफॉर्म पर विशेष अंतर्राष्ट्रीय त्रिविषयी काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में कारगिल विजय दिवस, पर्यावरण संरक्षण एवं वर्षा ऋतु विषयों पर कवियों ने अपनी भावपूर्ण रचनाएं प्रस्तुत कीं। कार्यक्रम का फेसबुक पर सीधा प्रसारण भी किया गया, जिसे हजारों दर्शकों ने सराहा। कार्यक्रम का शुभारंभ कर्नाटक के प्रसिद्ध गीतकार उदयश्री के सुमधुर गायन से हुआ। उन्होंने भक्तिकाल के कवि सूरदास का प्रसिद्ध भजन मैया मोरी मैं नहीं माखन खायोफ सुनाकर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके बाद मंच की कल्चरल हेड मोऊ मल्लिक दे ने सरस्वती वंदना सरस्वती नमस्तुभ्यं का पाठ किया।

गोष्ठी की अध्यक्षता अमेरिका से जुड़ीं श्रीमती मीना चौहान ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में आगरा से श्री संजय गुप्त एवं जमशेदपुर, झारखंड से डॉ. जोबा मुरमू उपस्थित रहे। अपने उद्बोधन में मीना चौहान ने वृक्ष की आत्मा का उल्लेख करते हुए पेड़ न काटने का संदेश दिया। संजय गुप्त ने पर्यावरण, देशभक्ति और वर्षा ऋतु पर तीन सारगर्भित कविताएं सुनाईं। उन्होंने कहा भूजल हो या वर्षाजल, पावन है गंगाजलफ और प्लास्टिक का उपयोग कम करने की अपील की। डॉ. जोबा मुरमू ने संथाली संस्कृति का परिचय देते हुए हिंदी और संथाली दोनों भाषाओं में काव्य पाठ किया भारत देश में सोने की बालियाँ देख, आ गई बारिश हमें जगाने के लिए।

नई दिल्ली से डॉ. सुदेश भाटिया ने सावन की मीठी फुहार, चलो सखी साजन की गलियाँ लोकगीत प्रस्तुत किया। ए. माला ने देश के वीर जवानों को प्रणाम करते हुए पर्यावरण पर कहा ङ्गशुद्ध हवा लेना, अपने स्वास्थ्य में अमृत भर देनाफ। सुश्री के. गीता ने देशभक्ति से ओतप्रोत पंक्तियां सुनाईं भारत माता तेरी संतान हैं हम।

कोटा से नीलू सिसौदिया ने नंदन वन उपवन में प्रणय गीत सुनाऊँफ, पी. पद्मावती ने बरसात की रात आई और मोऊ मल्लिक दे ने गर्व है मुझे उस हिमालय पर जो सदियों से अडिग खड़ा है कविता सुनाई। रांची से सीमा जी ने भारत देश है प्यारा सबसे न्यारा तथा कोलकाता से शालिनी नंदकेयोल्यार ने एक वृक्ष की आत्मकथा प्रस्तुत की।

मेरठ से डॉ. रूपाली सिरकर गौड़ ने अपने ङ्गघर के जंगलफ को खूबसूरत स्वर्गफ बताया। बीकानेर से डॉ. कृष्ण लाल बिश्नोई ने कहा ङ्गपेड़ों से बढ़कर कौन है जिनकी बातों में वजन हो जायफ। हिसार से पृथ्वी सिंह बेनीवाल बिश्नोई ने देशभक्ति को देश से प्रेम, निष्ठा, कर्तव्य पालन नित नेम बताया।

कार्यक्रम का संचालन एवं आयोजन डॉ. कुमुद बाला ने किया। उन्होंने ङ्गएक नदी की व्यथाफ कविता सुनाई और धन्यवाद ज्ञापन के साथ गोष्ठी का समापन हुआ।

20 छात्र फूड पॉइजनिंग के शिकार, अस्पताल में भर्ती

बांसवाड़ा, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो) ।

बिरकुर मंडल स्थित महात्मा गांधी ज्योतिबा फुले गुरुकुलम स्कूल में रविवार रात भोजन करने के बाद करीब 20 छात्र फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। खाना खाने के कुछ देर बाद छात्रों को उल्टी-दस्त की शिकायत शुरू हुई, जिनमें से 12 छात्रों की हालत बिगड़ने पर स्कूल स्टाफ ने तत्काल एंबुलेंस से बांसवाड़ा राजकीय एरिया अस्पताल पहुंचाया।

अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि सभी छात्रों की हालत फिलहाल स्थिर है और उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही आरडीओ रविंदर रेड्डी अस्पताल पहुंचे। उन्होंने उपचाररत छात्रों से मुलाकात कर उनका हाल जाना और डॉक्टरों से बीमारी के कारणों की जानकारी ली। आरडीओ ने अस्पताल प्रशासन को छात्रों को बेहतर से बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

वहीं कुछ छात्रों ने आशंका जताई कि रविवार सुबह पूरियां तलने में इस्तेमाल किए गए तेल को रात के खाने में दोबारा प्रयोग करने से तबीयत बिगड़ी। छात्रों ने भोजन की गुणवत्ता पर भी सवाल उठाए।

सोमवार सुबह बिरकुर के सरपंच अरिगे धर्मतेजा भी अस्पताल पहुंचे और पीड़ित छात्रों से मिले। उन्होंने स्कूल प्रिंसिपल शिवकुमार को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि छात्रों के स्वास्थ्य के साथ किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरपंच ने निर्देश दिए कि स्कूल में रोजाना गुणवत्तापूर्ण और स्वच्छ भोजन परोसा जाए और किचन प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाए।

आरडीओ रविंदर रेड्डी ने कहा कि फूड पॉइजनिंग के वास्तविक कारणों का पता मेडिकल रिपोर्ट और संबंधित अधिकारियों की जांच के बाद ही चल सकेगा। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

रामागुंडम सीपी के निर्देश पर पेद्दापेल्ली शी टीम ने चलाया जागरूकता अभियान

पेद्दापेल्ली, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

रामागुंडम पुलिस आयुक्त के निर्देशों के तहत पेद्दापेल्ली शी टीम ने रविवार को एलिगेडु मंडल स्थित जिला परिषद हाई स्कूल (जेडपीएचएस) में छात्राओं के लिए विशेष जागरूकता सेमिनार आयोजित किया। सेमिनार में शी टीम की सदस्य स्नेहलथा ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, बाल सुरक्षा, गुड टच-बैड टच, किशोर सुरक्षा, ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर अपराध और नशा मुक्ति जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने छात्राओं को किसी भी तरह की छेड़छाड़, दुर्व्यवहार या असुरक्षा महसूस होने पर न डरने और तुरंत शिकायत दर्ज कराने के लिए प्रेरित किया। स्नेहलथा ने बताया कि महिलाओं की सुरक्षा के लिए शी टीम प्रतिदिन बस स्टैंड, मुख्य चौराहों, सार्वजनिक स्थलों और कॉलेजों में तैनात रहती है। कोई भी पीड़ित छात्रा या महिला बिना संकोच शी टीम हेल्पलाइन नंबर 6303923700 पर कॉल कर सकती है। शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि लालच के कारण लोग साइबर फ्रॉड, ऑनलाइन ठगी और लोन ऐप के जाल में फंस रहे हैं। ऐसी किसी भी घटना से बचने के लिए सतर्क रहना जरूरी है। ऑनलाइन धोखाधड़ी होने पर तुरंत साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर सूचना दें। वहीं, किसी भी आपात स्थिति या खतरे की आशंका पर महिलाएं 100/112 डायल कर सकती हैं। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक देवेंद्र, शी टीम सदस्य सुरेश, मौनिका सहित स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

केबीआर पार्क पर सेवा का निरंतर संकल्प

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के समीप केबीआर पार्क पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा अभियान के अंतर्गत जरूरतमंद, मरीजों के परिजनों एवं राहगीरों को प्रेम, सम्मान और आत्मीयता के साथ भोजन वितरित किया गया।

ग्रुप के सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भूख मिटाने का माध्यम नहीं, बल्कि मानवता, करुणा और सेवा का जीवंत संदेश है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले कई वर्षों से बिना किसी भेदभाव के निरंतर सेवा कार्यों के माध्यम से समाज में सहयोग, सद्भाव और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का कार्य कर रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने सेवा को जीवन का सर्वोच्च धर्म बताते हुए भविष्य में भी इसी समर्पण और निष्ठा के साथ जरूरतमंदों की सेवा करते रहने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन का वातावरण सेवा, श्रद्धा और मानवीय संवेदन-ाओं से ओत-प्रोत रहा।

बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर होगी सख्त कार्रवाई: सीआई श्रीधर

बांसवाड़ा, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बांसवाड़ा टाउन सीआई तुला श्रीधर ने सोमवार को स्पष्ट चेतावनी दी कि शहर में बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि हर वाहन चालक के लिए हेलमेट पहनना और वाहन पर निर्धारित नंबर प्लेट लगाना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने पर केस दर्ज कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सोमवार को बांसवाड़ा टाउन पुलिस स्टेशन में नंबर प्लेट और स्टिकर न लगे वाहनों को लाया गया। इस दौरान सीआई श्रीधर ने कहा कि यातायात नियमों का पालन करना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। पुलिस के काम में बाधा डालने वालों को भी बख्शा नहीं जाएगा और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे कानून का सम्मान करें और नियमों का उल्लंघन न करें।

70 हजार की रिश्वत लेते तहसीलदार रंगे हाथ गिरफ्तार

पेद्दापल्ली/सिद्दीपेट, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने रविवार दोपहर सिद्दीपेट जिले के चेरियाल मंडल के तहसीलदार सह असेसमेंट ऑफिसर (एओ) कोर्रा दिलीप नायक को उनके कार्यालय में शिकायतकर्ता से 70 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया। एसीबी के अनुसार, घटना 06 जुलाई 2026 को दोपहर करीब 2:40 बजे की है। आरोपी तहसीलदार ने नागपुरी गांव में सर्वे नंबर 833/बी, 833/सी, 833/डी, 833/ई, 834/बी, 834/सी, 834/डी, 834/ई की करीब 30 गुंटा भूमि के नाला कन्वर्जन से संबंधित 11 आवेदनों को प्रोसेस करने के एवज में जमुना कनकम्मा व अन्य के नाम पर 70 हजार रुपये की मांग की थी। इनमें से 8 आवेदन पहले ही प्रोसेस हो चुके थे। एसीबी टीम ने जाल बिछाकर तहसीलदार को रिश्वत की रकम लेते हुए पकड़ा। आरोपी ने पद का दुरुपयोग कर अवैध लाभ लेने के उद्देश्य से सरकारी ड्यूटी में अनियमितता बरती।फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर हैदराबाद स्थित एसपीई एवं एसीबी मामलों की विशेष अदालत के माननीय द्वितीय अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जा रहा है। मामले की जांच जारी है। सुरक्षा कारणों से शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी गई है।

बीदर के रेवप्पय्या मुत्या मंदिर में भक्तों ने पोली घी प्रसाद का स्वीकार किया

बीदर, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। बीदर के मैलूर-गुम्पा हैदराबाद रोड पर पवाडपुरुष रेवप्पय्या मुत्या मंदिर में पोली घी की बिन्ना जात्रा में सैकड़ों भक्तों ने मुत्या के दर्शन किए और पोली घी का प्रसाद सेवन किया। हल्लदकेरी के शांतकुमार ने भक्तों के लिए प्रसाद का इंतज़ाम किया था।

रेवप्पय्या मुत्या असल में बीदर ज़िले के भालकी तालुका के नावदगी गांव के रहने वाले हैं। कहा जाता है कि एक बार, जब गांव के गरीबों की शादी में घी कम हो गया था, तो रेवप्पय्या मुत्या ने कल्याणी कुएं से पानी लाकर उसे घी में बदला और भक्तों को खिलाया था। वह अपनी जीवित काल में भी पोली घी की बिन्ना जात्रा करते थे। उन्होंने ऐसे कई चमत्कार करके सभी धर्मों का प्यार जीता है। जिले के सभी रेवप्पैया मुत्या के नावदगी, खेड़ा, हुलसूर और तरनल्ली एवं अन्य मंदिरों में भी रविवार को पोली घी प्रसाद का इंतज़ाम किया गया था। वीरशैव धर्म के प्रणेता, कई भाषाओं के जानकार और सच्चे कन्नड़ भक्त रेवप्पैया स्वामी की पर्सनैलिटी बसवादी शरण जैसी मज़बूत थी।

तेलंगाना के मुख्य सचिव संजय कुमार जाजू का सम्मान करते हुए अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के दक्षिणांचल उपसभापति सुरेशचंद लाहोटी, दक्षिणांचल उपसभापति अरुण भांगड़िया, तेलंगाना आंध्रप्रदेशिक माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष श्री कैलाश जी डालिया तथा अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा की कार्यकारिणी के सदस्य श्याम सुंदर बीयानी।

दुर्गा एक संस्कृत शब्द है, जिसका अर्थ होता है सबसे शक्तिशाली

मां दुर्गा, की आराधना का पर्व नवरात्र इन दिनों भारतवर्ष में धूम-धाम से मनाया जा रहा है। इन नौ दिनों में शक्ति की आराधना, भक्ति से करने पर मां के भक्तों को मनोवांछित वर की प्राप्ति होती है। नौ दिनों तक चलने वाले इस उत्सव के बाद दशहरा आता है। दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। दशहरा, भगवान श्रीराम द्वारा लंकापति रावण की जीत का प्रतीक है। इस दिन रावण के साथ मेघनाद और कुंभकर्ण के पुतले जलाए जाते हैं।

मां दुर्गा का स्वरूप तीनों लोकों में अलौकिक है। दुर्गा रूप में मां सकारात्मक ऊर्जा वायुमंडल में प्रवाहित करती हैं। वह शक्ति (नारी शक्ति/ ऊर्जा) का प्रतीक हैं। मां दुर्गा ने इस पृथ्वी से नकारात्मक ऊर्जा यानी दानवों का संहार किया। मां दुर्गा को आदि शक्ति कहा जाता है, त्रिदेवियां (देवी पार्वती, देवी लक्ष्मी और देवी सरस्वती) भी मां आदिशक्ति का ही रूप हैं। मान्यता है कि जब मां दुर्गा महिषासुर जैसे भयानक दानव से युद्ध करने जा रही थीं, तब त्रिदेवों के साथ देवताओं ने भी उन्हें अस्त्र-शस्त्र प्रदान किए थे।

ये सभी शस्त्र अपने आप में दुर्लभ थे। तब मां ने इन्हीं शस्त्रों की सहायता से इस दैत्य का संहार किया। दरअसल दुर्गा, एक संस्कृत शब्द है। जिसका अर्थ होता है सबसे शक्तिशाली। इसलिए मां दुर्गा सभी देवी-देवताओं में शक्तिशाली और शक्ति की देवी मानी गई हैं। मां दुर्गा का नाम मात्र लेने से नकारात्मक शक्तिया और दोष- अहंकार, ईर्ष्या, पूर्वाग्रह, घृणा, क्रोध, लालच और स्वार्थ भाग जाते हैं।

वेबसाइट इंडिया करंट्स में सत्या कालरा लिखते हैं, 'मां दुर्गा के आठ हाथ हैं जिनमें आठ तरह तरह के शस्त्र हैं। हर शस्त्र और हाथों की मुद्राएं जिंदगी के लिए कुछ न कुछ सीख देतीं है।' दुर्गा के ऊपरी और दाएं हाथ में चक्र है। यह धर्म चक्र है। यह हमें अपने कर्तव्य और जिंदगी की जिम्मेदारियों को बेहतर तरीके से पूरा करने की सीख देता है। मां दुर्गा के ऊपरी बाएं हाथ में शंख है। यह चिन्ह कहता है कि हमें संतोष के साथ खुशी और हंसमुख रहते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

मां दुर्गा की तलवार उन्मूलन का प्रतीक है। हमें भेदभाव और हमारे बुरे गुणों दूर करना चाहिए। निचले हाथ में मां दुर्गा धनुष और तीर लिए हैं। यह चिन्ह हमें सीख देता है कि भगवान राम की तरह हमारा चरित्र होना चाहिए। जीवन कितनी भी कठिनाइयों का सामना करना पडता है लेकिन हमें अपना धैर्य और चरित्र(मान-सम्मान) नहीं खोना चाहिए। मां दुर्गा के हाथ में कमल का होना प्रतीक है कि हम बाहरी दुनिया में मोह-माया रहित होकर जीवन जीना चाहिए। जैसे कमल, दलदल में खिलकर भी मुस्कुराता है। ठीक उसी तरह इस दलदल रूपी और त म ा म विकारों से भरे संसार में अपनी मुस्कान नहीं खोना चाहिए। मां दुर्गा के हाथ में गदा, हनुमान जी जैसी शक्ति का प्रतीक है। हनुमानजी भक्ति और समर्पण का प्रतीक माने जाते हैं। इसीलिए हमें भी अपने जीवन में भक्ति और समर्पण का भाव रखना चाहिए। भक्ति और सर्वशक्तिमान की इच्छा के रूप में परिणाम स्वीकार करते हैं। मां दुर्गा के हाथ में त्रिशूल है। त्रिशूल साहस का प्रतीक है। त्रिशूल सीख देता है कि हम हमारे नकारात्मक गुणों का संहार कर जीवन में चुनौतियों का सामना करें। सफलता हमारे कदमों में होगी। मां दुर्गा के एक हाथ आशीर्वाद की मुद्रा में होता है। इसका अर्थ है हमें अपनी और दूसरों की गलतियों को माफ कर जिंदगी में आगे बड जाना चाहिए। मां दुर्गा को शेर की सवारी करते हुए दिखाया गया है। वह इसलिए कि मां शक्ति हैं। और बाघ/ शेर असीमित शक्ति का प्रतीक है। वह जंगल का राजा है। यानि शक्ति सिर्फअसमित शक्ति के सानिध्य में ही रह सकती हैं। शेर के पर भी मां दुर्गा को बैठे हुए प्रतीकात्मक रूप में दिखाया जाता है। शेर दरअसल क्रोध, अहंकार, स्वार्थ के रूप में अनियंत्रित पाशविक प्रवृत्तियों को नष्ट करने का प्रतीक है। यह हमें याद दिलाता है कि हम अपनी अच्छाईयों को नियंत्रित कर नकारात्मक शक्तियों(लालच, ईर्ष्या, इच्छा, आदि अन्य) का संहार करें। मां दुर्गा अमूमन लाल साडी पहनती हैं। लाल रंग लाल कार्रवाई का प्रतीक है और लाल कपडे बुराई को नष्ट करने के प्रतीक हैं। मानव जाति की रक्षा और उन्हें दानवों से बचाने के लिए मां हमेशा तत्पर रहती हैं। मां के पास सकारात्मक ऊर्जा का स्त्रोत है, जिससे वह नकारात्मक शक्तियों का नाश करती हैं। मां दुर्गा स्त्री में शक्ति का प्रतीक हैं। वह रचनात्मकता की मूर्ति हैं। उनके चेहरे की आभा से निकलता शुद्ध प्रकाश सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक है। मां की आराधना और उपासना जो भी भक्त करता है। वह अपने जीवन में हमेशा विजयश्री हासिल करता है।

भगवान वामन श्री हरि के पहले ऐसे अवतार थे जो मानव रूप में प्रकट हुए थे

हमारे वेदों में चार युगों का वर्णन मिलता है। ब्रहमाजी का एक दिन यानी चार वेदों का समय है। यह समय सौर वर्ष (12 माह से सौर वर्ष बनता है और सौर वर्ष का प्रथम दिन 'मेष' होता है।) में उल्लेखित है। चार युगों में सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलयुग आते हैं। त्रेतायुग दूसरा युग था जिसमें अधर्म का नाश करने के लिए भगवान विष्णु तीन अवतार लिए थे, जो क्रमश: वामन अवतार, परशुराम अवतार और श्रीराम अवतार के नाम से हमारे हिंदू धर्म ग्रंथों में उल्लेखित हैं।

त्रेतायुग में भगवान विष्णु के पांचवें अवतार के रूप में वामन अवतार लिया गया था। पहले चार अवतार क्रमश: मत्स्य, कच्छप, वाराह और नृसिंह थे। वामन अवतार में उन्होंने राजा बलि से तीन पग जमीन मांग कर धरती की रक्षा की थी। छठवां अवतार भगवान ने परशुराम का लिया। इसके बाद भगवान श्रीराम के रूप में भगवान विष्णु इस धरती पर जन्मे थे।

वामन अवतार: भगवान वामन श्री हरि के पहले ऐसे अवतार थे जो मानव रूप में प्रकट हुए थे। उनके पिता वामन ऋषि और माता अदिति थीं। वह बौने ब्राहमण के रूप में जन्मे थे। वामन भगवान को दक्षिण भारत में उपेन्द्र के नाम से भी जाना जाता है। मान्यता है कि वह इंद्र के छोटे भाई थे। भागवत पुराण के अनुसार भगवान विष्णु ने इंद्र का देवलोक में पुन: अधिकार स्थापित करने के लिए यह अवतार लिया। दरअसल देवलोक पर असुर राजा बली ने विजयश्री हासिल कर इसे अपने अधिकार में ले लिया था। राजा बली विरोचन के पुत्र और प्रहाद के पौत्र थे। उन्होने अपने तप और पराक्रम के बल पर देवलोक पर विजयश्री हासिल की थी। राजा बलि महादानी राजा थे, उनके दर से कोई खाली हाथ नहीं लौटता था। यह बात जब वामन भगवान को पता चली तो वह एक बौने ब्राहमण के वेष में बली के पास गये और उनसे अपने रहने के लिए तीन पग के बराबर भूमि देने का आग्रह किया। उनके हाथ में एक लकडी का छाता था। गुरु शुक्राचार्य के चेताने के बावजूद बली ने वामन को वचन दे डाला। इस तरह भगवान ने दो पग में धरती, आकाश नाम लिया, चौथा पग उन्होंने राजा बलि के सिर पर रखा था। जिसके बाद से राजा बलि को मोक्ष प्राप्त हुआ।

परशुराम अवतार: भगवान विष्ण के छठवें अवतार के रूप में राजा प्रसेनजित की पुत्री रेणुका और भृगुवंशीय जमदग्नि के पुत्र के रूप में जन्में थे। इस अवतार में वह भगवान शिव के परम भक्त थे। इन्हें शिव से विशेष परशु(फरसा) प्राप्त हुआ था। इनका नाम तो राम था, किन्तु शंकर द्वारा प्रदत्त अमोघ परशु को सदैव धारण किये रहने के कारण ये परशुराम कहलाते थे।

श्रीराम अवतार: श्रीहरि ने सातवें अवतार के रूप में श्रीराम के नाम से जन्म लिया। वह अयोध्या में राजा दशरथ और माता कौशल्या के पुत्र के रूप में जन्मे थे। इस अवतार में वह मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। उन्होंने लंकापति रावण के अलाव कई दैत्यों का अंत किया। श्रीराम की संपूर्ण गाथा वाल्मीकि रामायण में उल्लेखित है।

कृष्ण के गीता के उपदेश अर्जुन के अलावा विश्व में चार और लोग सुन रहे थे

पौराणिक कथा के अनुसार जिस समय भगवान श्री कृष्ण कुरुक्षेत्र की रणभूमि में पार्थ (अर्जुन) को गीता के निष्काम कर्मयोग का उपदेश दे रहे थे उस समय धनुर्धारी अर्जुन के अलावा इस उपदेश को विश्व में चार और लोग सुन रहे थे जिसमें पवन पुत्र हनुमान, महर्षि व्यास के शिष्य तथा धृतराष्ट्र की राजसभा के सम्मानित सदस्य संजय और बर्बरीक शामिल थे। आपको बताते चलें बर्बरीक घटोत्कच और अहिलावती के पुत्र तथा भीम के पोते थे। जब महाभारत का युद्ध चल रहा था उस दौरान उन्हें भगवान श्री कृष्ण से वरदान प्राप्त था कि कौरवों और पाण्डवों के इस भयंकर युद्ध को देख सकते हैं। जब गीता का उपदेश चल रहा उस दौरान पवन पुत्र हनुमान अर्जुन के रथ पर बैठे थे जबकि संजय, धृतराष्ट्र से गीता आख्यान कर रहे थे। धृतराष्ट्र ने पूरी गीता संजय के मुख से सुनी वह वही थी जो कृष्ण उस समय अर्जुन से कह रहे थे। भगवान श्रीकृष्ण की मंशा थी कि धृतराष्ट्र को भी अपने कर्त्तव्य का ज्ञान हो और एक राजा के रूप में वो भारत को आने वाले विनाश से बचा लें। यही नहीं यही वह चार व्यक्ति थे जिन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को विश्वरूप के रूप में देखा। दसवें अध्याय के सातवें श्लोक तक भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी विभूति, योगशक्ति तथा उसे जानने के माहात्म्य का संक्षेप में वर्णन किया है। फिर ग्यारहवें श्लोक तक भक्तियोग तथा उसका फल बताया। अर्जुन ने भगवान की स्तुति करके दिव्य विभूतियों तथा योगशक्ति का विस्तृत वर्णन करने के लिए श्री कृष्ण से प्रार्थना की। अपनी दिव्य विभूतियों के बारे में बताने के बाद आखिर में श्री कृष्ण ने योगशक्ति का प्रभाव बताया और समस्त ब्रहमांड को अपने एक अंश से धारण किया हुआ बताकर अध्याय समाप्त किया। यह सुनकर अर्जुन के मन में उस महान स्वरूप को प्रत्यक्ष देखने की इच्छा हुइ तब ग्यारहवें अध्याय के आरम्भ में भगवान श्रीकृष्ण ने विश्वरूप के दर्शन के रूप में अपने को प्रत्यक्ष किया। इसी विराट स्वरूप में समस्त ब्रहमांड को समाहित देख अर्जुन मोह मुक्त हुए तथा युद्ध के विरक्ति भाव से मुक्त होकर महाभारत युद्ध का निष्ठापूर्वक संचालन कर कौरवों पर विजय प्राप्त की।

कोई भी शुभ कार्य करने से पहले इन विशेष मुहूर्त का ध्यान रख सकते हैं

कोई भी शुभ कार्य करने से पहले हम भारतीय मुहूर्त जरूर देखते हैं। मुहूर्त देखने का चलन सदियों से चला आ रहा है। यदि आप स्वयं का व्यवसायिक, औद्योगिक या फिर किसी भी तरह की मशीन को स्थापित करना चाहते हैं तो इन विशेष मुहूर्त का ध्यान रख सकते हैं। औद्योगिक मुहूर्त कुटीर, लघु और भारी उद्योगों के शुभारंभ के लिए अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा नक्षत्र शुभ माने गए हैं। मशीन स्थापना मुहूर्त सर्वार्थ सिद्धि योग, गुरु पुष्य योग, रवि पुष्य योग और रवि योग में मशीन स्थापना शुभ होता है। इसके अलावा व्यक्ति की चंद्र राशि व गोचर के चंद्रमा को ध्यान में रखते हुए लग्न शुद्धि पर विचार करना चाहिए।

व्यवसायिक मुहूर्त मुहूर्त के मूलभूत सिद्धांत वहीं रहते हैं, जो सदियों से चले आ रहे हैं। मुहूर्त लग्न में चंद्रमा 6,8,12 में नहीं होना चाहिए। यानी अगर सरल शब्दों में कहें तो कोई भी शुभ कार्य करते समय शुभ राशि से गोचर का चंद्रमा 4,8,12 में नहीं होना चाहिए। चैत्र और पौष माह में कार्य वर्जित माने गए हैं। इसलिए वर्जित योगों व भद्रा आदि में कोई शुभ कार्य आरंभ न करें। रिक्ता तिथि यानी 4,9,14 में शुभारंभ नहीं करना चाहिए। मंगलवार और बुधवार छोडकर सभी वार शुभ रहते हैं। लोहा, कोयला और ज्योतिष कार्य शनिवार को भी किया जा सकता है। नई दुकान, शोरूम व कार्यालय खोलने के लिए अश्विनी, रोहिणी, मृगशिरा, पुष्य, उत्तराफाल्गुनी, हस्त, चित्रा, अनुराधा, उत्तराषाढा, उत्तराभाद्रपद व रेवती नक्षत्र शुभ हैं।

शिवलिंग की पूजा करने में कुछ ऐसी चीजें हैं जिससे शिवजी अति प्रसन्न होते हैं

शिव, महादेव, भोले शंकर या फिर नीलकंठ। भगवान शिव को न जाने कितने ही नामों से जाना जाता है। भगवान शिव के बारे में कहा जाता है कि वो विनाश के देवता है यानि सृष्टि में जब-जब पाप की अधिकता हो जाती है तो शिव प्रलय लीला द्वारा पुन: संसार का सृजन करते हैं। वहीं भगवान शिव की पसंद की बात करें तो उनकी पसंद अन्य देवताओं से काफी अलग है।

भगवान शिव के एक अन्य रूप 'शिवलिंग' भी कई मायनों में अलग है।शिवलिंग की पूजा करने में कुछ ऐसे रीति-रिवाजों का पालन किया जाता है जो भगवान शिव को बहुत पसंद है। शिवलिंग को दूध से स्नान करवाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि भगवान शिव को दूध से अभिषेक किया जाना बेहद पसंद है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिवलिंग को दूध से स्नान क्यों करवाया जाता है। वास्तव में इसके पीछे भी एक कहानी है।

समुद्र मंथन की पूरी कथा विष्णुपुराण और भागवतपुराण में वर्णित है। जिसमें एक कथा मिलती है। इस कथा के अनुसार समुद्र मंथन के दौरान जब विष की उत्पत्ति हुई थी तो पूरा संसार इसके तीव्र प्रभाव में आ गया था। जिस कारण सभी लोग भगवान शिव की शरण में आ गए क्योंकि विष की तीव्रता को सहने की ताकत केवल भगवान शिव के पास थी। शिव ने बिना किसी भय के संसार के कल्याण हेतु विष पान कर लिया। विष की तीव्रता इतनी अधिक थी कि भगवान शिव का कंठ नीला हो गया। विष का घातक प्रभाव शिव और शिव की जटा में विराजमान देवी गंगा पर पडने लगा। ऐसे में शिव को शांत करने के जल की शीलता भी काफी नहीं थी। सभी देवताओं ने उनसे दूध ग्रहण करने का निवेदन किया। लेकिन अपने जीव मात्र की चिंता के स्वभाव के कारण भगवान शिव ने दूध से उनके द्वारा ग्रहण करने की आज्ञा मांगी। स्वभाव से शीतल और निर्मल दूध ने शिव के इस विनम्र निवेदन को तत्काल ही स्वीकार कर लिया। शिव ने दूध को ग्रहण किया जिससे उनकी तीव्रता काफी सीमा तक कम हो गई परंतु उनका कंठ हमेशा के लिए नीला हो गया और उन्हें नीलकंठ के नाम से जाना जाने लगा।

कठिन समय में बिना अपनी चिंता किए दूध ने शिव और संसार की सहायता के लिए दूध ने शिव के पेट में जाकर विष की तीव्रता को सहन किया। इसलिए शिव को दूध अत्यधिक प्रिय है। वहीं दूसरी तरफ शिव को सांप भी बहुत प्रिय है क्योंकि सांपों ने विष के प्रभाव को कम करने के लिए विष की तीव्रता स्वंय में समाहित कर ली थी।इसलिए अधिकतर सांप बहुत जहरीले होते हैं।

मन का संदेह

एक व्यक्ति की घडी खो गई। उसने पूरे घर में खोज लिया, पर वह कहीं नहीं मिली। अचानक उसकी नजर खिडकी के पार घर के बगीचे में काम करने वाले लडके पर गई। उसे वह कुछ संदिग्ध दिखाई दिया। संदेह आंखों में भरकर जब उस व्यक्ति ने लडके की ओर देखा, तो उसने नजरें झुका लीं। उस व्यक्ति को यकीन हो गया कि घडी उसी ने चुराई है। वह लडके पर नजर रखने लगा। उसे लडके की हर गतिविधि से लग रहा था कि वही चोर है। वह व्यक्ति लडके से कडाई से पूछताछ करने की बात सोच ही रहा था कि एक दिन कबर्ड की सफाई करते हुए उसे वह घडी मिल गई। उसे याद आया कि उसने ही एक दिन अपने कपडों के साथ अपनी घडी कबर्ड में रखी थी। लडका अब भी बगीचे में काम कर रहा था।

व्यक्ति ने खिडकी से लडके की ओर फिर देखा। लडके ने उसे इस तरह देखकर नजरें नीची कर लीं, लेकिन अब उस व्यक्ति को लडके की कोई गतिविधि संदिग्ध नहीं लग रही थी। कथा मर्म : संदेह हमारे मन पर कब्जा जमाकर हमें गलत फैसले लेने के लिए बाध्य कर देते है।

महाभारत के बाद कैसे खत्म हुआ श्रीकृष्ण सहित पूरा यदुवंश

अठारह दिन चले महाभारत के युद्ध में रक्तपात के सिवाय कुछ हासिल नहीं हुआ। इस युद्ध में कौरवों के समस्त कुल का नाश हुआ, साथ ही पाँचों पांडवों को छोडकर पांडव कुल के अधिकाँश लोग मारे गए। लेकिन इस युद्ध के कारण, युद्ध के पश्चात एक और वंश का खात्मा हो गया वो था 'श्री कृष्ण जी का यदुवंश'।

गांधारी ने दिया था यदुवंश के नाश का श्राप : महाभारत युद्ध की समाप्ति के बाद जब युधिष्ठर का राजतिलक हो रहा था तब कौरवों की माता गांधारी ने महाभारत युद्ध के लिए श्रीकृष्ण को दोषी ठहराते हुए श्राप दिया की जिस प्रकार कौरवों के वंश का नाश हुआ है ठीक उसी प्रकार यदुवंश का भी नाश होगा। गांधारी के श्राप से विनाशकाल आने के कारण श्रीकृष्ण द्वारिका लौटकर यदुवंशियों को लेकर प्रयास क्षेत्र में आ गये थे।

यदुवंशी अपने साथ अन्न-भंडार भी ले आये थे। कृष्ण ने ब्राहमणों को अन्नदान देकर यदुवंशियों को मृत्यु का इंतजार करने का आदेश दिया था। कुछ दिनों बाद महाभारत-युद्ध की चर्चा करते हुए सात्यकि और कृतवर्मा में विवाद हो गया। सात्यकि ने गुस्से में आकर कृतवर्मा का सिर काट दिया। इससे उनमें आपसी युद्ध भडक उठा और वे समूहों में विभाजित होकर एक-दूसरे का संहार करने लगे।

इस लडाई में श्रीकृष्ण के पुत्र प्रद्युम्न और मित्र सात्यकि समेत सभी यदुवंशी मारे गये थे, केवल बब्रू और दारूक ही बचे रह गये थे। यदुवंश के नाश के बाद कृष्ण के ज्येष्ठ भाई बलराम समुद्र तट पर बैठ गए और एकाग्रचित्त होकर परमात्मा में लीन हो गए। इस प्रकार शेषनाग के अवतार बलरामजी ने देह त्यागी और स्वधाम लौट गए।

बहेलिये का तीर लगने से हुई श्रीकृष्ण की मृत्यु बलराम जी के देह त्यागने के बाद जब एक दिन श्रीकृष्ण जी पीपल के नीचे ध्यान की मुद्रा में बैठे हुए थे, तब उस क्षेत्र में एक जरा नाम का बहेलिया आया हुआ था।

जरा एक शिकारी था और वह हिरण का शिकार करना चाहता था। जरा को दूर से हिरण के मुख के समान श्रीकृष्ण का तलवा दिखाई दिया। बहेलिए ने बिना कोई विचार किए वहीं से एक तीर छोड दिया जो कि श्रीकृष्ण के तलवे में जाकर लगा।

जब वह पास गया तो उसने देखा कि श्रीकृष्ण के पैरों में उसने तीर मार दिया है। इसके बाद उसे बहुत पश्चाताप हुआ और वह क्षमायाचना करने लगा। तब श्रीकृष्ण ने बहेलिए से कहा कि जरा तू डर मत, तूने मेरे मन का काम किया है।

अब तू मेरी आज्ञा से स्वर्गलोक प्राप्त करेगा। बहेलिए के जाने के बाद वहां श्रीकृष्ण का सारथी दारुक पहुंच गया। दारुक को देखकर श्रीकृष्ण ने कहा कि वह द्वारिका जाकर सभी को यह बताए कि पूरा यदुवंश नष्ट हो चुका है और बलराम के साथ कृष्ण भी स्वधाम लौट चुके हैं। अत: सभी लोग द्वारिका छोड दो, क्योंकि यह नगरी अब जल मग्न होने वाली है।

मेरी माता, पिता और सभी प्रियजन इंद्रप्रस्थ को चले जाएं। यह संदेश लेकर दारुक वहां से चला गया। इसके बाद उस क्षेत्र में सभी देवता और स्वर्ग की अप्सराएं, यक्ष, किन्नर, गंधर्व आदि आए और

उन्होंने श्रीकृष्ण की आराधना की। आराधना के बाद श्रीकृष्ण ने अपने नेत्र बंद कर लिए और वे सशरीर ही अपने धाम को लौट गए। श्रीमद भागवत के अनुसार जब श्रीकृष्ण और बलराम के स्वधाम गमन की सूचना इनके प्रियजनों तक पहुंची तो उन्होंने भी इस दुख से प्राण त्याग दिए।

देवकी, रोहिणी, वसुदेव, बलरामजी की पत्नियां, श्रीकृष्ण की पटरानियां आदि सभी ने शरीर त्याग दिए। इसके बाद अर्जुन ने यदुवंश के निमित्त पिण्डदान और श्राद्ध आदि संस्कार किए।

इन संस्कारों के बाद यदुवंश के बचे हुए लोगों को लेकर अर्जुन इंद्रप्रस्थ लौट आए। इसके बाद श्रीकृष्ण के निवास स्थान को छोडकर शेष द्वारिका समुद्र में डूब गई। श्रीकृष्ण के स्वधाम लौटने की सूचना पाकर सभी पाण्डवों ने भी हिमालय की ओर यात्रा प्रारंभ कर दी थी।

इसी यात्रा में ही एक-एक करके पांडव भी शरीर का त्याग करते गए। अंत में युधिष्ठिर सशरीर स्वर्ग पहुंचे थे। वानर राज बाली ही था जरा बहेलिया संत लोग यह भी कहते हैं कि प्रभु ने त्रेता में राम के रूप में अवतार लेकर बाली को छुपकर तीर मारा था। कृष्णावतार के समय भगवान ने उसी बाली को जरा नामक बहेलिया बनाया और अपने लिए वैसी ही मृत्यु चुनी, जैसी बाली को दी थी।

त्वचा और बालों में लगाएंगे जोजोबा ऑयल, तो होंगे ये फायदे!

जोजोबा का तेल त्वचा को पोषित करने के साथ ही बालों को भी मजबूत, घना और स्वस्थ रखता है. इसका इस्तेमाल त्वचा और बालों से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में कारगर है. ब्यूटी सोर्स की संस्थापक रागिनी मेहरा और ऑनलाइन स्टोर डेजर्ट स्प्लेंडर के संस्थापक शिव सिंह मन्न ने जोजोबा के तेल के ये लाभ बताए हैं।

» जोजोबा का तेल मुंहासों को नियंत्रित करता है, इसके इस्तेमाल से मुंहासे नहीं होते हैं और दाग-धब्बे भी दूर हो जाते हैं.

» यह त्वचा को नमी प्रदान करता है. यह अन्य तेलों की तुलना में हल्का होता है और त्वचा में गहराई से समा जाता है. यह त्वचा को मुलायम बनाता है और चमक लाता है. यह त्वचा को जवां बनाता है और उसमें कसाव ले आता है. यह सनबर्न को दूर करने के साथ ही जलन और खुजली भी दूर करता है.

» गर्मियों में बाल अक्सर उलझ जाते हैं और रुखे व बेजान हो जाते हैं. जोजोबा का तेल पसीने व अनचाही नमी को ब्लॉक कर बालों का रूखापन दूर करता है और उन्हें मुलायम बनाता है. वहीं यह स्कैल्प में नमी प्रदान करता है, जो अक्सर हानिकारक रसायन युक्त शैम्पू के इस्तेमाल से स्कैल्प से निकल जाता है.

» जोजोबा का तेल विटामिन ई और बी युक्त होने के साथ ही एंटीऑक्सीडेंट और मिनरल्स से समृद्ध होता है, जो त्वचा को पोषण और सुरक्षा प्रदान करने के साथ ही नमी भी बरकरार रखता है. जोजोबा के तेल में उच्च स्तर के एंटीऑक्सीडेंट और पोषक तत्व होते हैं. जोजोबा तेजी से कोशिकाओं को रिजेनरेट करता है.

» जोजोबा तेल खासकर लैवेंडर जोजोबा तेल खुशबूदार फूलों की महक से समृद्ध होने के साथ ही सुकून का अहसास कराता है. यह शारीरिक और मानसिक थकान को दूर करता है, अगर तकिए पर इस तेल की कुछ बूंदें डाल दी जाए तो अच्छी नींद आती है.

सेहत की हर परेशानी को दूर कर देंगे नानी मां के ये नुस्खे

यह बात बिल्कुल सही है कि जान है तो जहान है। तंदुरूस्ती हो को हर काम आसानी से किया जा सकता है लेकिन आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में सेहत से जुड़ी छोटी-छोटी परेशानियां झेलनी आम बात हैं। बुखार,सर्दी-जुकाम,गला खराब,पेट दर्द के अलावा और भी बहुत सी दिक्कते हैं जो देखने में भले ही छोटी लगें लेकिन इनसे जिंदगी बेरंग सी हो जाती है। सेहत से जुड़ी इन मुश्किलों का सामना करने के लिए दादी-नानी के नुस्खे बेहद कारगर साबित होते हैं।

1. मुलायम और चमकदार बाल : पानी में अमरूद के पत्ते उबालकर इससे बाल धोएं।

2. पसीने से छुटकारा : अनार के पत्तों को पानी में उबाल कर इससे नहाएं।

3. गले की इंफैक्शन दूर : शहतूत खाने से फायदा मिलता है। इसका शरबत भी पी सकते हैं।

4. खांसी गायब : अनार का छिलका मुंह में रखकर चूसने से राहत मिलती है।

5. दर्द से आराम : सरसों के तेल में लहसून और अजवाइन डालकर गर्म कर लें। इससे बॉडी मसाज करें।

6. भूख बढ़ाएं : पुदीने के रस में 2 बूंद अदरक का रस और सेंधा नमक डालकर सेवन करें।

7. बवासीर से आराम : करेले के रस में थोड़ी-सी मिश्री डालकर खाएं।

8. कब्ज : सौंफ का चूर्ण और चुटकी भर काला नमक मिलाकर रात को खाएं, इससे कब्ज नहीं रहेगी।

मल्टीग्रेन आटे के चमत्कारी लाभ

गेहूं की रोटी स्वादिष्ट अधिक, पौष्टिक कम होती है। अगर गेहूं में यदि अन्य अनाज को मिला कर आटा पिसवाया जाए तो ऐसे आटे से बनी रोटी की पौष्टिकता बढ़ जाती है। इस प्रकार के आटे को मल्टीग्रेन आटा या कौबिनेशन फ्लोर कहा जाता है।मल्टीग्रेन आटा-मल्टीग्रेन आटा का मतलब की अन्य अनाज जैसे दालों को गेहूं क आटे के साथ मिलाकर उसे मल्टी ग्रेन आटा बना दिया जाता है और यह बाजार में मल्टी ग्रेन आटे के नाम से बिकता है।

तनाव-हार्मोन में बदलाव से हो सकता हैं एक्ने

अगर आपके परिवार में एक्ने की हिस्ट्री रही है यानी आपके मां या पिता को भी यह समस्या रही है। तो भी आपको इससे बचाव की कोशिशें शुरू कर देनी चाहिए। एक्ने त्वचा का एक डिसऑर्डर है। यह मुंहासों का ही बिगड़ा हुआ रूप है। फर्क यह है कि आमतौर पर मुंहासे जहां बिना किसी विशेष उपचार के किशोरावस्था के बाद स्वयं ही ठीक हो जाते हैं, वहां एक्ने के साथ ऐसा नहीं होता और जब तक इसका सही ढंग से इलाज न हो, यह ठीक नहीं होता। इसके बारे में विस्तार से जानिये इस लेख में।

क्यों होता है एक्ने

त्वचा के नीचे स्थित सिबेशस ग्लैंड्स से त्वचा को नमी देने के लिए तेल निकलता है। ये ग्लैंड्स चेहरे, पीठ, छाती और कंधों पर सबसे ज्यादा होते हैं। अगर ये ज्यादा सक्रिय हो जाएं तो रोमछिद्र चिपचिपे होकर ब्लॉक हो जाते हैं और उनमें बैक्टीरिया पनपने लगते हैं जो एक्ने का कारण बनते हैं। सामान्य स्थिति में सूर्य की किरणें इनको पनपने नहीं देतीं। सिबेशस ग्लैंड्स की अति सक्रियता की प्रमुख वजह एंड्रोजन हार्मोन की अधिकता है। एंड्रोजन पुरुष सेक्स हार्मोन है और यह लड़के और लड़कियों दोनों में ही होता है। किशोरावस्था में इसका स्राव ज्यादा होता है।

कई लड़कियों को पीरियड्स से पहले बार-बार मुंहासे निकल आते हैं । जो बिगड़कर एक्ने का रूप ले सकते हैं। ऐसा ओव्यूलेशन के बाद प्रोजेस्टेरॉन हार्मोन के ज्यादा स्राव के कारण होता है। इससे त्वचा पर छोटे-छोटे दानों के गुच्छे से बन जाते हैं। इसी तरह सिबेशस ग्रंथियों से उत्पन्न सीबम त्वचा के पिगमेंट (रंग निर्धारक तत्व) से मिलकर रोमछिद्रों को ब्लॉक कर देता है तो ब्लैकहेड्स बनते हैं। अगर त्वचा की अंदरूनी परत में सीरम जमा हो जाता है तो व्हाइटहेड्स बनते हैं। कई बार ब्लैकहैड्स और व्हाइटहेड्स त्वचा के भीतर फैलने के बाद फूट जाते हैं, जिससे बाहरी त्वचा पर एक्ने और फैल सकता है।

टॉक्सिन भी हैं कारण

शरीर में जरूरत से ज्यादा टॉक्सिन तत्व भी एक्ने का कारण हो सकते हैं। त्वचा का एक महत्वपूर्ण कार्य पसीने के जरिए शरीर से टॉक्सिक तत्वों को बाहर निकालना है। ऐसे में अगर टॉक्सिन यानी विषैले तत्व बहुत ज्यादा हो जाएं तो इस पूरी प्रक्रिया में त्वचा के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इसके अलावा एलर्जी, तनाव, जंकफूड, सैचुरेटड फैट, हाइड्रोजेनेटेड फैट और पशु उत्पादों के प्रयोग, कुपोषण और प्रदूषण से भी एक्ने की संभावना बढ़ जाती है। कुछ दवाओं जैसे स्टीरॉयड, ओरल कांट्रेसेप्टिव पिल्स और मिरगी की दवाओं के रिएक्शन से भी एक्ने हो सकता है।

एक्ने से बचाव

कुछ बातों का ध्यान रखा जाए तो एक्ने को रोका जा सकता है, कम से कम उसका ज्यादा बढ़ना तो कम किया ही जा सकता है। बेहतर होगा कि आप मुंहासे निकलते ही एक्ने की रोकथाम के उपाय शुरू कर दें -

- भोजन में ऐसी चीजें लें जिनमें फैट और मसालों की मात्रा बहुत कम हो। अधिक चिकनाई, तेज मीठा, स्टार्चयुक्त और मसालेदार भोजन से एक्ने की संभावना काफी बढ़ जाती है।
- रेशेदार पदार्थ अधिक मात्रा में लें। इससे पेट साफ रहता है और शरीर के विषाक्त पदार्थ भी बाहर निकल जाते हैं।
- ऐसी चीजें अपने भोजन में शामिल करें, जिनमें जिंक काफी मात्रा में हो। जैसे शेलफिश, सोयाबीन, साबुत अनाज, सूरजमुखी के बीज और सूखे मेवे। जिंक एंटी बैक्टीरियल होता है।
- खट्टी चीजें जैसे लो फैट दही पर्याप्त मात्रा में खाएं। प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थो और आयोडीन नमक का प्रयोग कम से कम करें। इनमें आयोडीन बहुत होता है और इससे एक्ने बढ़ता है। मछली और प्याज में भी आयोडीन पाया जाता है, इसलिए इनसे भी दूर रहें।
- शराब, मक्खन, कॉफी, चीज, चॉकलेट, क्रीम, कोको, अंडे, मांस, पोल्ट्री उत्पाद, सॉफ्ट और ब्रोमिनेटेड वेजिटेबल ऑयल का इस्तेमाल बिलकुल न करें।

- रोज कम से कम आठ-दस गिलास पानी जरूर पिएं ताकि विषाक्त पदार्थ बाहर निकल सकें। नियमित व्यायाम करें और ताजी हवा में अधिक देर तक रहें।
- जितना संभव हो त्वचा को तैलीय होने से बचाएं। बालों को रोजाना शैम्पू करें। एक्ने के लिए खासतौर पर निर्मित हर्बल साबुन इस्तेमाल करें, त्वचा को अच्छी तरह धोएं, लेकिन ज्यादा रगड़ें नहीं। ज्यादा रगड़ने से एक्ने और फैलता है।
- बालों में डैंड्रफ न होने दें। डैंड्रफ झड़कर जब त्वचा पर गिरता है तो वह भी एक्ने का कारण बनता है।
- अधिक मेकअप से बचें। अगर मेकअप जरूरी हो तो प्राकृतिक और वॉटर बेस्ड मेकअप प्रोडक्ट्स का ही इस्तेमाल करें। तेज केमिकल, डाई या तेलयुक्त प्रोडक्ट्स से दूर रहें।
- मेकअप ब्रश और स्पंज को हर बार इस्तेमाल करने के बाद अल्कोहल से धोएं और उन्हें अल्कोहल में ही डुबोकर रखें ताकि संक्रमण न हो।
- तनाव से दूर रहें। तनाव से हार्मोन परिवर्तन होता है, जिससे एक्ने बढ़ सकता है। कई त्वचा विशेषज्ञ एक्ने होने पर रोज कम से कम 15 मिनट धूप सेंकने, व्यायाम और पूरी नींद की सलाह देते हैं।

लेकिन ध्यान रखें कि मुहांसो के और भी कई कारण हो सकते हैं, इसलिए कोई भी उपाय करने से पहले सुझाव के तौर पर त्वचा विशेषज्ञ से परामर्श जरूर कर लें। वह अपनी त्वचा के प्रकार के हिसाब से व मुहांसो के सही कारण को जांच कर आपको सही समाधान व उपचार देगा।

कैल्शियम से भरपूर, ये फूड्स हड्डियों को रखेंगे मजबूत

पहले समय बढ़ती उम्र को लोगों के कमजोर हड्डियों की प्रॉबल्म सुनने को मिलती थी लेकिन बदलती जीवनशैली और खानपान की आदतों के कारण कम उम्र के व्यक्तियों को बी इस समस्या से गुजरना पड़ता है। कम उम्र में जोड़ों में दर्द रहना के कारण कैल्शियम युक्त खाना न लेना है। कुछ लोग अपना डाइट में दूध को शामिल करते है क्योंकि उसमें भरपूर मात्रा में कैल्शियम मौजूद होता है। केवल दूध पीना ही बेहतर नहीं, ऐसे कई फूड्स है जिनको खाने से हड्डियां मजबूत रहती है। आइए जानते है उन फूड्स के बारे में। बताया जाता है कि 100 ग्राम बादाम में लगभग 264 मिग्रा कैल्शियम होता है। अगर रोज मुट्ठी भर बादाम खाएं जाए तो इससे शरीर को भरपूर एनर्जी मिलती है और हड्डियां मजबूत रहती है।

बींस: बींस में भी भरपूर कैल्शियम, प्रोटीन जैसे न्यूट्रिएंटस होते है जो हड्डियों को उम्रभर के लिए मजबूत बनाए रखते है।

पालक: पालक में सभी जरूरी तत्व मौजूद होते है। 100 ग्राम पालक में लगभग 99 मिग्रा कैल्सियम होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाएं रखता है। इसलिए बेहतर होगा की अपने भोजन में पालक को शामिल करें।

भिंडी: भिंडी खाने वैसे तो कम लोग ही पसंद करते है लेकिन अगर आपको पता चलेगा कि भिंडी आपकी हड्डियों को मजबूत रखती है तो आप जरूर इसका सेवन करेंगे क्योंकि 10 ग्राम भिंडी में लगभग 82 मिग्रा कैल्शियम होता है।

पनीर: पनीर मे भरपूर मात्र मे कैल्शियम के अलावा विटामिन भी होता है। जो हड्डियों की मजबूती के लिए काफी उपयोगी होता है।

पुरुषों के लिए भी जरूरी है पर्सनल केयर

फेशियल

मेट्रो-सैक्सुअल मैन फेशियल कराने के विचार से नहीं घबराते और इसे त्वचा केयर के अपने रूटीन में शामिल करते हैं। आप अपने नजदीकी मेन सैलोन में जा सकते हैं और अपनी त्वचा प्रकार के अनुसार फेशियल करा सकते हैं। आपकी त्वचा के अनुरूप किए जाने वाले फेशियल में अनेकों त्वचा प्रॉब्लम्स जैसे ब्लैकहेड्स, ब्लेमिशेज और पिगमेंटेड त्वचा से निजात पाई जा सकती है। चूंकि ज्यादातर पुरुषों की त्वचा ऑयली होती है इसलिये एक क्लींजिंग मास्क ऑयलीनेस की रोकथाम कर सकता है जबकि ड्राई त्वचा प्रकार की अच्छी केयर हाइड्रेटेड मास्क से हो सकती है। फेशियल त्वचा पर के किसी समस्याग्रस्त हिस्से का सुधार फेशियल से किया जा सकता है ।

महिलाओं की तरह पुरुषों को भी अपनी ग्रुमिंग की ओर ध्यान देना चाहिए। पुरुषों में ग्रुमिंग उनके व्यक्तिगत प्रभाव को बढ़ाती है। उनमें भी ग्रुमिंग की शुरुआत व्यक्तिगत स्वच्छता, स्वस्थ बाल व नाखूनों की देखभाल, दांतों की सफाई, फेशियल, हेयर मेकअप, खुशबू और कपड़ों आदि से होती है। कुछ विशेष पर्सनल ग्रुमिंग की आदतें पुरुष अपने त्वचा केयर तरीके में शामिल कर सकते हैं जिनको हफ्ते बाद नहीं तो महीने में एक बार किया जाना चाहिए। तो चलिए पुरुष के लिए जरूरी ग्रुमिंग संबंधी आदतों के बारे में विस्तार से जानते हैं।

समय से कराएं हेयर कट

बालों को समय-समय पर कट करवाते रहना चाहिए। इससे न सिर्फ आपको बेहतर लुक मिलता है बल्कि बालों की ग्रोथ भी ठीक रहती है। यदि लंबे बाल रखते हैं तो आपको हेयर स्टाइल सही रखने के लिए समय-समय

पर हेयर स्टाइलिंग करना चाहिये।

मेनीक्योर और पेडीक्योर

अब मेनीक्योर और पेडीक्योर केवल स्त्रीसुलभ गतिविधियां ही नहीं रही हैं क्योंकि पुरूष अब ग्रुमिंग की अच्छी आदतों की जरूरत समझने लगे हैं या समझने की जरूरत है। अपने हाथों और पैरों के नाखूनों की सही देखभाल करना न केवल आपके निजी रंगरूप व दिखावट के प्रति आपकी सजगता दर्शाता है बल्कि पर्सनल हाइजीन का संकेत भी देता है। गंदे, असमान नाखून, सामान्य स्वच्छता के लिहाज से बहुत भद्दे और गंदे लगते हैं। ड्राई त्वचा वाले बदबूदार पैर, कॉलस और बदरंग नाखून कभी आकर्षक नहीं लग सकते। इसलिये मेनीक्योर और पेडीक्योर महिलाओं की तरह पुरुषों की ग्रुमिंग का भी जरूरी हिस्सा होते हैं क्योंकि ओवरऑल ये हाइजीन के अलावा खुशनुमा शारीरिक दिखावट के लिये जरूरी होते हैं।

बालों की देखभाल

बालों की देखभाल की जरूरत केवल महिलाओं को ही नहीं, पुरुषों को भी होती है। इसलिए बालों की ऑयलिंग, हबर्ल ऑयल मसाज, आयुर्वेदिक हेयर पैक और हेयर वॉश करवाएं आदि कराएं। बालों को साफ रखें और ज्यादा खींचे नहीं।

आज ही एक फेशियल जरूर आजमाएं!

अपनी त्वचा की सही देखभाल घर पर भी की जा सकती है। हालांकि प्रोफेशनल हेल्प आपकी त्वचा के लिये करिश्माई ढंग से बेहतर कार्य करती है। चाहे आप पुरुष हों या महिला इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योकि अच्छा दिखने की हसरत सभी की होती है। अपनी त्वचा की केयर करने का मतलब केवल सुंदरता के नजरिए से नहीं बल्कि अच्छे स्वास्थ्य के नजरिये से भी जुड़ा है।

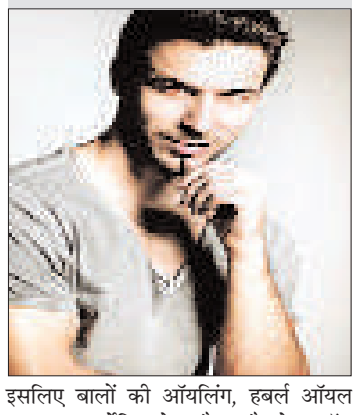

कोलेस्ट्रॉल से हैं परेशान तो अपनाएं ये टिप्स

कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से शरीर में कई समस्याएं आ जाती हैं जैसें- दिल की समस्या और शरीर में मोटापा आदि। कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए लोग कई तरह की दवाइयों का सेवन करते हैं लेकिन इनके कई साइड इफेक्ट भी होते हैं। ऐसे में आप घरेलू चीजों से कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल कर सकते हैं।

1. रोज सुबह इसकी 2-3 कलियां खाने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रहता है।
2. ज्यादा घी या फिर तेल वाली चीजें का सेवन व करें। इससे कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ता है।
3.1 गिलास पानी में दालचीनी और धनिए के बीजों को उबालें। इसे ठंड़ा होने के बाद पी लें।
4. रोज सुबह थोड़ी फिजिकल एक्सरसाइज भी जरुर करें।
5. दिन में कम से कम 8-10 घंटे की नींद जरूर लें। पूरी नींद न लेने से भी कोलेस्ट्रॉल लेवल बढ़ता है
6. 1 चम्मच ऐलोवेरा और 1 चम्मच आंवले को गिलास पानी में मिला कर पीने से काफी फायदा होता है।
7. सुबह खाली पेट 1 गिलास गर्म पानी में आधा नींबू का रस मिला कर पिएं। इससे कोलेस्ट्रॉल धीरे-धीरे कम होने लगेगा।
8. अपने खाने में ज्यादा मीठे का सेवन न करें।

रेसिपी

शीर-खुरमा

सामग्री

दो कप सेवई, चार लीटर दूध, एक कप चीनी आधा कप फ्रेश मलाई, बीस छोटी इलायची, आधा चम्मच इलायची पाउडर, एक चम्मच घी, आधा चम्मच केसर, आधा चम्मच गुलाब जल, एक कप बादाम, काजू और पिस्ता

विधि

सबसे पहले एक कढ़ाई में थोडा से घी गर्म करें। गर्म हो जाने के बाद इसमें सेवई ब्राउन होने तक भूनें। फिर इसमें थोड़ी सी चीनी डालकर फ्राई करते हुए इसमें धीरें-धीरे दूध डाले और हल्के हाथ चलाते रहे। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो उसमें मेंवे और बची हुई चीनी डाल दे। सब कुछ मिल जाने के इसमें गुलाब जल और मलाई डाले और थोड़ी देर पकाए फिर गैस बंद कर दें। अब इसे एक सर्विंग बाउल में निकाल कर केसर और इलायची पाउडर डालकर गर्मागर्म सर्व करें।

राज कचौड़ी

सामग्री

दो कप मैदा, आधा कप सूजी, तीन चुटकी बेकिंग सोडा, तेल - तलने के लिये, कचौरी भरने की सामग्री, छोटे पीस में कटे हुए उबले आलू, उबली हुई मटर, दही, उबली हुई मूंग दाल, भुना हुआ जीरा, काला नमक, सादा नमक, सेव भुजिया, मीठी चटनी, हरी चटनी, अनार के दाने, लाल मिर्च पाउडर

विधि

एक बड़े बाउल में मैदा, सूजी और बेकिंग सोडा लेकर सबको मिलाकर गूंथ लें। इसके बाद हाथों में थोड़ा सा तेल लगा कर धीरें से नरम कर साफ गीले कपड़े से ढंक कर रख दें।अब एक कढ़ाई में तेल गरम होने के लिए रख दें। दूसरी तरफ गूंथे आटा की छोटी-छोटी गोली काटकर इसे तीन इंच के व्यास में बेल लें। इसके बाद इसे गरम तेल में तलें जब यह अच्छी तरह से फूल जाए तो इसे प्लेट पर निकाल लें।अब आप इसमें सामग्री भर सकती है । इसके लिए पूड़ी को लेकर बीच से आराम से तोडिये और उसमें सबसे पहले आलू, मटर, उबली मूंग, थोड़ा सा जीरा, काला नमक, सादा नमक, लाल मिर्च पावडर, दही, मीठी चटनी, हरी चटनी, सेव भुजिया, अनार दाने, जीरा पावडर, दही और चटनी डालिए और सभी को सर्व कीजिये।

संपादकीय

'किल ट्रंप' के मायने युद्ध

ईरान के सुप्रीम लीडर रहे एवं शिया मुस्लिम समुदाय की आस्था के प्रतीक अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे का दौर है, लिहाजा समूचा देश मातम में है। शोकाकुल लोग रो रहे हैं, छाती पीट रहे हैं, राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और संसद अध्यक्ष कालीबाफ सरीखे शीर्ष नेताओं और सैन्य कमांडरों को फफक-फफक कर रोते देखा गया है। यह सिलसिला 9 जुलाई तक चलेगा, जिस दिन खामेनेई को उनके गृह नगर मशहद में 'सुपुर्द-ए-खाक' किया जाएगा। ईरान गमजदा है, लेकिन अपनी समूची ताकत के नमूने भी पेश कर रहा है। उसने ऐसी बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है, जिसे मात्र 8 मिनट में लॉन्च किया जा सकता है और दुश्मन को 'मिट्टी-मलबा' किया जा सकता है। तेहरान में 30 से अधिक देशों के शीर्ष प्रतिनिधिमंडल और 90 से अधिक देशों के धर्मगुरु और प्रतिनिधि पहुंचे हैं और दिवंगत सुप्रीम लीडर को श्रद्धांजलियां पेश की हैं। यह शोक-आयोजन यहीं तक सीमित नहीं रहा, क्योंकि सुप्रीम लीडर के सम्मान, श्रद्धा, आस्था में जो भी भीड़ सड़कों पर दिखाई दे रही है, उसके कई हाथों में 'किल ट्रंप' और 'डेथ टू अमरीका' के पोस्टर देखे गए। मंसूबे साफ हैं कि ईरानी अवाम भी चाहता है कि इस शहादत, बलिदान का बदला जरूर लिया जाए। खून का बदला खून...! 'प्रार्थना-स्थल' पर भी नारे गूंजते रहे-अमरीका और ट्रंप की हत्या करो। मेजर जनरल अहमद वाहिदी समेत सैन्य कमांडरों ने कसम खाई है कि सुप्रीम लीडर की हत्या का बदला हर हाल में लिया जाएगा। इसके साफ मायने हैं कि युद्ध अभी जारी रहेगा। हालांकि जनाजे के दौरान अतिरिक्त सुरक्षा और सतर्कता के लिए अमरीका ने ईरान को 'अलर्ट' किया है। राष्ट्रपति ट्रंप अब ईरान को सुरक्षा मुहैया कराने की बात कह रहे हैं, लेकिन तंज भी कस रहे हैं कि हमने ईरान को, सुप्रीम लीडर के जनाजे के लिए, एक सप्ताह की छुट्टी दी है। ध्यान रहे कि राष्ट्रपति ट्रंप का भी यह मकसद था कि सुप्रीम लीडर को खत्म कर ईरान में कथित तानाशाही समाप्त की जाए और सत्ता बदल दी जाए। अमरीका ने ही इजरायल के साथ मिल कर खामेनेई के घर पर हमला किया था, जिसमें उनके साथ 40 से अधिक शीर्ष नेता, सलाहकार और कमांडर भी मारे गए। बहरहाल अमरीका ने यह भी पुष्टि की है कि इजरायल जनाजे के दौरान ईरान की भीड़ और वहां के कालीबाफ अब्बास अराघची (विदेश मंत्री) सरीखे नेताओं पर हमले कर सकता है! अमरीकी खुफिया एजेंसियां भी इजरायल के नापाक मंसूबों पर लगातार नजरें गड़ाए हैं। ईरान और अमरीका के ऐसे संबंध अप्रत्याशित, आश्चर्यजनक लगते हैं। रक्षा विशेषज्ञों के अब भी आकलन हैं कि फीफा फुटबॉल विश्व कप अथवा खामेनेई के सुपुर्द-ए-खाक के बाद युद्ध फिर भडक़ेगा और वह पहले से ज्यादा भीषण, वीभत्स होगा। ईरान युद्ध का विध्वंसकारी दौर फिलहाल काफी शांत है और दुनिया ने राहत की एक सांस ली है, क्योंकि खाड़ी देशों से तेल, गैस की आपूर्ति कुछ शुरू हुई है, लेकिन होर्मुज पर अब भी ईरान का नियंत्रण है। सिर्फ टैक्स का भुगतान करने वाले जहाज, टैंकर ही होर्मुज से गुजर पा रहे हैं। युद्ध से वैश्विक अर्थव्यवस्था का 2.2 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान आंका जा रहा है, लिहाजा दोनों देशों को इस संदर्भ में विमर्श कर यथाशीघ्र 'अंतिम समझौते' पर सहमत होना चाहिए। यदि इजरायल जैसे 'नरसंहारी देश' पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद भी काबू पाने में असमर्थ, असहाय है, तो उसपर ढक्कन लगा देना चाहिए। इजरायल की सेनाएं गाजा और लेबनान में विध्वंसक हमले हर रोज कर रही हैं और लगातार लाशें बिछा रही हैं। लाखों लोग विस्थापित हो चुके हैं। बच्चे भी मारे जा रहे हैं। क्या सभी रिहायशी इमारतों में हमास और हिजबुल्लाह के आतंकी मौजूद हैं, उनके नेटवर्क बने हुए हैं? इजरायल हमले कर कब्जे करने पर आमादा क्यों है? इजरायल अमरीका-ईरान के दरमियान समझौते की संभावनाओं को भी ध्वस्त करने पर आमादा है। खबर है कि प्रधानमंत्री नेतन्याहू शीघ्र ही 'व्हाइट हाउस' में राष्ट्रपति ट्रंप से मुलाकात करेंगे और भविष्य की रणनीति पर विमर्श करेंगे। यदि राष्ट्रपति ट्रंप जरा-सा भी मानवतावादी नेता हैं, तो उन्हें नेतन्याहू को निर्णायक चेतावनी देनी चाहिए कि नरसंहार तुरंत बंद करो। वहां से समझौते की बातचीत नया मोड़ ले सकती है।

राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान और संसद अध्यक्ष कालीबाफ सरीखे शीर्ष नेताओं और सैन्य कमांडरों को फफक-फफक कर रोते देखा गया है। यह सिलसिला 9 जुलाई तक चलेगा, जिस दिन खामेनेई को उनके गृह नगर मशहद में 'सुपुर्द-ए-खाक' किया जाएगा। ईरान गमजदा है, लेकिन अपनी समूची ताकत के नमूने भी पेश कर रहा है। उसने ऐसी बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है, जिसे मात्र 8 मिनट में लॉन्च किया जा सकता है और दुश्मन को 'मिट्टी-मलबा' किया जा सकता है। तेहरान में 30 से अधिक देशों के शीर्ष प्रतिनिधिमंडल और 90 से अधिक देशों के धर्मगुरु और प्रतिनिधि पहुंचे हैं और दिवंगत सुप्रीम लीडर को श्रद्धांजलियां पेश की हैं। यह शोक-आयोजन यहीं तक सीमित नहीं रहा, क्योंकि सुप्रीम लीडर के सम्मान, श्रद्धा, आस्था में जो भी भीड़ सडक़ों पर दिखाई दे रही है, उसके कई हाथों में 'किल ट्रंप' और 'डेथ टू अमरीका' के पोस्टर देखे गए। मंसूबे साफ हैं कि ईरानी अवाम भी चाहता है कि इस शहादत, बलिदान का बदला जरूर लिया जाए।

कुछ अलग

भगवान पकड़ा गया

देश में चर्चा भागने वालों की ज्यादा होती है। जो स्थिर रहते या हिलते-जुलते नहीं उन्हें कौन पूछता। मंदिरों में भगवान की चर्चा तब अधिक होती है, जब कोई शातिर मूर्ति उठा ले जाए या नई बनाकर रख दे, वरना अब तो चढ़ावे का सामान भी चर्चा के काबिल नहीं रहा। बड़े मंदिरों में भगवान परेशान हैं, अशांत हैं। वह बड़ी तादाद में भक्तों और भारी तादाद के चढ़ावे से परेशान हैं। भगवान मंदिर के भीतर कैद होकर रह गए हैं। वह प्रसाद देख देख कर अपनी भूख को त्याग चुके थे, फिर भी भक्तगण ढेर लगा देते। सोने-चांदी के आभूषण चढ़ा देते, लेकिन भगवान अब श्रृंगार से राहत चाहते थे। लोग मानते नहीं चांदी की ईंटें चढ़ा देते। मंदिर प्रशासन के आदेशों के आगे ईश्वर की नहीं चल रही थी। आश्चर्य तब हुआ जब ट्रस्ट ने उनके दर्शन कराने के नाम पर मंदिर के द्वार चौबीस घंटे खोल दिए। उन्हें पूजने के बजाय दिहाड़ी पर लगा दिया गया। आमदनी देख कर भगवान को लगा कि भारत के लोग ईश्वर को मालदार बना रहे हैं, लेकिन चंदे की चांदनी के नीचे उन्हें यह भरोसा था कि मंदिर की ड्यूटी सारे सेवादारों को गरीब नहीं रहने देगी। भगवान विवश होते गए। दुनिया को रास्ता दिखाने वाले भगवान को अपने लिए बाहर देखने को रास्ता नहीं मिल रहा था। भगवान मंदिर के अधिकारियों से डरने लगे थे, इसलिए उन्होंने परोक्ष में रहने के बजाय प्रत्यक्ष में गैर हाजिर रहना सीख लिया। उनके सामने जो भी होता, वह उसे देखने-सुनने से इंकार कर देते। अब तो लोग खुसर फुसर करते हैं, 'भगवान मंदिर में बड़े होते हैं या घर के पूजा घरों में।' यह बहस इसलिए क्योंकि घर के बीच भगवान जो देखते हैं, वही देख पाते हैं, जबकि मंदिर में वह नहीं देख पाते, जो असल में होता है। दूसरी ओर घर के भगवान घर की दरिद्रता को दूर नहीं कर पा रहे थे।

महिलाएँ भी पुरुषों के समान मेहनत करके आर्थिक योगदान दे रही

जब कमाई रिश्तों से बड़ी हो जाए

डॉ. प्रियंका सौरभ

आर्थिक आत्मनिर्भरता ने महिलाओं को नया आत्मविश्वास दिया, निर्णय लेने की क्षमता दी और उन्हें सामाजिक सम्मान भी दिलाया। यह परिवर्तन न केवल आवश्यक था, बल्कि एक न्यायपूर्ण समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी था। लेकिन हर सामाजिक परिवर्तन अपने साथ नई चुनौतियाँ भी लेकर आता है। आज जब परिवारों में पति-पत्नी दोनों कमाने लगे हैं, तब आर्थिक साझेदारी के साथ जिम्मेदारियों की साझेदारी का प्रश्न पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। दुर्भाग्य से अनेक परिवारों में यह संतुलन बिगड़ता दिखाई देता है। कहीं अधिकारों पर अधिक जोर है तो कहीं कर्तव्यों की उपेक्षा। परिणामस्वरूप रिश्तों में वह सहजता और अपनापन कम होता जा रहा है जो कभी संयुक्त परिवारों की पहचान हुआ करता था। लंबे समय तक भारतीय समाज में पुरुष को परिवार का आर्थिक आधार माना गया। उसकी कमाई पर पत्नी, बच्चों और माता-पिता का नैतिक अधिकार समझा जाता था।

भारतीय समाज में परिवार केवल रक्त संबंधों का समूह नहीं, बल्कि विश्वास, त्याग, साझेदारी और पारस्परिक उत्तरदायित्व की एक जीवंत संस्था रहा है। इस संस्था की सबसे बड़ी शक्ति यह रही कि इसमें अधिकार और कर्तव्य दोनों साथ-साथ चलते थे। समय बदला, शिक्षा का विस्तार हुआ, महिलाओं की भागीदारी घर की चौखट से निकलकर शिक्षा, प्रशासन, चिकित्सा, न्याय, सेना, विज्ञान और उद्योग तक पहुँची। आर्थिक आत्मनिर्भरता ने महिलाओं को नया आत्मविश्वास दिया, निर्णय लेने की क्षमता दी और उन्हें सामाजिक सम्मान भी दिलाया। यह परिवर्तन न केवल आवश्यक था, बल्कि एक न्यायपूर्ण समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम भी था। लेकिन हर सामाजिक परिवर्तन अपने साथ नई चुनौतियाँ भी लेकर आता है। आज जब परिवारों में पति-पत्नी दोनों कमाने लगे हैं, तब आर्थिक साझेदारी के साथ जिम्मेदारियों की साझेदारी का प्रश्न पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। दुर्भाग्य से अनेक परिवारों में यह संतुलन बिगड़ता दिखाई देता है। कहीं अधिकारों पर अधिक जोर है तो कहीं कर्तव्यों की उपेक्षा। परिणामस्वरूप रिश्तों में वह सहजता और अपनापन कम होता जा रहा है जो कभी संयुक्त परिवारों की पहचान हुआ करता था। लंबे समय तक भारतीय समाज में पुरुष को परिवार का आर्थिक आधार माना गया। उसकी कमाई पर पत्नी, बच्चों और माता-पिता का नैतिक अधिकार समझा जाता था। वह अपनी आय को व्यक्तिगत संपत्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार की पूंजी मानकर चलता था। दूसरी ओर, महिलाओं का योगदान घरेलू श्रम, बच्चों के पालन-पोषण और परिवार के संचालन में अधिक दिखाई देता था। आधुनिक समय में परिस्थितियाँ बदली हैं। महिलाएँ भी पुरुषों के समान मेहनत करके आर्थिक योगदान दे रही हैं। ऐसे में स्वाभाविक अपेक्षा यह थी कि आर्थिक जिम्मेदारियाँ भी समान रूप से साझा होंगी। किंतु व्यवहार में कई बार तस्वीर इतनी सरल नहीं होती। आज अनेक परिवारों में यह अनुभव सुनने को मिलता है कि पति की आय को अभी भी घर की मुख्य आय माना जाता है, जबकि पत्नी की आय को व्यक्तिगत बचत, व्यक्तिगत निवेश या व्यक्तिगत स्वतंत्रता का माध्यम समझा जाता है। यह स्थिति हर परिवार में नहीं है, पर जहाँ है, वहाँ असंतोष का कारण बनती है। यदि घर का हर बड़ा खर्च पति वहन करे, लेकिन पत्नी की आय को पारिवारिक उत्तरदायित्व से अलग रखा जाए, तो बराबरी का सिद्धांत अधूरा रह जाता है। इसी प्रकार यदि पति यह अपेक्षा करे कि पत्नी नौकरी भी करे, घर भी संभाले और आर्थिक निर्णयों में उसकी स्वतंत्रता भी न हो, तो यह भी अन्यायपूर्ण है। समस्या किसी एक पक्ष की नहीं, बल्कि दोहरे मापदंडों की है। बराबरी का अर्थ केवल समान अधिकार नहीं होता। उसका अर्थ समान उत्तरदायित्व भी होता है। यदि दोनों कमाते हैं तो परिवार की आवश्यकताओं, भविष्य की योजनाओं, बच्चों की शिक्षा, बुजुर्गों की देखभाल और आकस्मिक परिस्थितियों की

जिम्मेदारी भी दोनों की होनी चाहिए। आर्थिक साझेदारी का अर्थ केवल आय जोड़ना नहीं, बल्कि विश्वास जोड़ना भी है। समस्या का दूसरा पहलू मनोवैज्ञानिक है। धन केवल सुविधाएँ नहीं देता, वह आत्मविश्वास भी देता है। लेकिन यही आत्मविश्वास यदि अहंकार में बदल जाए तो रिश्तों में दूरी आने लगती है। कभी-कभी देखा जाता है कि जिसकी आय अधिक होती है, वही निर्णयों पर अपना अधिकार अधिक मानने लगता है। यह प्रवृत्ति पुरुषों में भी दिखाई देती रही है और आज कुछ महिलाओं में भी देखने को मिलती है। इसलिए यह कहना उचित नहीं होगा कि आर्थिक अहंकार केवल किसी एक लिंग की समस्या है। धन का अहंकार व्यक्ति को बदलता है, उसका लिंग नहीं। आज सोशल मीडिया और सार्वजनिक विमर्श में स्त्री-पुरुष संबंधों को अक्सर संघर्ष के रूप में प्रस्तुत किया जाता है। एक पक्ष अपने अधिकारों की बात करता है तो दूसरा अपने साथ हुए अन्याय की। इस खींचतान में परिवार, संवाद और साझेदारी पीछे छूट जाते हैं। किसी भी विचारधारा का उद्देश्य यदि संतुलन स्थापित करना है तो उसका स्वागत होना चाहिए, लेकिन यदि किसी भी विचार की व्याख्या अधिकारों तक सीमित होकर कर्तव्यों को गौण कर दे, तो समाज में असंतुलन पैदा होना स्वाभाविक है। यह भी सच है कि आज लाखों महिलाएँ अपनी पूरी आय परिवार पर खर्च करती हैं। वे नौकरी के साथ-साथ घर, बच्चों और बुजुर्गों की जिम्मेदारियाँ भी निभाती हैं। अनेक परिवार ऐसे भी हैं जहाँ पति-पत्नी बिना किसी हिसाब-किताब के अपनी कमाई को साझा करते हैं और निर्णय भी मिलकर लेते हैं। इसलिए किसी एक वर्ग को दोषी ठहराना न तो उचित है और न ही तथ्यपरक। सामाजिक विश्लेषण का उद्देश्य आरोप लगाना नहीं, बल्कि प्रवृत्तियों को समझना और समाधान तलाशना होना चाहिए। समस्या तब गंभीर हो जाती है जब पति-पत्नी के बीच आर्थिक पारदर्शिता समाप्त हो जाती है। आय, बचत, निवेश और खर्च यदि अलग-अलग दुनिया बन जाएँ, तो रिश्तों में संदेह जन्म लेने लगता है। आर्थिक गोपनीयता कभी-कभी भावनात्मक दूरी में बदल जाती है। विवाह साझेदारी का संबंध है, व्यापारिक अनुबंध नहीं। इसमें विश्वास सबसे बड़ी पूंजी होता है। आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि सुविधाएँ बढ़ी हैं, लेकिन संतोष घटा है। आय बढ़ी है, लेकिन संवाद कम हुआ है। स्वतंत्रता बढ़ी है, लेकिन साझेदारी कमजोर हुई है। पहले परिवार सीमित संसाधनों में भी साथ रहते थे क्योंकि निर्णय सामूहिक होते थे। आज संसाधन अधिक हैं, लेकिन कई बार 'मेरा' और 'तेरा' की मानसिकता रिश्तों को बाँट देती है। यहाँ एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है। क्या घरेलू श्रम का मूल्य आर्थिक आय से कम है? यदि पत्नी घर संभालती है और पति बाहर कमाता है, तो क्या केवल कमाने वाला ही परिवार चला रहा है? बिल्कुल नहीं। उसी प्रकार यदि पत्नी भी नौकरी करती है, तो क्या घर की सारी जिम्मेदारी उसी पर छोड़ देना उचित है? इसका उत्तर भी नहीं है। परिवार तभी संतुलित रहेगा जब आर्थिक और घरेलू दोनों प्रकार के श्रम का समान सम्मान होगा। बच्चों पर भी इस बदलते वातावरण का प्रभाव पड़ रहा है। वे अपने माता-पिता को यदि आर्थिक प्रतिस्पर्धा में उलझा हुआ देखते हैं, तो उनके मन में भी रिश्तों की परिभाषा बदलने लगती है। वे सहयोग से अधिक अधिकारों की भाषा सीखते हैं। आने वाली पीढ़ियों के लिए यह चिंता का विषय है। परिवार केवल वर्तमान नहीं बनाता, भविष्य भी गढ़ता है। समाधान क्या है? समाधान किसी एक पक्ष को दोषी ठहराने में नहीं, बल्कि पारिवारिक संवाद को मजबूत बनाने में है। विवाह के बाद पति-पत्नी को आर्थिक अपेक्षाओं, बचत, निवेश, पारिवारिक खर्च और व्यक्तिगत आवश्यकताओं पर खुलकर चर्चा करनी चाहिए। यह तय होना चाहिए कि दोनों अपनी-अपनी क्षमता के अनुसार परिवार में योगदान देंगे। किसी की आय कम या अधिक होना सम्मान का पैमाना नहीं बनना चाहिए। आर्थिक स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ स्वच्छंदता नहीं, बल्कि उत्तरदायित्वपूर्ण स्वतंत्रता है। स्वतंत्र व्यक्ति वही है जो अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी स्वीकार करता है। यदि कमाई केवल व्यक्तिगत सुविधा का साधन बन जाए और परिवार की सामूहिक आवश्यकताएँ पीछे छूट जाएँ, तो आर्थिक समृद्धि भी रिश्तों को नहीं बचा सकती। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम समानता की नई परिभाषा गढ़ें। ऐसी समानता जिसमें पुरुष अपनी पारंपरिक श्रेष्ठता छोड़कर साझेदारी स्वीकार करे और महिला अपनी आर्थिक स्वतंत्रता के साथ पारिवारिक उत्तरदायित्व को भी समान सम्मान दे। दोनों एक-दूसरे को प्रतिस्पर्धी नहीं, सहयोगी समझें। विवाह किसी की जीत या हार का मंच नहीं, बल्कि जीवन की साझी यात्रा है। अंततः याद रखना होगा कि धन जीवन को सुविधाजनक बना सकता है, लेकिन सुखी नहीं बना सकता। बैंक बैलेंस सुरक्षा दे सकता है, लेकिन अपनापन नहीं। महँगे घर बनाए जा सकते हैं, पर परिवार नहीं खरीदे जा सकते। रिश्तों की सबसे बड़ी मुद्रा आज भी विश्वास, संवेदनशीलता, त्याग और परस्पर सम्मान ही है।

देश दुनिया से

शिक्षा की राह में विषय चयन का संकट

शिक्षा किसी भी सभ्य समाज की आत्मा होती है। किसी राष्ट्र की आर्थिक प्रगति, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक समृद्धि और लोकतांत्रिक सुदृढ़ता का आधार उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। जिस समाज की शिक्षा व्यवस्था जितनी संतुलित, समावेशी और उद्देश्यपूर्ण होती है, वह समाज उतना ही प्रगतिशील, जागरूक और आत्मनिर्भर बनता है। शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य ऐसे नागरिकों का निर्माण करना है जो ज्ञानवान होने के साथ-साथ संवेदनशील, उत्तरदायी, नैतिक और विवेकशील भी हों। वर्तमान में हिमाचल प्रदेश जब नई शिक्षा नीति, कौशल विकास, रोजगारपरक शिक्षा और वैश्विक प्रतिस्पर्धा की चर्चा केंद्र में है, तब शिक्षा व्यवस्था के समक्ष एक ऐसा मौन संकट भी तेजी से उभर रहा है, जिस पर अपेक्षित गंभीरता से विमर्श नहीं हो पा रहा है। यह संकट छात्रों में विषयों के चयन में बढ़ता असंतुलन है। किसी भी शिक्षा प्रणाली की सफलता केवल विद्यार्थियों के प्रवेश प्रतिशत, परीक्षा परिणामों या रोजगार के आंकड़ों से नहीं आंकी जा सकती, बल्कि इस बात से भी निर्धारित होती है कि वह ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के बीच कितना संतुलन स्थापित कर पा रही है। यदि अधिकांश विद्यार्थी कुछ सीमित विषयों तक ही सिमट जाएं और अन्य विषय लगातार उपेक्षित होते चले जाएं, तो इसका प्रभाव केवल शिक्षा संस्थानों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि भविष्य के ज्ञान-विज्ञान, शोध, नीति-निर्माण और मानव संसाधन की गुणवत्ता पर भी पड़ता है। प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था के समक्ष आज जो सबसे बड़ी चुनौतियां हैं, उनमें से एक विषयों के चयन में बढ़ती असमानता भी है। हिमाचल प्रदेश में विद्यालय स्तर से लेकर महाविद्यालयों तक यह प्रवृत्ति स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। ग्यारहवीं कक्षा से ही विद्यार्थी कुछ चुनिंदा विषयों की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं। कला संकाय में इतिहास और राजनीति विज्ञान जैसे विषयों में अपेक्षाकृत अधिक प्रवेश हो रहे हैं, जबकि अर्थशास्त्र, भूगोल, दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, संस्कृत, गणित तथा अन्य अनेक विषयों में विद्यार्थियों की संख्या लगातार घटती जा रही है।

महाविद्यालय स्तर तक पहुंचते-पहुंचते यह असंतुलन और अधिक स्पष्ट हो जाता है। परिणामस्वरूप अनेक महाविद्यालयों में कुछ विषय केवल औपचारिक रूप से संचालित हो रहे हैं, जबकि कई स्थानों पर विद्यार्थियों की संख्या इतनी कम रह जाती है कि उन विषयों के अस्तित्व पर ही प्रश्नचिह्न खड़ा होने लगता है। वर्तमान परिदृश्य में विद्यालयों और महाविद्यालयों में कुल प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों का लगभग 60 से 70 प्रतिशत भाग इतिहास और राजनीति विज्ञान जैसे विषयों में केंद्रित है, जबकि शेष सभी विषयों को मिलाकर केवल 30 से 40 प्रतिशत विद्यार्थी ही प्राप्त होते हैं। इसका प्रत्यक्ष प्रभाव शिक्षक-विद्यार्थी अनुपात पर भी पड़ रहा है। कहीं दो अध्यापक लगभग 200 विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए विवश हैं, तो कहीं दो अध्यापकों के पास मात्र 10-15 विद्यार्थी हैं। यह स्थिति न तो शैक्षणिक दृष्टि से तर्कसंगत है और न ही मानव संसाधनों के प्रभावी उपयोग की दृष्टि से उचित कही जा सकती है। यहां यह स्पष्ट करना अतिआवश्यक है कि किसी भी विषय को बड़ा या छोटा सिद्ध करना इस चर्चा का उद्देश्य नहीं है। प्रत्येक विषय समाज, राष्ट्र और ज्ञान-विज्ञान की समृद्धि में अपना विशिष्ट योगदान देता है। इतिहास हमें अपनी जड़ों और अतीत से जोड़ता है, राजनीति विज्ञान लोकतांत्रिक मूल्यों एवं नागरिक चेतना का विकास करता है, अर्थशास्त्र संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और आर्थिक नीतियों की समझ प्रदान करता है, भूगोल पर्यावरण, जलवायु तथा प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण का मार्ग प्रशस्त करता है, जबकि साहित्य मनुष्य को संवेदनशील, मानवीय और संस्कारित बनाता है। इसी प्रकार दर्शनशास्त्र जीवन, नैतिकता और मानवीय मूल्यों पर गहन चिंतन की दृष्टि प्रदान करता है तथा मनोविज्ञान व्यक्ति के व्यवहार, व्यक्तित्व और मानसिक स्वास्थ्य को समझने का वैज्ञानिक आधार उपलब्ध कराता है। यदि किसी एक विषय में अत्यधिक भीड़ और अन्य विषयों में निरंतर गिरावट का यह क्रम जारी रहा, तो भविष्य में अनेक महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में योग्य विशेषज्ञों का अभाव उत्पन्न होना स्वाभाविक है। शिक्षा व्यवस्था का उद्देश्य केवल विद्यार्थियों की तत्कालीन पसंद के अनुसार विषय उपलब्ध कराना नहीं होना चाहिए, बल्कि उन्हें प्रत्येक विषय की उपयोगिता, रोजगार की संभावनाओं, शोध के अवसरों तथा समाज में उसके योगदान से भी समुचित रूप से परिचित कराना होना चाहिए। विषय चयन विद्यार्थियों की रुचि और क्षमता के अनुरूप अवश्य हो, किंतु वह पर्याप्त जानकारी और उचित परामर्श पर आधारित भी होना चाहिए। हाल ही में हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा कुछ महाविद्यालयों में दर्शनशास्त्र एवं मनोविज्ञान जैसे विषय प्रारंभ करना एक स्वागतयोग्य पहल है। किंतु यदि विद्यालय स्तर पर इन विषयों की उपलब्धता नहीं बढ़ाई जाएगी, तो महाविद्यालयों में भी इन विषयों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सकेगी। वर्तमान में ये विषय केवल चुनिंदा विद्यालयों तक सीमित हैं, जिसके कारण अधिकांश विद्यार्थी प्रारंभिक स्तर पर ही इनसे परिचित नहीं हो पाते। परिणामस्वरूप महाविद्यालयों में इन विषयों की कक्षाएं न्यूनतम विद्यार्थी संख्या के साथ संचालित होती हैं।

आप का नज़रिया

शिक्षा की मेरिट नवरचना

कहां तो सीबीएसई स्कूलों के बहाने शिक्षा और शिक्षण की नई परंपराओं की नींव रखी गई और कहां अब रसूख और सुलूक प्रभावशाली रहे। करीब डेढ़ सौ सीबीएसई स्कूलों को जिस शक्ति, बदलाव, ऊर्जा और प्रतिबद्धता की जरूरत है, उसके लिए अध्यापकों की परीक्षा हुई और मेरिट ने शिक्षा की नवरचना को नए संकेत दिए, लेकिन परंपरा बनने से पहले टूटी और हाल यह कि सीबीएसई स्कूलों में भी वही पुराना ढर्रा लौटने लगा है। यानी कैबिनेट सब-कमेटी ने भी शिक्षक नियुक्तियों की मेरिट के साथ पुराने शिक्षकों को रुकने का आसरा दे दिया। टीचरों की चयन परीक्षा का उद्देश्य यही रहा कि जब नए सिरे से डेढ़ सौ सीबीएसई स्कूल अपनी गाथा लिखें तो चारों तरफ सबेरा हो, लेकिन सरकार इस फैसले की ढाल न बन कर शिक्षक वर्ग को सुविधा देने का रास्ता खोज रही है। शिक्षक संघों के लिए स्कूलों में वर्षों से जारी नियुक्ति पत्र पर, मेरिट का नया आधार नामंजूर दिखाई दिया। हिमाचल में ट्रांसफर कोई नीति या नियम नहीं, बस एक चबूतरा है, जहां तालमेल से बरकरार रहना होता है। जाहिर है सीबीएसई स्कूलों की तादाद में हिमाचल की बेहतर जगह, बेहतर स्कूल और बेहतर ढांचा दिखाई दिया, तो शिक्षक चयन प्रक्रिया के मार्फत स्थानीय राजनीति ने अपने शब्दकोष खोल दिए। जनप्रतिनिधियों को अगर शिक्षा में गुणवत्ता तराशने की आदत होती, तो शायद ही सरकारी स्कूल असफल या अप्रासंगिक होते, लेकिन यहां तो हर कदम पर सियासत को जिंदा रहना है। इसलिए जो शिक्षक नहीं चाहते, वह राजनेता क्यों चाहेंगे। खैर अब मेरिट के कालीन को रौंदने के लिए रास्ता खोल दिया है। ऐसे में सीबीएसई की शर्तों में शिक्षक की आपूर्ति किस करवट बैठती है, यह देखना होगा। वैसे भी शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा यानी टेट की शर्त लगी है, तो शिक्षक समुदाय के लिए इस टेस्ट को पास करना मुसीबत बना है। पूरे प्रदेश में दस हजार के करीब शिक्षक टेट उत्तीर्ण नहीं कर पाए हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार 31 अगस्त 2028 तक पात्रता परीक्षा पास ही करनी होगी। जाहिर है शिक्षक वर्ग के लिए खुद को साबित करने की चुनौती है, तो शिक्षा को पुराने ढर्रे से अलग रहने की अपेक्षा की जा रही है। हिमाचल में शिक्षा की बुनियादी जरूरत से अलग अब इसे जीवन के फलक पर सफल बनाने की कसौटी तय हो रही है। सीबीएसई स्कूलों की अवधारणा से सरकारी ढांचे की विश्वसनीयता फिर से बढ़ी है और इसी के परिणाम स्वरूप अभिभावकों ने सरकारी स्कूलों को फिर से तवज्जो दी, लेकिन शिक्षक चयन पद्धति में कुछ ऐसे सुराख उभर आए हैं कि कहीं मामला गड्डमड्ड न हो जाए। सीबीएसई एक निश्चित परिपाटी और प्रदेश की वर्तमान पद्धति से अलग सिर्फ पठन-पाठन और इम्तिहान नहीं, बल्कि ज्ञान की अभिलाषा में सफल होने की प्रतिस्पर्धा है। यही प्रतिस्पर्धा छात्रों के साथ-साथ अध्यापक वर्ग की परीक्षा भी है, लेकिन ताजपोशियों के लिए वही सरल व सहज रास्ते खोजे जा रहे हैं, जिनके कारण सरकारी स्कूलों से कहीं आगे निजी स्कूल निकल गए। हिमाचल में एक-दो नहीं, बल्कि सीधे डेढ़ सौ स्कूलों को सीबीएसई पाठ्यक्रम के तहत पारंगत करने का उदाहरण पेश करना है, तो दोनों टांगों पर अध्ययन कक्ष को सशक्त करना होगा।

करीब डेढ़ सौ सीबीएसई स्कूलों को जिस शक्ति, बदलाव, ऊर्जा और प्रतिबद्धता की जरूरत है, उसके लिए अध्यापकों की परीक्षा हुई और मेरिट ने शिक्षा की नवरचना को नए संकेत दिए, लेकिन परंपरा बनने से पहले टूटी और हाल यह कि सीबीएसई स्कूलों में भी वही पुराना ढर्रा लौटने लगा है। यानी कैबिनेट सब-कमेटी ने भी शिक्षक नियुक्तियों की मेरिट के साथ पुराने शिक्षकों को रुकने का आसरा दे दिया। टीचरों की चयन परीक्षा का उद्देश्य यही रहा कि जब नए सिरे से डेढ़ सौ सीबीएसई स्कूल अपनी गाथा लिखें तो चारों तरफ सबेरा हो, लेकिन सरकार इस फैसले की ढाल न बन कर शिक्षक वर्ग को सुविधा देने का रास्ता खोज रही है। शिक्षक संघों के लिए स्कूलों में वर्षों से जारी नियुक्ति पत्र पर, मेरिट का नया आधार नामंजूर दिखाई दिया। हिमाचल में ट्रांसफर कोई नीति या नियम नहीं, बस एक चबूतरा है, जहां तालमेल से बरकरार रहना होता है। जाहिर है सीबीएसई स्कूलों की तादाद में हिमाचल की बेहतर जगह, बेहतर स्कूल और बेहतर ढांचा दिखाई दिया, तो शिक्षक चयन प्रक्रिया के मार्फत स्थानीय राजनीति ने अपने शब्दकोष खोल दिए। जनप्रतिनिधियों को अगर शिक्षा में गुणवत्ता तराशने की आदत होती, तो शायद ही सरकारी स्कूल असफल या अप्रासंगिक होते, लेकिन यहां तो हर कदम पर सियासत को जिंदा रहना है। इसलिए जो शिक्षक नहीं चाहते, वह राजनेता क्यों चाहेंगे। खैर अब मेरिट के कालीन को रौंदने के लिए रास्ता खोल दिया है। ऐसे में सीबीएसई की शर्तों में शिक्षक की आपूर्ति किस करवट बैठती है, यह देखना होगा।

दृष्टि कोण

विकास के साथ परमाणु रक्षा मजबूती जरूरी

इस समय जिस तरह पाकिस्तान के द्वारा सिंधु जल संधि के निलंबन के बाद पाकिस्तान के हिस्से का भारत के द्वारा पानी रोकने के परिप्रेक्ष्य में युद्ध और परमाणु हमले की धमकियां दी जा रही हैं तथा पाकिस्तान को चीन और तुर्किये से आधुनिक सैन्य हथियारों की आपूर्ति की जा रही है, उसके मद्देनजर भारत के लिए तेज विकास के साथ परमाणु हथियार मोर्चे सहित बहुआयामी रक्षा मजबूती जरूरी दिखाई दे रही है। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित तीन नौसैनिक जहाजों को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कहा कि देश में शांति और विकास के लिए रक्षा मजबूती आवश्यक है। इस परिप्रेक्ष्य में यह उभरकर दिखाई दे रहा है कि भारत तेज आर्थिक विकास के साथ परमाणु हथियार मोर्चे पर भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। वैश्विक भू राजनीतिक चुनौतियों और सीमा पार पड़ोसियों से मिल रही रक्षा चुनौतियों के बीच भारत की मजबूत परमाणु निवारक क्षमता से दुनिया में भारत के प्रति आर्थिक विश्वास बढ़ रहा है, भारत में निवेश बढ़ रहे हैं, भारत के व्यापार समझौते बढ़ रहे हैं और भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। ऐसे में अब भारत को विकसित राष्ट्र और दुनिया की महाशक्ति बनाने के मद्देनजर और तेजी से आर्थिक विकास के साथ परमाणु हथियार मोर्चे पर आगे बढ़ना जरूरी है। इस परिप्रेक्ष्य में दो हालिया रिपोर्टें उल्लेखनीय हैं। विश्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बीच वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर 6.6 प्रतिशत होगी और उभरते हुए देशों में भारतीय अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। दूसरी ओर दुनिया में हथियारों पर नजर रखने वाली ग्लोबल संस्था स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिप्री) की परमाणु हथियारों पर नजर रखने वाली रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत परमाणु हथियार मोर्चे पर दुनिया में अभूतपूर्व तेजी के साथ आगे बढ़ रहा है। उल्लेखनीय है कि सिप्री ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि रक्षा बजट के मामले में भारत दुनिया में पांचवें क्रम पर है। जनवरी 2026 तक

भारत के पास कुल 190 परमाणु वॉरहेड (पाकिस्तान-170) हो गए हैं। भारत के पास एक साल पहले इनकी संख्या 180 थी। इनमें से 12 परमाणु बमों को उनके डिलीवरी सिस्टम जैसे मिसाइल, पनडुब्बी और लड़ाकू विमानों के साथ जोड़ दिया गया है। साथ ही उन्हें ऑपरेशनल फोर्स वाले बेस पर तैनात किया गया है। स्पष्ट है कि परमाणु हथियारों को अलग स्टोरेज फैसिलिटी में रखने की भारत की दशकों पुरानी नीति अब बदल गई है। लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि शांति के समय भारत अपने परमाणु वॉरहेड को तैनात लॉन्चर से अलग रखता है। मिसाइलों को लगातार कैनिस्टर में रखने और समुद्र में डेटरेंस पैट्रोलिंग (सुरक्षा के लिए गश्त) करने जैसे हालिया कदमों से संकेत मिलता है कि भारत शांति के समय में भी अपने कुछ वॉरहेड को लॉन्चर के साथ जोडऩे की दिशा में तेजी से आगे बढ़ा है। यह कोई छोटी बात नहीं है कि भारतीय युद्धपोत, पनडुब्बी और दूसरे हथियारों में परमाणु हथियार हमेशा तैनात रहते हैं। वस्तुतः चीन और पाकिस्तान के खतरे को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रक्षा तैयारी रणनीति के तहत यह एक असाधारण बदलाव है। वैश्विक अर्थव्यवस्था और वैश्विक रक्षा व्यय से संबंधित ताजा रिपोर्टों के मुताबिक दुनिया में भारत रणनीतिक रूप से आर्थिक मजबूती के साथ रक्षा मजबूती के लिए रक्षा व्यय बढ़ाने वाले प्रमुख देश के रूप मे उभर कर दिखाई दे रहा है। निश्चित रूप से एक ऐसे समय में जब भारत की सीमाएं बढ़ती भूराजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर पहले से अधिक असुरक्षित और संवेदनशील हो गई हैं।

फीफा विश्व कप 2026 : इंग्लैंड ने 10 खिलाड़ियों के साथ मेक्सिको को 3-2 से हराया, क्वार्टरफाइनल में पहुंचा , बेलिंगहैम ने किये दो गोल

मेक्सिको सिटी

जूड बेलिंगहैम के शानदार दो गोल और हैरी केन की पेनल्टी की बदौलत 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रहे इंग्लैंड ने सोमवार की सुबह (भारतीय समयानुसार) मेजबान मेक्सिको को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। एस्टादियो एज़्टेका में खेले गए इस मुकाबले में इंग्लैंड ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद शानदार जुझारूपन दिखाया।

अब इंग्लैंड का सामना क्वार्टर फाइनल में नार्वे से होगा, जिसकी अगुआई स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड कर रहे हैं।

पहले हाफ में जूड बेलिंगहैम ने महज 98 सेकेंड के भीतर दो गोल दागकर इंग्लैंड को 2-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। पहला गोल उन्होंने बुकायो साका के शानदार क्रास पर हेडर से किया, जबकि दूसरा गोल हैरी केन के पास पर जोरदार शाट लगाकर किया। इन दो गोलों ने मेक्सिको को एज़्टेका स्टेडियम में 90 मुकाबलों में मिली सिर्फ तीसरी हार की ओर धकेल दिया। मेक्सिको ने जूलियन क्विनोनेस के गोल से वापसी की कोशिश की और पहला हाफ 2-1 पर समाप्त हुआ। दूसरे हाफ के 54वें मिनट में इंग्लैंड को बड़ा झटका लगा, जब जारेल क्वानसा को वीएआर समीक्षा के बाद जीसस गालार्डो पर खतरनाक टैकल के लिए सीधा रेड कार्ड दिखा दिया गया।

हालांकि, 10 खिलाड़ियों के साथ खेलने के बावजूद इंग्लैंड ने छह मिनट बाद अपनी बढ़त बढ़ा ली। एंथनी गार्डन को मेक्सिको के गोलकीपर राउल रेंजल ने पेनल्टी बाक्स में गिरा दिया, जिसके बाद हैरी केन ने पेनल्टी को गोल में बदलकर स्कोर 3-1 कर दिया।

यह केन का टूर्नामेंट में छठा गोल था और वह गोल्डन बूट की दौड़ में एरलिंग हालैंड, लियोनेल मेसी और किलियन एम्बाप्पे से सिर्फ एक गोल पीछे हैं।

मेक्सिको ने अंत तक दी टक्कर - इसके बाद मेक्सिको को भी पेनल्टी मिली, जिसे राउल जिमेनेज़ ने गोल में बदलकर अंतर 3-2 कर दिया। अंतिम 20 मिनट और फिर 11 मिनट के अतिरिक्त समय में मेक्सिको ने लगातार दबाव बनाया, लेकिन इंग्लैंड की रक्षा पंक्ति और गोलकीपर जार्डन पिकफोर्ड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए बढ़त बचाए रखी।

तूफान के कारण एक घंटे देर से शुरू हुआ मैच - मेक्सिको सिटी में तेज बारिश और आंधी के कारण मैच निर्धारित समय से एक घंटे देरी से शुरू हुआ। इसके बावजूद 80 हजार से अधिक दर्शकों से खचाखच भरे एज़्टेका स्टेडियम में जबरदस्त माहौल देखने को मिला। इंग्लैंड के मुख्य कोच थामस टुखेल ने इस मुकाबले में तीन बदलाव किए थे। टीम को शुरुआत में ऊंचाई (2,240 मीटर) और मेक्सिको के आक्रामक खेल से तालमेल बैठाने में चुनौती मिली, लेकिन खिलाड़ियों ने दबाव को बखूबी संभाला।

न्यूज़ ब्रीफ

विंबलडनः ओसाका ने आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

लंदन। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ने रविवार को विंबलडन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए महिला एकल की विश्व नंबर एक और शीर्ष वरीय आर्यना सबालेंका को सीधे सेटों में 6-2, 7-6 (7-2) से हराकर पहली बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस बहुचर्चित मुकाबले में दोनों खिलाड़ियों के नाम कुल आठ ग्रैंड स्लैम खिताब होने के कारण मुकाबले से काफी रोमांच की उम्मीद थी। हालांकि 14वीं वरीय ओसाका ने शुरुआत से ही दबदबा बनाए रखा और सबालेंका को वापसी का मौका नहीं दिया। पहले सेट में सबालेंका का दमदार खेल पूरी तरह बिखरा नजर आया। उनके लगातार गलत शाट्स के कारण वह महज 32 मिनट में पहला सेट 2-6 से हार गईं। इस दौरान वह कई बार निराशा में कोर्ट पर चीखती हुई भी दिखाई दीं। दूसरे सेट में मुकाबला अपेक्षाकृत कड़ा रहा और दर्शकों को रोमांचक टक्कर देखने को मिली। हालांकि टाईब्रेक में ओसाका ने शानदार संयम दिखाया और 7-2 से जीत दर्ज करते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। यह जीत ओसाका के लिए विशेष महत्व रखती है।

टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक बार शून्य पर आउट हुए पांच क्रिकेटरों में भारत के ईशांत भी शमिल

मुम्बई। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले 5 खिलाड़ियों में एक भारतीय ईशांत शर्मा भी शामिल है। टेस्ट में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने का अनचाहा रिकार्ड वेस्टइंडीज के कर्टनी वाल्श के नाम है। इसके अलावा इस सूची में इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्राड, न्यूजीलैंड के क्रिस मार्टिन और आस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्ग्रा के नाम भी शामिल हैं। कर्टनी वाल्श : महान तेज गेंदबाज वाल्श ने अपनी घातक गेंदबाजी से दुनिया भर के बल्लेबाजों में डर पैदा किया पर अपनी बल्लेबाजी में उनके नाम एक ऐसा अनचाहा रिकार्ड दर्ज है जिसे वह भूलना चाहेंगे। साल 1984 से 2001 तक चले अपने करियर में वाल्श रिकार्ड 43 बार शून्य पर आउट हुए। 132 टेस्ट मैचों की 185 पारियों में उन्होंने कुल 936 रन बनाए, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर नाबाद 30 रन रहा और बल्लेबाजी औसत 7.54 का रहा। स्टुअर्ट ब्राड : इस सूची में इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्राड का रिकार्ड दूसरा नंबर है। अपने करियर में एक शतक 169 रन और 13 अर्धशतक सहित 3662 रन बनाने वाले ब्राड साल 2007 से 2023 तक चले लंबे करियर की 244 पारियों में 39 बार शून्य पर आउट हुए। क्रिस मार्टिन : न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज क्रिस मार्टिन की बात करें तो, उन्हें अक्सर उनकी घातक गेंदों से ज्यादा उनकी बेहद कमजोर बल्लेबाजी के लिए याद किया जाता है।

आस्ट्रेलिया ने रिकार्ड सातवीं बार जीता महिला टी20 विश्व कप का खिताब, फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया

लंदन। आस्ट्रेलिया ने महिला टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में इंग्लैंड को सात विकेट से हराकर

रिकार्ड सातवीं बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। लार्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए खिताबी मुकाबले में आस्ट्रेलिया ने 151 रन का लक्ष्य 18वें ओवर में ही तीन विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह आस्ट्रेलिया का सातवां महिला टी20 विश्व कप खिताब है। अब तक कोई अन्य टीम एक से अधिक बार यह ट्राफी नहीं जीत सकी है। वहीं, इंग्लैंड को चौथी बार महिला टी20 विश्व कप फाइनल में हार का सामना करना पड़ा और हर बार उसे आस्ट्रेलिया ने ही मात दी। टास हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही। टीम ने 32 रन तक अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों एमी जोन्स (6) और डैनी व्याट (8) के विकेट गंवा दिए। इसके बाद कप्तान नैट सीवर-ब्रंट और एलिस कैप्सी ने तीसरे विकेट के लिए 35 रन जोड़कर पारी को संभालने का प्रयास किया। कैप्सी 23 रन बनाकर आउट हुईं, जबकि हीदर नाइट केवल दो रन ही बना सकीं। 70 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद कप्तान नैट सीवर-ब्रंट और फ्रेया केम्प ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए पांचवें विकेट के लिए नाबाद 80 रन की साझेदारी की।

विंबलडन : मुचोवा ने पूर्व चैंपियन क्रेजिकोवा को हराकर क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

लंदन

चेक गणराज्य की स्टार टेनिस खिलाड़ी कैरोलीना मुचोवा ने विंबलडन 2026 के महिला एकल वर्ग के चौथे दौर में पूर्व चैंपियन और हमवतन बारबोरा क्रेजिकोवा को 7-5, 5-7, 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। इस हार के साथ ही यह तय हो गया कि इस वर्ष विंबलडन महिला एकल को नया चैंपियन मिलेगा।

मुचोवा ने अपने करियर में तीसरी बार विंबलडन के अंतिम आठ में जगह बनाई है। दो घंटे 45 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में उन्होंने शानदार संयम और आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। बैड होम्बर्ग ओपन का खिताब जीतने के बाद यह उनकी लगातार आठवीं जीत भी रही।

अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना विश्व नंबर एक आर्यना सबालेंका और चार बार की ग्रैंड स्लैम विजेता नाओमी ओसाका के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से होगा। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। कई ब्रेक प्वाइंट बचाने के बाद मुचोवा ने 12वें गेम में ब्रेक हासिल किया और 7-5 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में मुचोवा ने 5-2 की बढ़त बना ली थी और जीत के करीब पहुंच गई थीं, लेकिन 2024 की विंबलडन चैंपियन क्रेजिकोवा ने शानदार वापसी करते हुए लगातार पांच गेम जीते और 7-5 से सेट जीतकर मुकाबले को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। तीसरे और अंतिम सेट में मुचोवा ने शुरुआत से ही दबदबा बनाया। 1-1 की बराबरी के बाद उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर 4-1 की बढ़त बना ली। इस दौरान क्रेजिकोवा शारीरिक रूप से संघर्ष करती नजर आईं। मुचोवा ने बिना दबाव में आए मैच समाप्त किया और अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। मैच के आंकड़ों में भी मुचोवा का दबदबा साफ दिखा। उन्होंने 50 विनर्स लगाए और केवल 29 अनफोर्स्ड एरर किए, जबकि क्रेजिकोवा ने 24 विनर्स लगाए लेकिन 32 अनफोर्स्ड एरर कर बैठीं। नेट पर भी मुचोवा ने 31 में से 23 अंक (74 प्रतिशत सफलता) अपने नाम किए।

दोनों खिलाड़ियों के बीच डब्ल्यूटीए टूर पर यह पहली भिड़ंत थी। आईटीएफ मुकाबलों को मिलाकर अब दोनों का आपसी रिकार्ड 2-2 की बराबरी पर आ गया है।

तीन तेज गेंदबाजों के साथ उतरे भारतीय टीम : दीप दास गुप्ता

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर दीप दासगुप्ता का कहना है कि भारतीय टीम को अपने गेंदबाजी संयोजन पर फिर से विचार करना चाहिये। दीप दास ने ये बात इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में भारतीय टीम की हार के बाद कही। उनका कहना है कि भारतीय गेंदबाज लक्ष्य का बचाव नहीं कर पा रहे हैं। इस पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि टीम प्रबंधन को सीरीज के बचे हुए मैचों के लिए एक और तेज गेंदबाज को शामिल करना चाहिये। अभी भारतीय टीम दो तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर के साथ उतर रही है जबकि उसे तीन तेज गेदबाजों और एक ऑलरांडर के साथ उतरना चाहिये। दासगुप्ता ने कहा कि एक तेज गेंदबाज को शामिल करना इसलिए जरुरी है जिससे कि अगर मुख्य तेज गेंदबाजों में से कोई एक असफल रहता है तो दूसरा कमान संभाल सकता है। अभी के हालात ऐसे हैं कि गेंदबाजी कमजोर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि जब टीम दो विशेषज्ञ तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर शिवम दुबे पर ही निर्भर रहती है तो उन पर दबाव बढ़ जाता है। दासगुप्ता ने कहा, भारतीय टीम के लिए चिंता का सबसे बड़ा कारण उनका गेंदबाजी संयोजन है। साथ ही कहा कि जब आप केवल दो तेज गेंदबाजों और एक ऑलराउंडर के साथ उतरते हैं तो अगर उनमें से एक भी असफल होता है तो आपके विकल्प समाप्त हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि तेज गेंदबाजी विभाग में वैसा विकल्प न होने से इंग्लैंड टीम के लिए बीच के ओवरों में मैच पर पकड़ बनाना कठिन हो जाता है। उन्होंने कहा, बीच के ओवरों में आपके पास वैसा ही विकल्प नहीं होता है और विरोधी टीम कमजोर कड़ियों को निशाना बना सकती है। मुझे लगता है कि टीम को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। दासगुप्ता के अनुसार भारतीय टीम को एक विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को शामिल करके अपने संयोजन को बदलना चाहिये। उन्होंने कहा, उन्हें दो तेज गेंदबाज और शिवम दुबे के बजाय तीन सीमर के साथ उतरने पर विचार करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने तीन स्पिनरों को शामिल करने की रणनीति परभी सवाल उठाये और कहा कि इंग्लैंड में तेज उछाल भरी पिचें हैं जहां स्पिनरों से अधिक तेज गेंदबाज सफल रहते हैं।

फीफा विश्व कप 2026: ब्राजील के स्टार खिलाड़ी नेमार जूनियर ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

न्यूयॉर्क

ब्राजील के महान फुटबॉलर और राष्ट्रीय टीम के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी नेमार जूनियर ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। उन्होंने यह फैसला फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे के खिलाफ ब्राजील की 1-2 से हार के बाद लिया। मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में नेमार ने इंजरी टाइम के 10वें मिनट में पेनल्टी पर ब्राजील का एकमात्र गोल किया, लेकिन उनकी टीम हार से नहीं बच सकी और विश्व कप से बाहर हो गई।

मैच के बाद भावुक नेमार ने पत्रकारों से कहा, 'मैंने पूरी कोशिश की। मैंने हर संभव प्रयास किया। मेरा सफर इसी मेटलाइफ स्टेडियम से शुरू हुआ था और यहीं खत्म हो रहा है। अब सब कुछ समाप्त हो गया है।'

नेमार ने ब्राजील के लिए अपने करियर में 130 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 80 गोल किए और 59 असिस्ट भी दर्ज किए। वह ब्राजील के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

विश्व कप से पहले उनकी फिटनेस को लेकर लगातार सवाल उठ रहे थे, लेकिन मुख्य कोच कार्लो एंचेलोटी ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें 26 सदस्यीय विश्व कप टीम में शामिल किया था।

नेमार ने ब्राजील के साथ 2013 फीफा कन्फेडरेशन कप का खिताब जीता था। इसके अलावा उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में ब्राजील को पहली बार फुटबॉल का स्वर्ण पदक दिलाने में भी अहम भूमिका निभाई थी।

नेमार के संन्यास के साथ ही ब्राजील फुटबॉल के एक स्वर्णिम अध्याय का अंत हो गया। उनके नाम राष्ट्रीय टीम के लिए सबसे अधिक गोल करने का रिकॉर्ड हमेशा दर्ज रहेगा।

रायुडू ने की वैभव की तारीफ पर बोले, सैमसन का योगदान न भूलें

हैदराबाद। पूर्व क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को अंतिम ग्यारह में शामिल नहीं किये जाने को लेकर टीम प्रबंधन पर निशाना साधा है। रायुडू के अनुसार उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय पदार्पण खुशी की बात है पर इसके उत्साह में हमें संजू सैमसन के भारतीय क्रिकेटर में शानदार योगदान को नहीं भूलना चाहिये। साथ ही उम्मीद जतायी की वह फिर वापसी करेंगे। रायुडू ने सोशल मीडिया में लिखा, सैमसन के बारे में भी थोड़ा सोचें। वैभव का डेब्यू देखकर बेहद खुशी हुई और यह निश्चित रूप से एक जश्न मनाने लायक पल है पर यह मत भूलिए कि कुछ समय पहले ही सैमसन ने टी20 विश्व कप में प्लेयर आफ द टूर्नामेंट का प्रतिष्ठित खिताब अपने नाम किया था। उन्होंने कहा कि सैमसन हाल ही में संपन्न हुए टी20 विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक जीत के सबसे बड़े नायकों में से एक रहे थे। उन्होंने पूरे टूर्नामेंट में न केवल लगातार रन बनाए, बल्कि अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से कई महत्वपूर्ण मैचों में टीम को जीत दिलाई ऐसे में केवल एक दो खराब पारी के कारण उन्हें टीम से बाहर किया जाना सही नहीं है।

फीफा विश्व कप : ब्राजील पर ऐतिहासिक जीत के बाद कोच सोलबक्केन ने कहा-हमारी सबसे बड़ी ताकत टीम भावना

ईस्ट रदरफोर्ड

फीफा विश्व कप 2026 के प्री-क्वार्टर फाइनल में ब्राजील को 2-1 से हराकर पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची नार्वे की टीम के मुख्य कोच स्टाले सोलबक्केन ने खिलाड़ियों की एकजुटता, अनुशासन और टीम भावना की खुलकर प्रशंसा की है।

नार्वे ने स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड के दो गोलों की बदौलत पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील को बाहर का रास्ता दिखाया। मुकाबले के अंतिम क्षणों में नेमार के पेनल्टी गोल के बावजूद नार्वे ने अपनी बढ़त कायम रखी और विश्व कप इतिहास की सबसे बड़ी जीतों में से एक दर्ज की।

मैच के बाद सोलबक्केन ने पत्रकारों से कहा, यह खिलाड़ियों का शानदार समूह है। उन्हें एक-दूसरे के साथ रहना पसंद है, वे बेहतरीन अभ्यास करते हैं, एक-दूसरे की मदद करते हैं और हर परिस्थिति में साथ खड़े रहते हैं। हमारी टीम की संस्कृति बेहद मजबूत है। हम खिलाड़ियों को अपनी बात खुलकर रखने और खुद जैसा बनने की आजादी देते हैं। यही हमारी सबसे बड़ी ताकत है, चाहे परिस्थितियां अच्छी हों या कठिन।

विश्व कप के दौरान नार्वे की टीम का रोइंग सेलिब्रेशन (नाव चलाने की शैली में जश्न) काफी लोकप्रिय हुआ है। ब्राजील पर जीत के बाद खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने एक बार फिर उसी अंदाज में जीत का जश्न मनाया।

सोलबक्केन ने कहा, मुझे लगता है कि आज पूरा नार्वे एक साथ नाव चला रहा है। यहां भी जश्न है और ओस्लो सहित देश के हर छोटे-बड़े शहर में लोग इस जीत का उत्सव मना रहे हैं। यह रोइंग सेलिब्रेशन हमारी एकजुटता का प्रतीक बन गया है। यह नार्वे के फुटबाल प्रशंसकों के लिए यादगार गर्मी है। सच कहूं तो इस समय कोच से ज्यादा खुश तो प्रशंसक होंगे।

ब्राजील जैसी मजबूत टीम के खिलाफ नार्वे ने उम्मीद से अधिक समय तक गेंद अपने पास रखी। सोलबक्केन ने बताया कि यह उनकी पहले से तय रणनीति थी।

उन्होंने कहा, हम चाहते थे कि गेंद ज्यादा से ज्यादा समय हमारे पास रहे। हमें पता था कि ब्राजील के कुछ खिलाड़ी अपनी पोजिशन में तो शानदार हैं, लेकिन लगातार गेंद के पीछे भागना उन्हें पसंद नहीं है। इसलिए हमने उन्हें इसी तरीके से दबाव में रखने की कोशिश की।

क्वार्टर फाइनल में नार्वे का सामना मेक्सिको या इंग्लैंड से होगा, लेकिन सोलबक्केन ने कहा कि उन्हें किसी विशेष प्रतिद्वंद्वी से फर्क नहीं पड़ता।

उन्होंने कहा, मुझे कोई पसंद नहीं है कि अगला मुकाबला किससे हो। चाहे मेक्सिको हो या इंग्लैंड, हमें अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। मैंने मैच से पहले भी कहा था कि ब्राजील जैसी टीम को हराने के लिए हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना पड़ेगा और आज हमारी टीम उसी स्तर पर खेली। ब्राजील पर ऐतिहासिक जीत के साथ नार्वे पहली बार फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचा है और अब उसकी नजर सेमीफाइनल में जगह बनाने पर होगी।

भारत-फ्रांस खेल उद्योग साझेदारी मजबूत करने की पहल,पेरिस पहुंचा फिक्की प्रतिनिधिमंडल

पेरिस

भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) की खेल समिति का 20 से अधिक सदस्यों वाला प्रतिनिधिमंडल हाल ही में फ्रांस के पेरिस और मार्सेय के दौरे पर पहुंचा। इस दौरे का उद्देश्य खेल कारोबार, खेल प्रशासन, खेल अवसंरचना और ओलंपिक विरासत से जुड़े सफल माडलों का अध्ययन कर भारत में खेलों के विकास के लिए उपयोगी अनुभव जुटाना था। इस प्रतिनिधिमंडल का आयोजन बिजनेस फ्रांस के सहयोग से किया गया।

फिक्की की सोमवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार, प्रतिनिधिमंडल ने मार्सेय के ऐतिहासिक वेलोड्रोम फुटबाल स्टेडियम का दौरा किया, जहां खेल अवसंरचना के बेहतर उपयोग और उसके दीर्घकालिक संचालन की जानकारी दी गई। वर्ष 1937 में स्थापित इस स्टेडियम का उपयोग फुटबाल मुकाबलों के साथ-साथ खेल सत्र समाप्त होने के बाद संगीत कार्यक्रमों और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए भी किया जाता है। प्रतिनिधिमंडल ने दर्शकों को पूरे दिन बेहतर अनुभव देने और डिजिटल माध्यमों से जोड़ने की व्यवस्थाओं का भी अध्ययन किया।

मार्सेय स्थित भारत के महावाणिज्य दूत ने प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए उन्हें वर्ष 2030 के शीतकालीन ओलंपिक खेलों की तैयारियों से जुड़े स्थानीय उद्योगों और संस्थाओं से परिचित कराया।

प्रतिनिधिमंडल ने पेरिस ओलंपिक 2024 की नौकायन प्रतियोगिताओं के आयोजन स्थल तथा मार्सेय के प्रसिद्ध तैराकी केंद्र का भी दौरा किया। यहां विशेषज्ञों से यह समझने का अवसर मिला कि ओलंपिक के लिए तैयार की गई खेल सुविधाओं का प्रतियोगिताओं के बाद भी व्यावसायिक और जनहित में प्रभावी उपयोग किस प्रकार किया जा सकता है। पेरिस में प्रतिनिधिमंडल ने अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों पर आयोजित सम्मेलन में भाग लिया। बिजनेस फ्रांस की प्रमुख अधिकारी सिंथिया रेगुल्स्की ने कहा कि फ्रांस के लिए यह सम्मान की बात है कि वह पेरिस ओलंपिक 2024 से प्राप्त अनुभव और विरासत को अन्य देशों के साथ साझा कर रहा है। सम्मेलन में भारत के लिए उपलब्ध अवसरों पर आयोजित विशेष सत्र की अध्यक्षता फिक्की खेल समिति के सह-अध्यक्ष एवं अदाणी स्पोर्ट्स लाइन के मुख्य व्यवसाय अधिकारी संजय अडेसरा ने की। उन्होंने कहा कि भारत खेल महाशक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और भविष्य में बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी करना चाहता है। ऐसे में फ्रांस के अनुभव भारत के लिए अत्यंत उपयोगी साबित होंगे और दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक सहयोग की नई संभावनाएं खुलेंगी। स्पोर्ट्स इंटरएक्टिव के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सिद्धार्थ रमन ने कहा कि पेरिस ओलंपिक ने यह दिखाया कि किसी शहर की संस्कृति, विरासत और खेलों को एक साथ जोड़कर विश्वस्तरीय आयोजन कैसे किया जा सकता है।

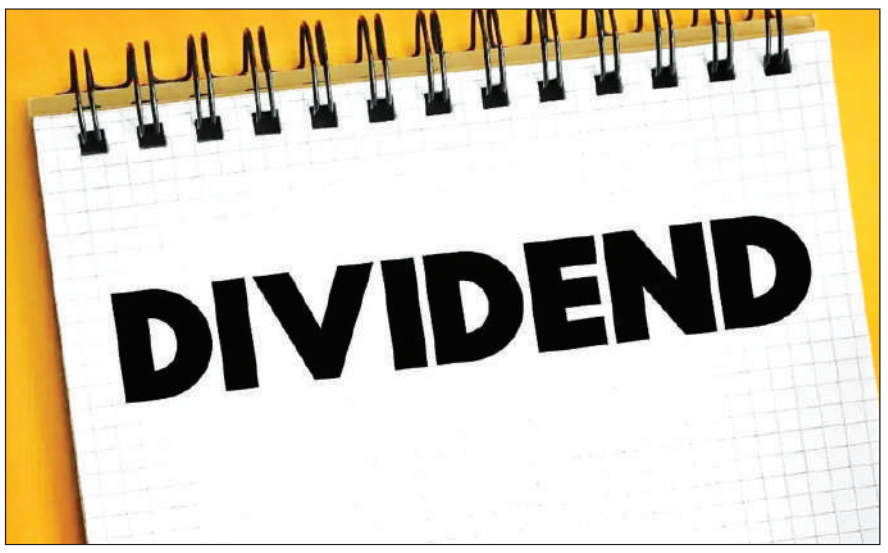

ऑल इन वन
मंगलवार, 07 जुलाई, 2026
हैदराबाद
शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सेरा सेनेटरीवेयर का डिविडेंड धमाका! निवेशकों को मिलेंगे 75 रुपए प्रति शेयर

1500 फीसदी कमाई का मौका, अंतिम मंजूरी 23 जुलाई को होने वाली 28वीं सालाना आम बैठक में मिलेगी

नई दिल्ली

इंटीरियर प्रोडक्ट बनाने वाली अग्रणी कंपनी सेरा सेनेटरीवेयर लिमिटेड अपने शेयरधारकों को वित्त वर्ष 2025-26 के लिए एक बड़ा तोहफा देने जा रही है। कंपनी के बोर्ड आफ डायरेक्टर्स ने प्रति शेयर 75 रुपये के बंपर फाइनल डिविडेंड की सिफारिश की है। यह 5 रुपये के फेस वैल्यू वाले इक्विटी शेयर पर 1500 फीसदी का भारी-भरकम लाभांश है। इस सिफारिश को अंतिम मंजूरी 23 जुलाई को होने वाली 28वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) में मिलेगी, जिसके बाद योग्य निवेशकों की झोली में तगड़ा मुनाफा आएगा। रिकार्ड डेट और पात्रता: कंपनी ने इस बंपर डिविडेंड के भुगतान के लिए 7 जुलाई 2026 को रिकार्ड डेट तय की है। इसका सीधा मतलब है कि जिन निवेशकों के डीमैट अकाउंट में 7 जुलाई, 2026 को कंपनी के शेयर मौजूद होंगे, वे ही इस 75 रुपये प्रति शेयर के लाभांश को पाने के हकदार होंगे। इससे पहले, मई के पहले हफ्ते में हुई बोर्ड मीटिंग के दौरान स्टाक एक्सचेंज फाइलिंग में इस लाभांश की घोषणा की गई थी, जिसे अब अंतिम अनुमोदन मिलना बाकी है। यह कदम उन निवेशकों के लिए एक बड़ी खुशखबरी है, जो अपने पोर्टफोलियो में इस कंपनी के शेयर रखे हुए हैं या लाभांश से कमाई करने की सोच रहे हैं। एजीएम और बुक क्लोजर विवरण: सेरा सेनेटरीवेयर की 28वीं सालाना आम बैठक (एजीएम) गुरुवार, 23 जुलाई :को सुबह 11:30 बजे वीडियो कान्फ्रेंसिंग (वीसी) या अन्य आडियो-विजुअल माध्यमों के जरिए आनलाइन आयोजित की जाएगी। कार्पोरेट मामलों के मंत्रालय और सेबी के नियमों के अनुसार यह बैठक पूरी तरह से आनलाइन होगी। इस बैठक में डिविडेंड को अंतिम मंजूरी मिलने के साथ-साथ कई अन्य महत्वपूर्ण एजेंडों पर भी विचार किया जाएगा। लाभांश वितरण की प्रक्रिया को सुचारू बनाने के लिए, कंपनी के शेयर ट्रांसफर बुक्स और मेंबर्स के रजिस्टर को 8 जुलाई से 15 जुलाई तक बंद रखा जाएगा, जिसे बुक क्लोजर अवधि कहा जाता है। इस अवधि के दौरान शेयर ट्रांसफर संबंधी कोई कार्य नहीं हो पाएगा। शेयर बाजार में कंपनी का हाल: शेयर बाजार में कंपनी के प्रदर्शन पर नजर डालें तो, बीते शुक्रवार को बीएसई पर सेरा सेनेटरीवेयर के शेयर 0.91 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 6434.00 रुपये पर बंद हुए। हालांकि, पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में 15.23 फीसदी का उछाल दर्ज किया गया है, जो निवेशकों के लिए सकारात्मक संकेत है। वहीं, बीते एक साल में इसमें 5.02 फीसदी की गिरावट देखी गई है। कंपनी का मौजूदा मार्केट कैप 8,298.28 करोड़ रुपये है। लंबे समय में (5 साल) कंपनी ने 43.59 फीसदी का रिटर्न दिया है, जबकि 2 और 3 साल की अवधि में इसमें क्रमश: 28.34 फीसदी और 15.77 फीसदी की गिरावट आई है।

न्यूज ब्रीफ

पानी-ईंधन की दोहरी मार, होटलों की आय पर संकट, सूखते जलाशय और लू के थपेड़े, होटलों को पानी की किल्लत

नई दिल्ली । देश और विदेश की प्रमुख होटल श्रृंखलाएं पानी की गंभीर कमी और लगातार बढ़ती ईंधन कीमतों के दोहरे दबाव का सामना कर रही हैं। उद्योग के कार्यकारी अधिकारियों और विश्लेषकों का मानना है कि इन चुनौतियों से उनके परिचालन पर नकारात्मक असर पड़ेगा और उनकी आय भी प्रभावित होगी। अल नीनो के कारण लंबे समय तक रही भीषण गर्मी ने जलाशयों के जलस्तर को काफी नीचे गिरा दिया है, जिससे मुंबई और दिल्ली जैसे घनी आबादी वाले शहरों में पानी की कमी एक बड़ा संकट बन गई है। मुंबई में बृहन्मुंबई महानगर पालिका ने निर्माण स्थलों और स्विमिंग पूल के लिए पानी की आपूर्ति रोक दी है, और व्यावसायिक एवं औद्योगिक उपयोगकर्ताओं के लिए भी कटौती की है। इसके परिणामस्वरूप, कई होटलों को अपनी कपड़े धोने और पूल जैसी सेवाओं को सीमित करना पड़ा है। होटल एसोसिएशन आफ इंडिया के एक अधिकारी ने बताया कि होटलों के परिचालन लागत पर कुछ असर पड़ने की आशंका है। खास तौर पर इसलिए कि पानी की कमी ऐसे समय में हुई है, जब पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कीमतों सहित ईंधन की लागत बढ़ गई है। एक हास्पिटैलिटी सलाहकार फर्म ने भी आगाह किया कि पश्चिम एशिया संघर्ष ने पहले ही मार्च तिमाही के राजस्व को नुकसान पहुंचाया है, और अब कमजोर मानसून अगले दो से तीन तिमाहियों तक गैर-जरूरी खर्च को धीमा कर सकता है। इंडियन होटल्स कंपनी के अधिकारी ने अपनी वित्त वर्ष 2026 की वार्षिक रिपोर्ट में इन चिंताओं को दोहराया है। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 भू-राजनीतिक बदलाव, प्रतिकूल मौसम और व्यापार बाधाओं से अस्थिर रहा, और चालू वित्त वर्ष में भी यह उतार-चढ़ाव जारी है।

मिडकैप फंड्स में निवेशकों का अटूट भरोसा : मई में भी 4,000 करोड़ निवेश

सरकारी खर्च, मजबूत डिफेंस आर्डर और बढ़ती मांग ने मिडकैप कंपनियों के लिए खोले नए रास्ते

नई दिल्ली

भारतीय इक्विटी बाजार में मिडकैप सेगमेंट निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। मई 2026 में भी मिडकैप म्युचुअल फंड्स में 4,000 करोड़ रुपये से अधिक का शुद्ध निवेश दर्ज किया गया, जो अप्रैल के बाद लगातार दूसरा महीना है जब इस कैटेगरी में इतना भारी निवेश आया है। खास बात यह है कि मई में कोई नया मिडकैप फंड लान्च न होने के बावजूद निवेशकों का भरोसा कायम रहा, जो इन कंपनियों के बेहतर ग्रोथ आउटलुक को दर्शाता है। एसोसिएशन आफ म्युचुअल फंड्स इन इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल 2026 में मिडकैप फंड्स में 4,780.58 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश आया था, जबकि मई में यह आंकड़ा 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। मई के दौरान कुल 8,270.23 करोड़ रुपये का निवेश इन फंड्स में आया और 3,885.16 करोड़ रुपये की निकासी हुई, जिससे शुद्ध निवेश 4,385.06 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही, मिडकैप फंड्स का कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर करीब 4.88 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।

कोटक म्युचुअल फंड के सीनियर फंड मैनेजर अतुल भोले के अनुसार, सरकार के बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च, डिफेंस सेक्टर के मजबूत आर्डर, इलेक्ट्रानिक्स व सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग को मिल रहा बढ़ावा, हेल्थकेयर की बढ़ती मांग और निर्यात के बेहतर अवसरों ने मिडकैप कंपनियों के लिए नए ग्रोथ के मौके पैदा किए हैं। देश की युवा आबादी, बढ़ता घरेलू निवेश और नए आर्थिक सुधार भी इन कंपनियों की कमाई बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। अगले 12 महीनों के आउटलुक पर बात करते हुए भोले ने कहा कि पश्चिम एशिया में तनाव कम होने और कच्चे तेल समेत कई कमोडिटी की कीमतों में नरमी से कंपनियों की लागत घटने की उम्मीद है।

टाटा टेक्नोलाजीज 17 को जारी करेगी पहली तिमाही वित्त वर्ष 27 नतीजे, बोर्ड बैठक में अनआडिटेड वित्तीय नतीजों को मिलेगी मंजूरी, जून 24 से इनसाइडर ट्रेडिंग विंडो बंद

नई दिल्ली। टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा टेक्नोलाजीज ने अपनी पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2026-27) के नतीजों की घोषणा के लिए 17 जुलाई 2026 की तारीख तय की है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि इस दिन बोर्ड आफ डायरेक्टर्स की बैठक होगी, जहां जून तिमाही के अनआडिटेड वित्तीय नतीजों को मंजूरी दी जाएगी। उम्मीद है कि नतीजे बाजार बंद होने के बाद जारी होंगे, जैसा पिछली बार हुआ था। कंपनी की रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार, 24 जून 2026 से ट्रेडिंग विंडो बंद कर दी गई है। यह विंडो तिमाही नतीजे सार्वजनिक होने और स्टाक एक्सचेंज पर उनकी जानकारी जारी होने के 48 घंटे बाद तक बंद रहेगी। इसका मुख्य उद्देश्य कंपनी से जुड़े इनसाइडर्स को शेयरों में खरीद-बिक्री करने से रोकना है। पिछली मार्च 2026 तिमाही में टाटा टेक्नोलाजीज का प्रदर्शन शानदार रहा था। कंपनी का कंसोलिडेटेड शुद्ध मुनाफा 8 फीसदी बढ़कर 204 करोड़ रुपए हो गया था, जबकि आपरेशन से आय 22% बढ़कर 1,572 करोड़ तक पहुंच गई थी। एबिटा मार्जिन भी 14.1 फीसदी से बढ़कर 16 फीसदी हो गया था। इस तिमाही में कंपनी ने शेयरधारकों के लिए कुल 11.70 प्रति शेयर का डिविडेंड भी घोषित किया था। शुक्रवार को टाटा टेक्नोलाजीज का शेयर 715.85 रुपए पर 0.50 फीसदी की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

मानसून ने पकड़ी रफ्तार, वर्षा की कमी घटी; खरीफ की बुआई को मिली संजीवनी

देश में बारिश की कमी 40 से घटकर 24 फीसदी हुई, मध्य जुलाई तक सक्रिय रहने के आसार

नई दिल्ली

पहले 40 प्रतिशत रही बारिश की कमी अब घटकर 24 प्रतिशत पर आ गई है। इससे खरीफ फसलों की बुआई, जो जून अंत तक पिछले साल की तुलना में 22 प्रतिशत कम थी, को अब नई जान मिली है। पश्चिम और मध्य भारत में सुस्त मानसून के कारण बुआई ठहर गई थी। खरीफ की अच्छी फसल महंगाई, खासकर दलहन और तिलहन की कीमतों को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी संबल मिलेगा। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि बंगाल की खाड़ी में अनुकूल मौसम पैटर्न के कारण मानसून का यह सक्रिय चरण जुलाई के मध्य तक जारी रहेगा। स्काइमेट वेदर सर्विसेज के महेश पालवात के अनुसार, इससे मौसमी बारिश की कमी का बड़ा हिस्सा दूर हो जाएगा और जुलाई में सामान्य बारिश होगी। मानसून का प्रदर्शन जुलाई में जून से बेहतर रहने की उम्मीद है।

पालवात ने बताया कि मौजूदा सक्रिय चरण 7-8 जुलाई तक चलेगा, जिसके बाद एक छोटा ठहराव आएगा और फिर लगभग 15-16 जुलाई को एक और सक्रिय चरण शुरू होगा। मानसून अब महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश से उत्तर भारत की ओर बढ़ेगा, जिससे इन क्षेत्रों में भी अच्छी बारिश की संभावना है। इस बीच, मौसम विभाग ने उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में बने एक नए दबाव के क्षेत्र की जानकारी दी है। इसके प्रभाव से छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, कोंकण, गोवा, गुजरात और सौराष्ट्र में कई स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

ट्रस्ट...

और उन्हें उनके अपराध की कड़ी सजा मिले।

एसबीआई की भूमिका पर सवाल उठाते हुए गोविंद गिरी ने कहा, एसबीआई को भी अपनी जिम्मेदारी लेने से चूकना नहीं चाहिए। उनकी निगरानी न होने का भी बहुत बड़ा नतीजा हम लोगों को झेलना पड़ा है। वहीं ऋखठ को लेकर उन्होंने कहा, ङ्ख्रमेरी नजर में तो ये एफआईआर भी एसबीआई को ही करनी चाहिए थी, हमारे ट्रस्ट को नहीं करनी चाहिए थी लेकिन हमारे ट्रस्ट के लोग भूल कर गए।

विपक्ष पर वार

गोविंद देव गिरि ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा, सच्चाई ये है कि जिन लोगों ने कभी राम के बारे में बात नहीं की, कभी उनमें विश्वास नहीं किया, और जिनकी पीढ़ियों ने कभी उनकी पूजा नहीं की, वो अचानक राम भक्त बन गए। जिन लोगों ने कार सेवकों पर गोलियां चलाईं, वो अचानक राम भक्त बन गए और जो लोग जालीदार टोपी पहनते थे, सिर्फ इफ्तार पार्टियों में शामिल हुए और कभी राम के मंदिर में नहीं गए, वो भी उनके दर्शन करने आए। इसका सीधा सा मतलब है कि ये चोर चोरी के आरोपों का इस्तेमाल विरोध का माहौल बनाने के लिए बहाने के रूप में कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि हिंदुत्व, एक संगठित समाज के विरोध का माहौल बनाना और इस देश में अराजकता पैदा करना। मैं निश्चित रूप से इस तरह की साजिश देखता हूं। मुझे लगता है कि कई लोग अपने स्वार्थ के लिए यहां आए हैं, क्योंकि जिन्हें कभी यहां आते या अनुकूल बात करते नहीं देखा गया, वो अब राम के लिए अपनी भक्ति में इतने अहम हो गए हैं।

ट्रस्ट ने सभी वस्तुएं सुरक्षित बताईं, एसआईटी रिपोर्ट में आरोप खारिज

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे और दान की गई कीमती वस्तुओं के गायब होने के आरोपों के बीच ट्रस्ट की अहम बैठक संपन्न हो गई। यह बैठक करीब तीन घंटे तक चली। खास बात यह रही कि पहली बार ट्रस्ट की बैठक राम मंदिर परिसर में आयोजित की गई। बैठक के बाद ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी महाराज ने इस पूरे विवाद पर अपना पक्ष रखा।

उन्होंने कहा कि दान में मिली सभी वस्तुएं पूरी तरह सुरक्षित हैं और किसी भी सामान के गायब होने की बात सही नहीं है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रस्ट ने उन सभी वस्तुओं को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया, जिनके चोरी होने या गायब होने के आरोप लगाए जा रहे थे। सोने की रामचरितमानस, भगवान राम के चरण चिन्ह, हार और काकभुशुंडि को कॉन्फ्रेंस में रखा गया।

दरअसल, पूर्व आईएएस अधिकारी एस. लक्ष्मीनारायणन ने सार्वजनिक रूप से आरोप लगाया था कि उनके परिवार ने अप्रैल 2024 में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को सोने की परत चढ़ी मरामचरितमानसफ की एक प्रति दान की थी, जिसकी कीमत करीब 5 करोड़ रुपए है। उनका दावा था कि यह रामचरितमानस कुछ समय तक श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए प्रदर्शित की गई थी।

हालांकि, बाद में उसे वहां से हटा दिया गया और उसके बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई। पूर्व नौकरशाह का यह भी कहना था कि उन्होंने इस संबंध में कई बार मंदिर प्रशासन और महामंत्री चंपत राय से जानकारी मांगी, लेकिन उन्हें संतोषजनक जवाब नहीं मिला। इन आरोपों पर गोविंद देव गिरी ने कहा कि दान की गई सभी वस्तुएं ट्रस्ट की निगरानी में सुरक्षित हैं।

एसआईटी रिपोर्ट में ट्रस्ट पर लगे आरोपों की पुष्टि नहीं

स्वामी गोविंद देव गिरी ने कहा कि किसी भी दान की गई वस्तु के चोरी होने या गायब होने का दावा तथ्यात्मक नहीं है। ट्रस्ट ने यह भी जानकारी दी कि पूरे मामले को लेकर एक समिति का गठन किया गया है। यह समिति संबंधित तथ्यों की समीक्षा करेगी और आगे की प्रशासनिक प्रक्रिया पर अपनी रिपोर्ट देगी। ट्रस्ट की अगली बैठक 22 जुलाई को बुलाई गई है।

उस समय तक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम की विस्तृत और अंतिम रिपोर्ट भी ट्रस्ट के सामने आ जाएगी। रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि 22 जुलाई की बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों की नियुक्ति पर भी चर्चा होगी। इसके साथ ही कुछ नए पदाधिकारियों और कुछ नए न्यासियों की नियुक्ति का निर्णय भी लिया जाएगा।

इसके साथ ही श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने महामंत्री चंपत राय और अनिल मिश्रा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया। कृष्ण मोहन को अंतरिम महामंत्री नियुक्त किया गया है। इस बैठक में ट्रस्ट के चेयरमैन नृत्य गोपाल दास समेत नौ में से सात परमानेंट मेंबर मौजूद थे। इसमें चंपत राय और अनिल मिश्रा को शामिल नहीं किया गया। बैठक शाम करीब 6.30 बजे खत्म हुई।

38 किलो चांदी और 200 किलो चांदी की ईंटें सुरक्षित पाई गईं

इस मामले में एसआईटी की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट भी सामने आई है। श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित बहुमूल्य वस्तुओं के गायब होने की जांच की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इंडियन बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के उत्तर भारत के प्रमुख अनुराग रस्तोगी द्वारा वर्ष 2020 में अर्पित करीब 38 किलो चांदी और सर्राफा एसोसिएशन द्वारा 22.576 किलोग्राम चांदी की ईंट ट्रस्ट के रिकॉर्ड में दर्ज मिली।

जांच में पाया गया कि इन सभी वस्तुओं को बाद में गलाकर बैंक लॉकर में सुरक्षित रखने के लिए सिक्योरिटी प्रिंटिंग एंड मिन्टिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया को भेजा गया था और उनका पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध है। रिपोर्ट में विश्व सिंधी सेवा समाज के अध्यक्ष राजू मंडवानी के उस दावे की भी जांच की गई, जिसमें उन्होंने 2021 में 25-25 किलो की आठ चांदी की ईंटें, यानी कुल 200 किलो चांदी, ट्रस्ट को भेंट करने और उसकी रसीद नहीं मिलने की बात कही थी। एसआईटी को ट्रस्ट द्वारा उपलब्ध कराई गई सूची में इन चांदी की ईंटों का पूरा विवरण मिला। जांच में पुष्टि हुई कि ये ईंटें ट्रस्ट की अभिरक्षा में थीं।

इसे बाद में नियमानुसार गलाने के लिए भेजी गई थीं। मुंबई के कारोबारी अनिल विश्वकर्मा द्वारा भेंट किए गए चांदी के हार और चांदी की चरण पादुकाओं को लेकर भी जांच की गई। ट्रस्ट पदाधिकारियों ने बताया कि ये दोनों वस्तुएं सुरक्षित अभिरक्षा में हैं और एसआईटी ने भी इसका सत्यापन किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि सोशल मीडिया पर चल रहे इन तीनों मामलों में ट्रस्ट पर लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं हुई।

मोजतबा खामेनेई...

नजफ और कर्बला ले जाया जाएगा। गुरुवार को उसे वापस ईरान लाया जाएगा, जहां मशहद में एक और अंतिम यात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद उन्हें मध्यकालीन शिया इमामों में से एक की दरगाह के निकट दफनाया जाएगा।

अली खामेनेई की मौत के लगभग 10 दिन बाद आठ मार्च को मोजतबा खामेनेई को नया सुप्रीम लीडर चुना गया था। 12 मार्च को उन्होंने अपना पहला लिखित संदेश जारी किया था। उनके संदेश को एक टीवी एंकर ने पढ़ा था, जिसमें मोजतबा ने बदला लेने की बात कही थी। इसके बाद से मोजतबा खामेनेई दर्जनों संदेश जारी कर चुके हैं। हालांकि, उनके संदेशों को सरकारी टीवी पर पढ़ा जाता है।

सोशल मीडिया पर चल रही चर्चाओं के बावजूद इस बात का कोई पक्का सबूत नहीं है कि 28 फरवरी के उस हमले के बाद मोजतबा खामेनेई जिंदा भी हैं या नहीं। उस हमले में मोजतबा की पत्नी जहरा हद्दाद आदेल और उनके परिवार के दूसरे सदस्य मारे गए थे।

बाद में 11 अप्रैल को न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने तीन करीबी सूत्रों के हवाले से बताया था कि उस हमले में मोजतबा खामेनेई बुरी तरह जख्मी हो गए थे। उनका चेहरा पूरी तरह बिगड़ गया था और शायद उनका एक पैर भी कट गया था।

पीओके पर...

ममिलियन मार्चफ में शामिल हुए। इस प्रदर्शन का आयोजन भी जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी ने किया। प्रदर्शन में पीओके में नागरिक स्वतंत्रता की मांग उठाई गई।

प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान पर लोकतांत्रिक आवाजों को दबाने का आरोप लगाया और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से पीओके की स्थिति पर ध्यान देने की अपील की है। लोगों का कहना है कि पीओके में राजनीतिक अधिकारों और मानवाधिकारों से जुड़े मुद्दों को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है। लंदन मार्च इस मुद्दे पर दुनिया भर में बढ़ती चिंता का संकेत माना जा रहा है।

पहलगाम हमला...

2. दो गाइड्स ने आतंकियों को देखा था

टूरिस्ट गाइड परवेज अहमद जोठार और बशीर अहमद जोठार वक्त रहते जानकारी देते तो हमला टाला जा सकता था। दरअसल, दोनों गाइड ने आतंकियों को बैसरन में देखा था लेकिन सुरक्षा एजेंसियों को नहीं बताया। दोनों गिरफ्तार हो चुके हैं।

3. हमले से पहले पेड़ के नीचे खाना खाया

हमले से एक दिन पहले तीनों आतंकियों ने गाइड परवेज की झोपड़ी में खाना खाया। जाते वक्त रोटी-सब्जी भी साथ ले गए थे। तीनों आतंकियों ने फायरिंग से पहले बैसरन घाटी में एक पेड़ के नीचे खाना खाया। वारदात के बाद तीनों ने धार्मिक नारे लगाते हुए फायरिंग भी की थी।

4. आतंकियों तक चीन से पहुंचा एक्शन कैमरा

हमले में जिस एक्शन कैमरे का इस्तेमाल किया, वह अमेरिका में बना था और चीन के रास्ते आतंकियों तक पहुंचा था। ये एक छोटा एक्शन कैमरा है, इसे बाइकिंग, ट्रैकिंग, डाइविंग और यात्रा के दौरान वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए बनाया गया है।

5. आतंकियों के मोबाइल कराची-लाहौर से आए

हमले में शामिल आतंकियों का 28 जुलाई को एनकाउंटर हुआ था। इनके पास से ऑरेंज कलर का रेड एमआई 9टी और एक रंग का रेड एमआई नोट 12 बरामद हुआ था। दोनों मोबाइल कराची की सप्लाई चेन के जरिए पाकिस्तान पहुंचे थे। इनके नेविगेशन ऐप में बैसरन घाटी की लोकेशन और स्क्रीनशॉट मिले।

महाराष्ट्र में ...

सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने मुंबई-पुणे के बीच चलने वाली सभी रेल सेवाओं को तत्काल प्रभाव से रोक दिया है। ट्रैक से मलबा हटाने का काम युद्धस्तर पर चल रहा है, लेकिन लगातार हो रही बारिश बाधा बनी हुई है।

भारी वर्षा के कारण पूर्वी उपनगर मानखुर्द में एक तीन मंजिला चाल ताश के पत्तों की तरह ढह गई। इससे मलबे के नीचे दबकर छह लोगों की मौत हो गई है। इस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवार के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने पांच-पांच लाख रुपये मुआवजे की घोषणा की है।

अब तक 13 लोगों की मौत, मौसम विभाग ने जारी किया रेड अलर्ट

पिछले 24 घंटे में पूरे महाराष्ट्र में बारिश के कारण विभिन्न घटनाओं में 13 लोगों के मारे जाने की खबर है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने मंगलवार को नासिक में बादल फटने और 300 मिमी तक बरसात होने की आशंका जताई है। मौसम विभाग ने मुंबई, ठाणे और रायगढ़ जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है।

प्रशासन ने मुंबई के सभी स्कूलों, कालेजों और सरकारी कार्यालयों को बंद रखने का आदेश दिया है। मुंबई के निचले इलाकों जैसे हिंदमाता, सायन, कुर्ला और अंधेरी में सड़कों पर कई फीट पानी जमा हो गया है। पिछले तीन दिनों से बारिश के साथ तेज हवा के कारण मुंबई में 250 से ज्यादा पेड़ गिरने की खबर है। जलभराव के कारण लोकल ट्रेनें देरी से चल रही हैं।

सड़कों पर पानी भरने से यातायात प्रभावित, मीलों लंबा जाम

सड़कों पर पानी भरने से यातायात बुरी तरह प्रभावित हुआ है और जगह-जगह मीलों लंबा ट्रैफिक जाम लग गया है। लोग घंटों से अपनी गाड़ियों में फंसे हुए हैं। मुंबई से राजधानी दिल्ली के बीच चलने वाली राजधानी एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनें देरी से चल रही हैं।प्रेट्र के अनुसार, भारी बारिश के मद्देनजर विधानमंडल के दोनों सदनों को स्थगित कर दिया गया। स्थगन से पहले मुख्यमंत्री फडणवीस ने विधानसभा में कहा कि यह एक अप्रत्याशित स्थिति है, जो मानव नियंत्रण से परे है। उन्होंने लोगों से सभी गैरजरूरी यात्रा से बचने और भारी बारिश के दौरान जलप्रपात या पर्यटन स्थलों पर नहीं जाने की अपील की।मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी कंपनियों को मानवीय आधार पर अपने कर्मचारियों को मवर्क फ्रॉम होमफ की सुविधा देनी चाहिए। आगाह किया कि जो संस्थान इस गाइडलाइन का पालन नहीं करेंगे, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मुंबई की महापौर ऋतु तावड़े ने भी नागरिकों से अपील की है कि वे बहुत जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकलें।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 07 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

सीएसआईआर–आईआईसीटी के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी प्रतिष्ठित सीआरएसआई सिल्वर मेडल से सम्मानित

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): सीएसआईआर–भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीए–सआईआर–आईआईसीटी) के निदेशक डॉ. डी. श्रीनिवास रेड्डी को केमिकल रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया (सीअ–ारएसआई) द्वारा प्रतिष्ठित मसीआरए–सआई सिल्वर मेडलफ से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान रासायनिक अनुसंधान और वैज्ञानिक नेतृत्व के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया गया है। डॉ. रेड्डी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित कार्बनिक रसायन शास्त्री हैं, जिनके प्राकृतिक उत्पाद संश्लेषण , औषधीय रसायन विज्ञान और दवा की खोज में अग्रणी शोध ने रासायनिक विज्ञान की सीमाओं को महत्वपूर्ण रूप से आगे बढ़ाया है।

शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार, जे. सी. बोस राष्ट्रीय फैलोशिप और भारत की अग्रणी विज्ञान अकादमियों की फैलोशिप सहित कई प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त कर चुके डॉ. रेड्डी ने 160 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित किए हैं। इसके साथ ही उन्होंने कई पेटेंट अपने नाम किए हैं और अनुवादकीय व औद्योगिक प्रासंगिकता वाली प्रभावशाली तकनीकों का विकास किया है। वह सीएसआईआर की कई मिशन परियोजनाओं में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

सीआरएसआई सिल्वर मेडल केमिकल रिसर्च सोसायटी ऑफ इंडिया द्वारा प्रदान की जाने वाली सबसे प्रतिष्ठित प्राथमिकताओं में से एक है। यह पदक उन वैज्ञानिकों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है जिन्होंने उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान और

नवाचार के माध्यम से रासायनिक विज्ञान में उत्कृष्ट और निरंतर योगदान दिया है। यह पुरस्कार रसायन विज्ञान के विभिन्न विषयों में उत्कृष्टता को मान्यता देता है और उन व्यक्तियों की सराहना करता है जिनके काम ने वैज्ञानिक ज्ञान को समृद्ध किया है। वैज्ञानिक समुदाय के भीतर विशिष्टता के प्रतीक के रूप में व्यापक रूप से माने जाने वाला यह सीआरएसआई सिल्वर मेडल, रासायनिक अनुसंधान में असाधारण उपलब्धियों और स्थायी प्रभाव को स्वीकार करता है।

संस्थान और देश के विकास में आईआईसीटी की भूमिका

इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर संपूर्ण सीएसआईआर–आईआईसीटी (सीए–सआईआर–आईआईसीटी) परिवार ने डॉ. रेड्डी को इस योग्य सम्मान के लिए बधाई दी है और रासायनिक विज्ञान व प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने में उनकी निरंतर सफलता की कामना की है। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) की एक प्रमुख घटक प्रयोगशाला के रूप में, हैदराबाद स्थित सीएसआईआर–भारतीय रासायनिक प्रौद्योगिकी संस्थान (सीएसआईआर–आईआईसीटी), रासायनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी में अत्याधुनिक अनुसंधान और नवाचार के लिए समर्पित है। सीएसआईआर–आईआईसीटी ने कार्बनिक संश्लेषण, उत्प्रेरण , फार्मास्यूटिकल्स, कृषि रसायनों, सूक्ष्म रसायनों , उन्नत सामग्रियों, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण प्रौद्योगिकियों और प्रक्रिया इंजीनियरिंग में अनुसंधान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह संस्थान वैज्ञानिक खोजों को व्यावसायिक रूप से व्यवहार्य तकनीकों में बदलने और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, नवाचार व कुशल मानव संसाधन विकास के माध्यम से भारत के रासायनिक और दवा क्षेत्रों के विकास को समर्थन देने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है।

सेवा का दीप जब सब मिलकर जलाते हैं, तभी समाज में उम्मीद की नई रोशनी फैलती है : राम प्रकाश अग्रवाल

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास सोमवार को नियमित सेवा एवं अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, समर्पण और सेवा भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सेवा–भावी कार्यकर्ताओं ने सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों की सेवा की और मानवता का संदेश दिया।

इस अवसर पर राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक राम प्रकाश अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यह किसी एक व्यक्ति, समाज, संस्था, जाति या विशेष समुदाय का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह मानव सेवा का ऐसा अभियान है, जिसमें हर वह व्यक्ति स्वागत योग्य है जिसके मन में दूसरों के लिए प्रेम, करुणा और सेवा का भाव है। उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल अन्नदान करना नहीं, बल्कि लोगों के दिलों को जोड़ना, समाज में अपनत्व बढ़ाना और सेवा को जन–जन का संस्कार बनाना है।

राम प्रकाश अग्रवाल ने भावुक शब्दों में कहा कि जब कोई व्यक्ति अपनी मेहनत की कमाई का एक छोटा–सा अंश सेवा के लिए देता है, जब कोई अपना कीमती समय निकालकर जरूरतमंदों के बीच खड़ा होता है, जब कोई अपने हाथों से भोजन परोसता है और किसी भूखे के चेहरे पर मुस्कान लाता है, तब वही क्षण सच्ची पूजा और ईश्वर की वास्तविक आराधना बन जाता है। सेवा का आनंद शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता, उसे केवल महसूस किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि हमें अत्यंत गर्व और संतोष है कि आज इस सेवा अभियान से समाज के हर वर्ग के लोग लगातार जुड़ रहे हैं। कोई आर्थिक सहयोग देकर, कोई तन से श्रमदान करके, कोई मन से प्रेरणा देकर और कोई अपना समय समर्पित करके इस सेवा यज्ञ को निरंतर आगे बढ़ा रहा है। यही सामूहिक सहयोग हमारी सबसे बड़ी शक्ति और सबसे बड़ी पूंजी है। हम उन सभी सहयोगियों के प्रति हृदय की गहराइयों से आभार व्यक्त करते हैं, जिनके निस्वार्थ सहयोग से यह सेवा का कारवां दिन–प्रतिदिन आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने सेवा को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सुनीता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम कुमावत, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सुशील गुप्ता, जगन गुप्ता, भगत राम गोयल, रोहित अग्रवाल एवं सुमन अग्रवाल सहित अनेक सेवा–भावी कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने पूरे समर्पण के साथ सेवा कार्य में भाग लेते हुए यह संदेश दिया कि जब समाज एकजुट होकर मानवता की सेवा करता है, तब वही सेवा एक आंदोलन बन जाती है और वही आंदोलन समाज में सकारात्मक परिवर्तन का आधार बनता है।

श्री वर्धमान महिला मंडल, कोरा सिख विलेज, सिकंदराबाद की सदस्यों ने महासती आगम श्रीजी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन–वंदन किए। तत्पश्चात आनंद भवन, कोरा में आयोजित बैठक में महासती आगम श्रीजी म.सा. के चातुर्मास मंगल प्रवेश के संबंध में विस्तृत विचार–विमर्श किया गया। उल्लेखनीय है कि महासती आगम श्रीजी म.सा. का चातुर्मास मंगल प्रवेश 17 जुलाई को आनंद भवन, कोरा में संपन्न होगा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भारतीय जनता पार्टी तेलंगाना प्रदेश कार्यालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एक दूरदर्शी राष्ट्रभक्त, महान शिक्षाविद् तथा एक भारत, श्रेष्ठ भारत के स्वप्न के शिल्पकार थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक पहचान को समर्पित कर दिया। उनके विचार एवं आदर्श आज भी देशवासियों को एक सशक्त, एकजुट और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए निरंतर प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम में भाजपा तेलंगाना अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह, प्रदेश महामंत्री रजनीश जैन एवं हरप्रीत सिंह गुलाटी सहित मोर्चा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों पर चलने तथा राष्ट्रहित के प्रति समर्पित रहने का संकल्प व्यक्त किया।

महेश बैंक के वाइस चेयरमैन गोविन्द राठी ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की अध्यक्ष साध्वी निरंजन ज्योति से पिछड़ा वर्ग आयोग कार्यालय में भेंट कर महेश बैंक की प्रगति की जानकारी देते हुए उन्हें हैदराबाद में बैंक के कार्यालय में पधारने का निमंत्रण दिया ।

निजाम क्लब के चुनाव में विजयी उपाध्यक्ष के.एम. अश्वाक अहमद, मानद मंत्री बी. मुत्यम रेड्डी, रिषिराज सिंह राठौड़, सय्यद समीर जावेद कार्यकारिणी सदस्यों का स्वागत करते हुए महेश बैंक के पूर्व चेयरमैन रमेश कुमार बंग, सुमेश कुमार बंग एवं नारायणदास लोया ।

4 जुलाई 2026 को सेंट एंड्रूज हाई स्कूल, सुचित्रा में आयोजित इन्वेस्टिचर सेरेमनी में विद्यार्थियों को विभिन्न नेतृत्व दायित्व सौंपे गए। इस अवसर पर एतांश आर. तातेड को विद्यालय का वाई.एफ.एस. कैप्टन तथा हरित टी. तातेड को सैफायर नाइट्स का कैप्टन नियुक्त किया गया। समारोह के दौरान विद्यालय को सर्वश्रेष्ठ मार्चिंग की शील्ड डी.सी.पी. पी. इंदिरा एवं विद्यालय की प्रिंसिपल मैडम द्वारा प्रदान की गई। इस उपलब्धि पर दोनों विद्यार्थियों एवं विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दी गईं।

हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद की 617वीं मासिक साहित्यिक गोष्ठी संपन्न

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी लेखक संघ, हैदराबाद की 617वीं मासिक साहित्यिक गोष्ठी आबिड्स स्थित अमृत कॉन्फ्रेंस हॉल, राघव रत्ना टॉवर्स में साहित्यिक गरिमा के साथ आयोजित हुई। गोष्ठी का प्रथम सत्र अमर क्रांतिकारी एवं साहित्यकार पंडित राम प्रसाद बिस्मिल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को समर्पित रहा, जिसमें वरिष्ठ कवयित्री आशा ठाकुर एवं विद्या दवे श्रीमाली ने उनके जीवन, राष्ट्रभक्ति और साहित्यिक योगदान पर प्रेरक विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अमृत कुमार जैन तथा विशिष्ट अतिथि वर्षा संचेती, अंजनी कुमार गोयल, एस. के. जैन लौंगपुरिया एवं के. एल. श्रीनिवास

राव उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने हिंदी लेखक संघ की साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों की सराहना की।

द्वितीय सत्र में चंपालाल बैद की अध्यक्षता में कवि गोष्ठी आयोजित की गई, जिसका शुभारंभ आशा ठाकुर की सरस्वती वंदना से हुआ। इस अवसर पर गोविंद अक्षय, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, विद्या दवे श्रीमाली, अंजनी कुमार गोयल, राजकुमार यादव, एस. के. जैन लौंगपुरिया, तश्क़ील रज़्ज़ाकी, शिवकुमार तिवारी कोहिरी, इमरान हुसैन, पूनम जोधपुरी सहित अनेक कवियों ने प्रभावशाली काव्य–पाठ प्रस्तुत किया।

अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव ने राम प्रसाद बिस्मिल के आदर्शों को युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बताया, जबकि मुख्य अतिथि अमृत कुमार जैन ने हिंदी लेखक संघ के हिंदी भाषा एवं साहित्य के प्रचार–प्रसार में योगदान की सराहना की।

अंत में अतिथियों, साहित्यकारों एवं उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया गया।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

दुर्गम चेरुवु को मिलेगा नया पर्यटन स्वरूप : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):
भारत फ्यूचर सिटी में आगामी दिसंबर महीने में आयोजित होने वाले तेलंगाना राइजिंग ग्लोबल समिट के दूसरे संस्करण को ध्यान में रखते हुए, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को इस आयोजन के लिए विभागों के बीच प्रभावी समन्वय सुनिश्चित करने के लिए विभागीय समितियां गठित करने के निर्देश दिए हैं।

सोमवार को पर्यटन और अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ हुई एक उच्च स्तरीय बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने इस बात पर चर्चा की कि वैश्विक स्तर के पर्यटन स्थलों को विकसित करके निवेशकों को कैसे आकर्षित और प्रोत्साहित किया जा सकता है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे पर्यटन विभाग के साथ मिलकर हैदराबाद की मुख्य शहरी सीमाओं के भीतर वन भूमि पर इको-टूरिज्म (पारिस्थितिक पर्यटन) विकसित करने के लिए काम करें।

भारत फ्यूचर सिटी में बनेंगे अंतरराष्ट्रीय स्तर के इको-पार्क

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि भारत फ्यूचर सिटी के भीतर की वन भूमि को गुर्रमगुड़ा इको पार्क की तर्ज पर अंतरराष्ट्रीय स्तर के पर्यटन स्थलों और इको-पार्कों के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तारामती बारादरी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों को सैलानियों को आकर्षित करने के लिए और अधिक विकसित किया जाए, साथ ही दुर्गम चेरुवु को एक पूर्ण विकसित पर्यटन स्थल के रूप में तैयार करने के आदेश दिए। इसके अतिरिक्त, उन्होंने मंजीरा और दिलकुशा गेस्ट हाउसों के आधुनिकीकरण के भी निर्देश जारी किए।

पर्यटन हब विकास योजना के तहत विकाराबाद का कायाकल्प

टूरिज्म हब डेवलपमेंट स्कीम (पर्यटन हब विकास योजना) के तहत उन्होंने कहा कि विकाराबाद को श्री वीरभद्र स्वामी मंदिर पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए विकसित किया जाना चाहिए। उन्होंने इस मंदिर के लिए यादगिरीगुट्टा की तर्ज पर एक प्रबंधन समिति (प्रबंधक समिति) गठित करने के आदेश दिए।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि कोर अर्बन लिमिट्स के भीतर शहरी वन शैली (अर्बन फॉरेस्ट स्टाइल) में इको-टूरिज्म परियोजनाएं विकसित की जानी चाहिए और इन कार्यों में तेजी लाने के लिए विशेष अधिकारी नियुक्त किए जाने चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि पुरानापुल जैसे ऐतिहासिक धरोहर पुलों को पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित किया जाए और यदि आवश्यक हो, तो वहां के यातायात को वैकल्पिक मार्गों पर डायवर्ट किया जाए।

इस महत्वपूर्ण बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार के. रामकृष्ण राव, विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, पर्यटन आयुक्त वाणी प्रसाद और कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सेवा ही संस्कार है : जगत नारायण अग्रवाल

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान एवं सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया तथा मानव सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाया गया।

इस अवसर पर समाजसेवी जगत नारायण अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ङ्गङ्गसेवा ही हमारे जीवन का सबसे बड़ा संस्कार है। निस्वार्थ भाव से की गई सेवा ईश्वर की सच्ची आराधना है।

जब हम किसी जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाते हैं, तभी हमारा जीवन सार्थक बनता है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद पिछले लंबे समय से बिना किसी भेदभाव के सेवा कार्य कर समाज के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है, और हम सभी का प्रयास है कि यह सेवा यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहे।ङ्गङ्ग

उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपने सामर्थ्य के अनुसार सेवा कार्यों में भागीदारी निभानी चाहिए, क्योंकि सेवा से ही समाज में प्रेम, सद्भाव और मानवता का विस्तार होता है।

कार्यक्रम में जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धारशुवाले, पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, महेश गोयल, रेनू शर्मा एवं जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सक्रिय सहयोग देकर जरूरतमंदों के प्रति संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचय दिया।

श्री उज्जैनी महाँकाली मंदिर सेवा समिति, महाँकाली स्ट्रीट, सिकंदराबाद में गजेंद्र कोलारिया (गज्जू भाई) एवं चंदू भाई तिवाड़ी के बाद, पुनः तीसरी बार सिखवाल समाज का प्रतिनिधित्व करते हुए संजय उपाध्याय (सुपुत्रः श्री गोपीकिशन जी उपाध्याय) को सर्वसम्मति से समिति का सदस्य मनोनीत किया गया। इस अवसर पर श्री बाबा रामदेव मित्र मंडल, सिकंदराबाद के अध्यक्ष गज्जू भाई कोलारिया द्वारा संजय उपाध्याय का स्वागत एवं सम्मान किया गया।

रामचंद्र राव ने कालेश्वरम परियोजना को लेकर कांग्रेस-बीआरएस के बीच सांठगांठ का लगाया आरोप

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने सोमवार को आरोप लगाया कि राज्य की कांग्रेस सरकार और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना में कथित भ्रष्टाचार को लेकर राजनीतिक ड्रामा कर रही हैं। उन्होंने इसके लिए ज़िम्मेदार लोगों के ख़िलाफ़ सख़्त कार्रवाई की मांग की है।

श्री राव ने नमपल्ली में भाजपा कार्यालय में भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि बीआरएस की पूर्ववर्ती सरकार ने कालेश्वरम परियोजना को एक एटीएम की तरह इस्तेमाल किया और उस पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण की तकनीकी जांच में बांध की सुरक्षा में कमियां पाए जाने की रिपोर्ट के बावजूद सरकार ने मरम्मत का काम शुरू नहीं किया।

उन्होंने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी पर आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार के लिए कथित तौर पर ज़िम्मेदार लोगों के ख़िलाफ़ कार्रवाई करने के बजाय उन्होंने कुछ अधिकारियों के ख़िलाफ़ केवल दिखावटी कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर कांग्रेस और बीआरएस की मिलीभगत है और इस मामले पर मुख्यमंत्री के नरम रुख के लिए स्पष्टीकरण की मांग की है।

भाजपा नेता ने हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति सुरक्षा एजेंसी (एचवाईडीआरएए) के काम करने के तरीके पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि तोड़-फोड़ की कार्रवाई में भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने पूछा कि एजेंसी गरीबों के घर क्यों तोड़ रही है, जबकि ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एमआईएम) से जुड़े अवैध निर्माणों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। फातिमा शैक्षणिक संस्थानों का ज़िक्र करते हुए श्री राव ने दावा किया कि इन संस्थानों के पास ज़रूरी मंज़ूरी नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मामला अदालत की निगरानी में होने के बावजूद कोई तोड़-फोड़ की कार्रवाई नहीं की गयी तथा कांग्रेस सरकार और एमआईएम के रिश्ते की वजह से ही चुनिंदा कार्रवाई हो रही है और सवाल किया कि क्या एचवाईडीआरएए सिर्फ़ गरीबों को निशाना बनाने के लिए बनी है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग वर्गों के लिए न्याय के अलग-अलग पैमाने नहीं होने चाहिए। उन्होंने राजनीतिक जुड़ाव की परवाह किए बिना सभी अवैध निर्माणों के खिलाफ़ तुरंत कार्रवाई की मांग की।

एसीबी ने भीम रेड्डी को किया गिरफ्तार पक्षपात के आरोपों को नकारा

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो): भ्रष्टाचार निर-ोधक ब्यूरो ने पिछले सप्ताह की गई छापेमारी के बाद सोमवार को डीएसपी संकीरेड्डी भीम रेड्डी को गिरफ्तार कर लिया। इस तलाशी में बाजार मूल्य के अनुसार करीब 200 करोड़ रुपये की बेनामी संपत्ति का खुलासा हुआ है। वहीं, एसीबी ने इस मामले में आरोपी अधिकारी के प्रति किसी भी तरह का नरम रुख या विशेष पक्षपात दिखाने के आरोपों से साफ इनकार किया है।

शनिवार को एसीबी ने तेलंगाना और कर्नाटक में भीम रेड्डी के कथित बेनामीदारों, परिवार के सदस्यों, सहयोगियों और दोस्तों के 16 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। हालांकि, कार्रवाई के दौरान आरोपी अधिकारी का रक्तचाप (ब्लड प्रेशर) अचानक बढ़ जाने के कारण, एसीबी ने उनके पुराने मेडिकल रिकॉर्ड के आधार पर परिवार को उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराने की अनुमति दे दी थी।

एक एसीबी अधिकारी ने खुलासा करते हुए कहा, भीम रेड्डी के निजी अस्पताल में भर्ती होने के कारण हम उनका बयान दर्ज नहीं कर सके थे। अब उनका बयान दर्ज करने और अन्य आधिकारिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, हम उन्हें न्यायिक रिमांड के लिए एसीबी के प्रधान एसपीई जज के समक्ष पेश करेंगे।

निष्पक्षता पर उठे सवाल, विभाग ने दी सफाई

आय से अधिक संपत्ति के मामले में फंसे बिजली विभाग के एक अधिकारी अंबेडकर एरुगु की पत्नी डी.आर. तबीता द्वारा लगाए गए आरोपों पर रविवार को एसीबी अधिकारी ने स्थिति स्पष्ट की। तबीता ने आरोप लगाया था कि एसीबी ने उनके पति के साथ अलग तरह से व्यवहार किया और भीम रेड्डी के मामले में अलग तरह का रवैया अपना रही है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए एक वरिष्ठ एसीबी अधिकारी ने स्पष्ट किया, आय से अधिक संपत्ति या ट्रैप (रिश्वत लेते पकड़ना) से जुड़े सभी मामलों में हमारी जांच का तरीका एक समान होता है। जनता को भरोसा है कि न्याय होगा। हमारे अधिकारी अपने काम के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं और हमारा इरादा बिल्कुल साफ है।भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करना।

तबीता ने दावा किया था कि भीम रेड्डी को शनिवार को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 35 (3) के तहत केवल नोटिस जारी किया गया था और उन्हें न तो गिरफ्तार किया गया और न ही न्यायिक हिरासत में भेजा गया। जबकि उनके पति एरुगु को जांचकर्ताओं के साथ स्वेच्छा से सहयोग करने के बावजूद गिरफ्तार कर 36 दिनों की न्यायिक हिरासत में रखा गया था।

200 करोड़ की अकूत संपत्ति: विला, सोना और नकदी बरामद

भीम रेड्डी के बेनामीदारों के ठिकानों पर की गई तलाशी के दौरान एसीबी अधिकारियों ने कई अचल संपत्तियों के दस्तावेज बरामद किए हैं। इनमें इब्राहिम बाग के वेसेला मीडोज में एक विला, टेलीकॉम नगर में एक पेंटहाउस और एक फ्लैट के साथ जी+2 आवासीय इमारत, गचीबोवली में एक फ्लैट, तेल्लापुर में दो फ्लैट, नागोल, पाटनचेरु और प्रगति रिसॉर्ट्स में ओपन प्लॉट शामिल हैं। इसके अलावा मणिकोंडा में व्यावसायिक संपत्तियां, संगारेड्डी, विकाराबाद और कर्नाटक में कृषि भूमि के साथ-साथ एक रॉक सैंड माइनिंग कंपनी में 75 लाख रुपये के निवेश के दस्तावेज भी मिले हैं।

बरामदगी का मुख्य विवरण:

नकदी: डीएसपी के आवास से लगभग 3.6 लाख रुपये और एक कथित बेनामीदार के घर से 40 लाख रुपये नकद जब्त किए गए।

कीमती धातुएं: तलाशी के दौरान 2 किलोग्राम सोने के आभूषण और 20 किलोग्राम चांदी के आभूषण बरामद किए गए।

बैंक बैलेंस: विभिन्न खातों में करीब 21 लाख रुपये की बैंक राशि भी सीज की गई है।

भट्ट फाउंडेशन की प्रेरणा से मलकपेट स्थित मूक-बधिर रेजिडेंशियल स्कूल के विद्यार्थियों के लिए शाक-भाजी एवं अन्य आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया।
इस सेवा कार्यक्रम में विशाल जैन, आकांक्ष जैन, पंडित भारत भट्ट तथा स्कूल के संचालक तुलसी उपस्थित रहे। सभी ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

पुराने फर्नीचर और गद्दों के लिए जीएचएमसी ने शुरू की मुफ्त डोरस्टेप पिकअप सेवा

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो):
ग्रेटर हैदराबाद नगर निगमने अवैध कचरा डंपिंग को रोकने और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन में सुधार लाने के उद्देश्य से, पुराने गद्दों और भारी फर्नीचर को घर से मुफ्त में उठाने (फ्री डोरस्टेप कलेक्शन) की सेवा का विस्तार अपने सभी छह जोनों में कर दिया है।

इस नई पहल के तहत, शहर के निवासी जीएचएमसी की वेबसाइट पर दिए गए एक क्यूआर कोड को स्कैन करके पिकअप शेड्यूल कर सकते हैं। इसके बाद, घरों से बेकार और पुराना सामान इकट्ठा किया जाएगा और उसे अधिकृत चैनलों के माध्यम से रीसाइक्लिंग (पुनर्चक्रण) और प्रसंस्करण के लिए भेजा जाएगा।

सड़कों और झीलों पर कचरा फेंकने से मिलेगी मुक्ति

नगर निकाय ने कहा कि इस सेवा का मुख्य उद्देश्य घरों के भारी-भरकम कचरे को सड़कों के किनारे, खुले स्थानों, झीलों और नालों में डंप होने से रोकना है, क्योंकि इससे अक्सर स्वच्छता और पर्यावरण संबंधी गंभीर समस्याएं पैदा हो जाती हैं।

यह सुविधा अब सिकंदराबाद, खैरताबाद, गोलकुंडा, चारमीनार, राजेंद्रनगर और शमशाबाद जोनों में पूरी तरह से उपलब्ध है।

रीसाइक्लिंग को बढ़ावा और नागरिकों को बड़ी सुविधा

अधिकारियों ने बताया कि गद्दे, सोफे, टेबल, अलमारी और अन्य बड़े घरेलू सामानों का निपटान करना नियमित कचरा संग्रह प्रणालियों के माध्यम से निवासियों के लिए अक्सर काफी कठिन होता है।

यह समर्पित पिकअप सेवा रीसाइक्लिंग के प्रयासों को मजबूती देने के साथ-साथ शहरवासियों को एक सुविधाजनक और बेहतरीन विकल्प मुहैया कराती।

चेवेल्ला में विकास कार्यों का बजा बिगुल, 18.57 करोड़ की परियोजनाओं का मंत्री ने किया शिलान्यास

चेवेल्ला, 6 जुलाई। रंगारेड्डी जिले के प्रभारी मंत्री व आईटी मंत्री दुद्दिल्ला श्रीधर बाबू ने स्थानीय विधायक काले यादैया के साथ चेवेल्ला विधानसभा क्षेत्र में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार इन विकास कार्यों की कुल अनुमानित लागत 18.57 करोड़ है। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

विकास कार्यक्रम के तहत शंकरपल्ली नगरपालिका में बीडीएल चौराहे के सौंदर्यीकरण तथा नगर स्वच्छता को सुदृढ़ करने के लिए सक्शन जेटिंग मशीन का उद्घाटन किया गया। चेवेल्ला मंडल के ईर्लापल्ली में ग्राम पंचायत भवन, कंपाउंड वॉल, सीसी सड़क और स्ट्रीट लाइट कार्यों का शुभारंभ हुआ। वहीं चेवेल्ला नगरपालिका में शंकरपल्ली जंक्शन के विकास, अंगड़ी बाजार में सीसी सड़क और पामेना क्षेत्र में बीटी सड़क निर्माण की आधारशिला रखी गई। इसके अलावा शाबाद मंडल में सरदारनगर मार्केट यार्ड, अस्पल्लीगुडा-गोल्लाबस्ती सड़क, शाबाद-शादनगर पीडब्ल्यूडी सड़क, मंडल मुख्यालय तथा मल्लारेड्डीगुडा गांव में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास किया गया। मुडिम्याल गांव में डीडब्ल्यूसीआरए भवन, आंगनवाड़ी भवन, सीसी सड़क एवं स्ट्रीट लाइट परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी संपन्न हुआ। सभा को संबोधित करते हुए मंत्री श्रीधर बाबू ने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

नामपल्ली स्थित अदालत में आग लगी, कोई हताहत नहीं

हैदराबाद, 06 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में हैदराबाद के नामपल्ली स्थित एक अदालत की इमारत की तीसरी मंज़िल पर सोमवार तड़के आग लग गयी। घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। अदालत के कर्मचारियों ने आग की लपटें देखीं और तुरंत अग्निशमन सेवा को इसकी सूचना दी। इसके बाद दमकलकर्मी दो वाहनों के साथ मौके पर पहुंचे और आग को दूसरी मंज़िलों तक फैलने से पहले ही काबू में कर लिया। अधिकारियों ने बताया कि दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से एक बड़ा हादसा टल गया। शुरुआती जांच से पता चला है कि आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी थी। उन्होंने बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ और स्थिति के पूरी तरह नियंत्रण में होने की पुष्टि की है। अधिकारियों ने आग लगने के सही कारण का पता लगाने और अदालत की इमारत को हुए नुकसान का आकलन करने के लिए जांच शुरू कर दी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.